कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

उमिया माता
कुल देवी-कड़वा पटेल समाज
ऊंझा, अहमदाबाद (गुजरात)

कुरुम्बा भगवती
कुल देवी-कुरुम्बी समाज
वीसूर (केरला)

मीनाक्षी देवी
कुल देवी-वेल, वोल व पाण्ड्या
वंशी कूर्मि, मदुरै (तमिलनाड़)

कुल देवता
मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं
गणशक्ति का प्रतीक (छत्तीसगढ़)

थैवन्नई देवी
कुल देवी कुरुम्बी समुदाय
दक्षिण भारत (तमिलनाड़)

कौशिल्या माता मंदिर
विश्व में एक मात्र, 8 वीं शताब्दी
चंदखुरी, रायपुर (छ.ग.)

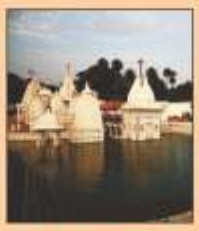

नर-मादा उद्गम
अमरकंटक
छ.ग./म.प्र.

गौतम बुद्ध
जन्म-वैशाख पूर्णिमा
(बुद्ध पूर्णिमा) 563 ई.पू.
निर्वाण - 483 ई.पू.

चित्रकूट जल प्रपात
एशिया का सबसे बड़ा जल प्रपात
बस्तर, छत्तीसगढ़

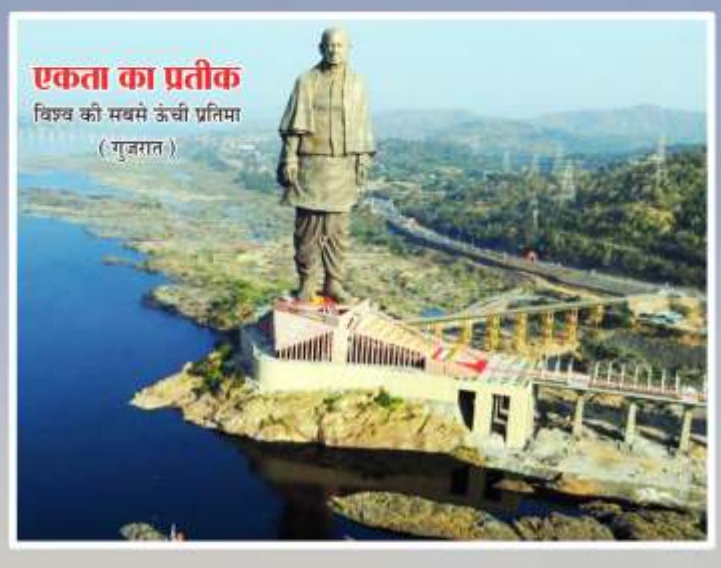

एकता का प्रतीक
विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा
(गुजरात)

लक्ष्मण मंदिर
5 वीं शताब्दी में लाल ईंटों से निर्मित
सिरपुर, महासमुन्द (छ.ग.)

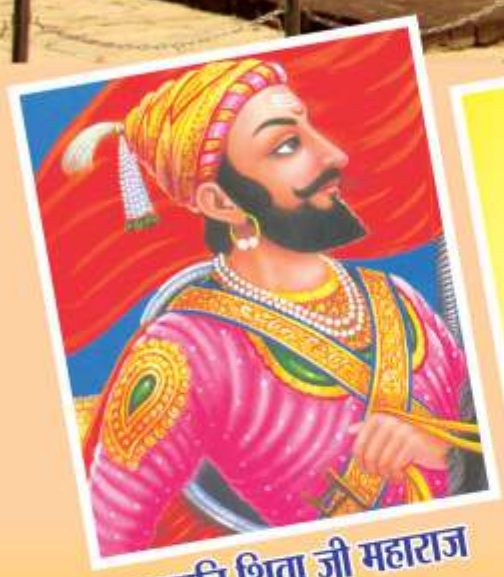

छत्रपति शिवा जी महाराज
जन्म - 28 अप्रैल 1630
(नवीन मत)
निर्वाण -3 अप्रैल 1680

छत्रपति शाहू जी महाराज
जन्म - 26 जुलाई 1874
निर्वाण - 6 मई 1922

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल
जन्म - 31 अक्टूबर 1875
निर्वाण - 15 दिसम्बर 1950

डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म - 19 जुलाई 1900
निर्वाण - 22 फरवरी 1969

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

Kurmi Samaj App
www.kurmisamaj.in
GET IT ON Google Play
समाज डाइरेक्टरी, किसान मंत्र, महिला सशक्तीकरण समाचार, विद्यार्थी समाचार, विवाह समाचार, रक्तदान, रोजगार समाचार, व्यवसायिक समाचार, संगठन इत्यादि हेतु कूर्मि समाचार एप मोबाईल पर डाऊनलोड करें ।
कूर्मि प्रशांत पटेल
मो. : 9617066669

Creative Computer 9329111036

सहयोग राशि- रू. 40/-

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की राज्यवार जानकारी विवरण

भारत देश में कूर्मियों की राज्यवार जनसंख्या 2018

क्र0	राज्य व केन्द्र शासित का नाम हिन्दी में	मूलभूत महत्वपूर्ण जानकारियां (# 7)				राज्यवार जनसंख्या (# 1, 5, 6)		राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2018 (# 1, 2, 3, 4 5)	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
		जिलों की सं0	विकासखण्डों की सं0	ग्राम की सं0	ग्राम पंचायतों की सं0	जनगणना 2011 अनुसार कुल जनसंख्या	30 सितम्बर 2018 की स्थिति में प्रोजेक्टेट जनसंख्या		
1	आंन्ध्रप्रदेश	13	668	17940	12918	84665533	52883163	12163127	23
2	अरूणांचल प्रदेश	22	114	5528	1795	1382611	1528296	2751	0.18
3	आसाम	33	229	28682	2201	31169272	34586234	2421036	7
4	बिहार	38	534	44658	8386	103804637	119461013	19113762	16
5	छत्तीसगढ़	27	146	20577	10978	25540196	28566990	6319827	22
6	गोवा	2	12	413	191	1457723	1542750	308550	20
7	गुजरात	33	250	18932	14292	60383628	63907200	19172160	30
8	हरियाणा	22	140	7356	6204	25353081	27388008	76686	0.28
9	हिमान्चल प्रदेश	12	78	20986	3226	6856509	7316708	73167	1
10	जम्मू काश्मीर	22	323	7135	4204	12548926	13635010	6818	0.05
11	झारखण्ड	24	261	32742	4381	32966238	37329128	11198738	30
12	कर्नाटक	30	176	33214	6021	61130704	66165886	17864789	27
13	केरल	14	152	1659	941	33387677	35330888	1766544	5
14	मध्यप्रदेश	51	313	54889	22824	72597565	82342793	14821703	18
15	महाराष्ट्र	36	352	44147	27865	112372972	120837347	70085661	58
16	मणीपुर	16	70	3958	161	2721756	3008546	3309	0.11
17	मेघालय	11	46	6746	N.A	2964007	3276323	3604	0.11
18	मिजोरम	8	26	792	N.A	1091014	1205974	1327	0.11
19	नागालैण्ड	11	74	1608	N.A	1980602	2189297	2408	0.11
20	उड़ीसा	30	314	52052	6798	41947358	45429399	21806112	48
21	पंजाब	22	150	13102	13105	27704236	29611935	148060	0.5
22	राजस्थान	33	295	46228	9892	68621012	78230816	9387698	12
23	सिक्किम	4	32	458	185	607688	671720	873	0.13
24	तमिलनाडु	32	385	16276	12524	72138958	76481545	15296309	20
25	तेलंगाना	31	585	11112	11081		38472769	8848737	23
26	त्रिपुरा	8	58	897	591	3671032	4057847	5681	0.14
27	उत्तरप्रदेश	75	822	109829	58807	199581477	228959599	41212728	18
28	उत्तराखण्ड	13	95	16770	7952	10116752	11090425	554521	5
29	पश्चिम बंगाल	23	342	40960	3341	91347736	97694960	9769496	10
	योग	696	7042	659646	250864	1190110900	1313202569	282436183	21.51
	केन्द्र शासित प्रदेश								
1	अंण्डमान व निकोबार दीप संमूह	3	9	585	70	379944	419978	1050	0.25
2	चंण्डीगड	1	1	12	12	1054686	1126705	33801	3
3	दादरा व नगर हवेली	1	1	70	20	342853	378979	7580	2
4	दमन व दीप	2	2	28	15	242911	220084	242	0.11
5	दिल्ली	11	0	222	N.A	16753235	18345784	1467663	8
6	लक्ष्यदीप	1	9	27	10	64429	71218	178	0.25
7	पाडुचेरी	4	6	116	98	1244464	1375592	27512	2
	योग	23	28	1060	225	20082522	21938340	1538025	7.01
	महायोग	719	7070	660706	251089	1210193422	1335140909	283974208	21.27

स्रोत 1 जनगणना 2011, सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2011 के आधार पर प्रोजेकटेड जनसंख्या

2 सामाजिक जनगणना 1931 के आधार पर प्रोजेक्टेड जनसंख्या।

3 अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा एवं विभिन्न प्रदेशों से प्रकाशित स्मारिका के विश्लेषण।

4 राज्य में प्रकाशित पत्रिका, लेख व स्मारिका इत्यादि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

5 Projected in X Year Population=Population in base Year (1+e/100)^n

6 http://www.censusindia.gov.in

7 http://lgdirectory.gov.in/

8 http://www.worldometers.info/world-population/india-population/

माहवार कूर्मियों का बैठक समय सारिणी तालिका

क्र.	इकाई / सप्ताह	नगर तह. इकाई	जिला इकाई	संभाग इकाई
1	प्रथम रविवार	दोप. 2 से 4 बजे		
2	द्वितीय रविवार		दोप. 2 से 4 बजे	
3	तृतीय रविवार			दोप. 2 से 4 बजे
4	चतुर्थ रविवार	नगर/जिला/संभाग/ की संयुक्त कार्य योजना (दोप. 2 से 4 बजे)		
5	पंचम रविवार	प्रदेश कार्यकारिणी की त्रैमासिक समीक्षा बैठक (दोप. 2 से 4 बजे)		

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की भौगोलिक क्षेत्रवार जानकारी

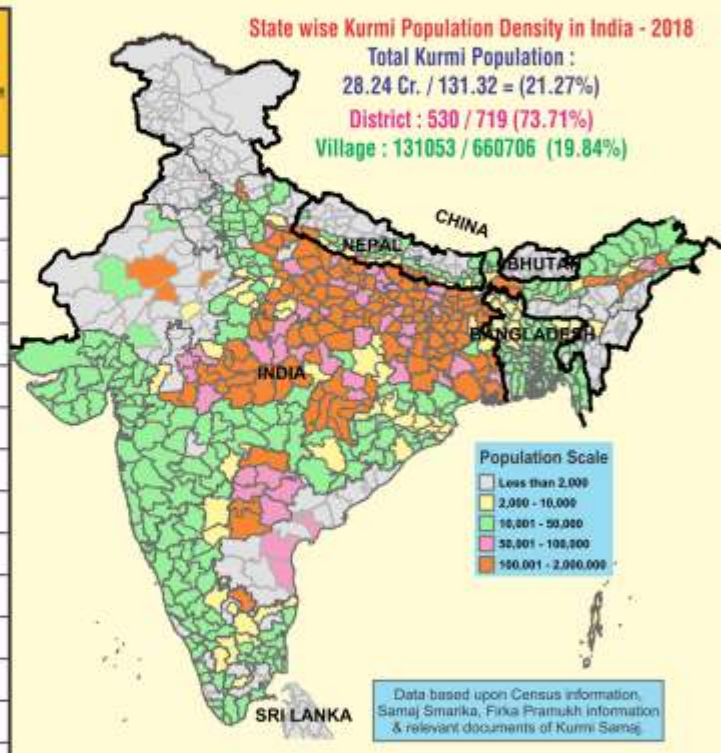

कूर्मि बाहुल्य जनसंख्या से संबंधित प्रमुख तथ्य

भारत देश में 10 प्रमुख कूर्मि बाहुल्य राज्य, जहाँ 1 करोड़ से ज्यादा कूर्मियों की जनसंख्या है।

क्र0	राज्य व केन्द्र शासित का नाम हिन्दी में	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2018	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	महाराष्ट्र	70085661	58
2	उत्तरप्रदेश	41212728	18
3	उड़ीसा	21806112	48
4	गुजरात	19172160	30
5	बिहार	19113762	16
6	कर्नाटक	17864789	27
7	तमिलनाडु	15296309	20
8	मध्यप्रदेश	14821703	18
9	आंन्ध्रप्रदेश	12163127	23
10	झारखण्ड	11198738	30

भारत देश में 10 प्रमुख जनसंख्या के अनुपात में अनुपातिक रूप से कूर्मि बाहुल्य राज्य (जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्य)

क्र0	राज्य व केन्द्र शासित का नाम हिन्दी में	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2018	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	महाराष्ट्र	70085661	58
2	उड़ीसा	21806112	48
3	गुजरात	19172160	30
4	झारखण्ड	11198738	30
5	कर्नाटक	17864789	27
6	आंन्ध्रप्रदेश	12163127	23
7	तेलंगाना	8848737	23
8	छत्तीसगढ़	6319827	22
9	गोवा	308550	20
10	तमिलनाडु	15296309	20

कूर्मि जनसंख्या के हिसाब से कम संख्या वाले राज्य

क्र0	राज्य व केन्द्र शासित का नाम हिन्दी में	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2018	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	त्रिपुरा	5681	0.14
2	मेघालय	3604	0.11
3	मणीपुर	3309	0.11
4	अरूणांचल प्रदेश	2751	0.18
5	नागालैण्ड	2408	0.11
6	मिजोरम	1327	0.11
7	अंण्डमान व निकोबार दीप संमूह	1050	0.25
8	सिक्किम	873	0.13
9	दमन व दीप	242	0.11
10	लक्ष्यदीप	178	0.25

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि चन्दूलाल चन्द्राकर

जन्म : 1 जनवरी 1921, निर्वाण : 2 फरवरी 1995

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो

1 | विक्रम संवत् 2075 | शक संवत् 1940

जनवरी - 2019

जो समाज अपना इतिहास नहीं जानता; उस समाज का विकास होने में समय लगता है।

हेमन्त / ता. 15 से शिशिर ऋतु

कैलेण्डर कलर कोड संकेतक

- जयंती
- शासकीय अवकाश
- दिवस
- ऐच्छिक छुट्टी
- कार्यालयीन अवकाश
- बैंक अवकाश
- महत्वपूर्ण दिन
- तिथि

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

1 जनवरी

कूर्मि एल.पी.पटेल
राष्ट्रीय अध्यक्ष–अ.भा. कूर्मि क्ष.महा.

कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष छ.ग.कूर्मि–क्ष.चे. मंच

5 जनवरी

कूर्मि कल्याण सिंह पूर्व मुख्यमंत्री–उ.प्र.

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त- 17,18,19,22,23,24,25, 26,27,28,29,30,31

गृह प्रवेश - 25, 30

मूल

ता. 03 सु. 11.04 से ता. 05 को सायं 3.08 तक
ता.13 सु.11.07 से ता. 15 दोप.1.57 तक
ता.22 को रात्रि 2.28 से ता. 23 सायं 8.47 तक
ता.30 को सायं 4.41 से 1 फरवरी रात्रि 9.08 तक

पंचक

ता. 09 दोप.1.16 से ता.14 दोप.12.53 तक

सोम MONDAY	शासकीय अवकाश 26 गणतंत्र दिवस	पौष शुक्ल 1 **7** उ.षा. चन्द्रदर्शन राजिम भक्तिन माता जयंती	पौष शुक्ल 8 **14** रेवती मकर संक्रांति/सकट	पौष शुक्ल 15 **21** पुष्य छेरछेरा शाकम्भरी पूर्णिमा पूर्ण चन्द्रग्रहण	माघ कृष्ण 8 **28** स्वाती लाला लाजपतराय जयंती
मंगल TUESDAY	पौष कृष्ण पक्ष 11 **1** स्वाती सफला एकादशी नववर्ष दिवस चन्दूलाल चन्द्राकर जयंती	पौष शुक्ल 2 **8** श्रवण	पौष शुक्ल 9 **15** अश्विनी पोंगल, खिचड़ी पर्व थल सेना दिवस	माघ कृष्ण 1,2 **22** अश्लेष	माघ कृष्ण 9 **29** विशाखा
बुध WEDNESDAY	पौष कृष्ण पक्ष 12 **2** विशाखा	पौष शुक्ल 3 **9** धनिष्ठा	पौष शुक्ल 10 **16** भरणी	माघ कृष्ण 3 **23** मघा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती	माघ कृष्ण 10 **30** अनुराधा महात्मा गांधी शहीद दिवस (मौन दिवस) विश्व कुष्ठ निवारण दिवस
गुरु THURSDAY	पौष कृष्ण पक्ष 13 **3** अनुराधा प्रदोष व्रत सावित्री बाई फुले जयंती	पौष शुक्ल 4 **10** शतभिषा विश्व हिन्दी दिवस	पौष शुक्ल 11 **17** कृतिका विश्व हास्य दिवस पौष पुत्रदा एकादशी	माघ कृष्ण 4 **24** पू.फा.	माघ कृष्ण 11 **31** ज्येष्ठा षटतिला एकादशी
शुक्र FRIDAY	पौष कृष्ण पक्ष 14 **4** ज्येष्ठा लुई ब्रेल जयंती	पौष शुक्ल 5 **11** पू.भा.	पौष शुक्ल 12 **18** रोहिणी	माघ कृष्ण 5 **25** उ.फा.	ऐच्छिक अवकाश 1 नववर्ष दिवस 4 लुईब्रेल जन्म दिवस 7 राजिम भक्तिन माता जयंती 10 विश्व हिन्दी दिवस 14 मकर संक्रांति, 15 पोंगल 21 छेरछेरा 23 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती
शनि SATURDAY	पौष कृष्ण पक्ष 15 **5** मूल पौष अमावस्या गुरु गोविंद सिंह जयंती	पौष शुक्ल 6 **12** उ.भा. स्वामी विवेकानन्द जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	पौष शुक्ल 13 **19** मृगशिरा प्रदोष व्रत कार्यालयीन अवकाश	माघ कृष्ण 6 **26** हस्त गणतंत्र दिवस	याददाश्त
रवि SUNDAY	पौष शुक्ल 15 **6** पू.षा. सूर्य ग्रहण (आंशिक)	पौष शुक्ल 7 **13** उ.भा. भानु सप्तमी	पौष शुक्ल 14 **20** आर्द्रा/पुनर्वसु	माघ कृष्ण 7 **27** चित्रा भानु सप्तमी	

छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज

(अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा से सम्बद्ध) स्थापना वर्ष 1894

कूर्मि विजय बघेल — प्रदेशाध्यक्ष
कूर्मि श्याम बैस — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि कमल वर्मा — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि ललित बघेल — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि के. एल. वर्मा — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि मोहनलाल चन्द्राकर — कोरग्रुप सदस्य

CHANDRAKAR
कार डेकोर

Ganesh Chandrakar
9977267700
9826867700
Maruti Business Park, G.E. Road, Raipur (C.G.)
Phone : 0771-4267700

समस्त स्वजातीय बंधुओं को सादर नमन्...

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग
PhD., M.Sc.(IT), M.B.A.(HR), MPH, PGDDHM
PG Diploma in Epidemiology, DAFE
Winner : I National Youth Award 2007-08
I Indira Gandhi NSS Award 2000-01
Cell +91-94255-22629
+91-83198-68746
E-mail: jkumar001@gmail.com

चन्दूलाल चन्द्राकर जी जन्मदिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ

बाबू लाल कौशिक — गनेशिया बाई कौशिक
मातृ-पितृ चरण कमलेभ्यो नमः ।।

कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक -श्रीमती रूखमणि कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)
कूर्मि श्रीमती शैल कौशिक पति स्व. दीपक प्रकाश कौशिक
कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक -श्रीमती पार्वती कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)
कूर्मि रामानन्द कौशिक- श्रीमती महेश्वरी कौशिक
(सहायक मत्स्य अधिकारी) (प्रदेश संयुक्त सचिव-चेतना मंच)
कूर्मि योगेन्द्र कौशिक- श्रीमती आशा कौशिक
(कर सलाहकार, जगदलपुर)

कौशिक परिवार बावली वाले, वि. ख. पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

स्थापना वर्ष-1894 — समस्त स्वजाति बंधुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ ...

अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा

पं.क्र. 882/1909

कूर्मि एल.पी. पटेल — राष्ट्रीय अध्यक्ष
कूर्मि डॉ. वी.एस. निरंजन — राष्ट्रीय महासचिव
कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर — राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
कूर्मि धीरेन्द्र मोहन कटियार — राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
कूर्मि डॉ. बी.एल. वर्मा — राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कूर्मि मनीषा गौर — राष्ट्रीय महिला महासचिव
कूर्मि ममता एस. पटेल — राष्ट्रीय महिला कोषाध्यक्ष
कूर्मि इंजी. सतीश सचान — महासचिव (युवा)
कूर्मि श्री दिनेश सचान — कोषाध्यक्ष (युवा)

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

जनवरी -2019

कूर्मि समाज का गौरवमयी इतिहास

कुरमी जाति अति प्राचीन जाति है। दरअसल यह सभी भारतीय जातियों की जननी है, जैसे संस्कृत को सभी भारतीय भाषाओं की जननी कहा गया है। कुरमी समुदाय आदिकाल से चला आ रहा वह कृषक समाज है, जो भिन्न-भिन्न दौर से गुजरता हुआ, काल-चक्र के अनगिनत उतार-चढ़ाव देखता हुआ तथा परिस्थितियों से अनवरत जूझता रहा। इन आदि कृषकों ने क्षत्रित्व/राजसी जीवन प्रणाली तजकर अपने कुटुम्ब परिवारों के साथ ग्राम बसाकर एक स्थान पर जम कर रहना प्रारम्भ किये। इन परिवारों को कुटुम्ब कहा जाता था और परिवार के सदस्यों की जाति-बोधक संज्ञा कुटुम्बिन बन गयी। कालान्तर में कुनबी समुदाय देश में अन्यान्य क्षेत्रों में जहाँ अन्य लोग बसे, पहुंचे व कृषि कार्य को अपनाये रखा और स्थानान्तरण के कारण भाषा भेद से प्रभावित होकर उनका जाति-बोधक नाम कूर्मि, कुर्मी, कुरमी, कुनवी, कण्वी, कणयी, कुरमी, कुलमी, कुलवी, कुम्मा, कावु, कूर्मा, कोमरी, आदि होता चला गया। वर्तमान कुरमी और कुनवी शब्द प्राचीन कुटम्बिन शब्द के अपभ्रंश है। हिन्दी भाषी क्षेत्र के प्रमुख कुर्मी कुल:- चन्देल, चन्द्रनाहुं, धमैला, अवधिया, पाटनवार, कोचैसा, मनवा, दिल्लीवार, बैसवार, गंगवार, तेलंग, घोड़चढ़े, दोजवार, क्षत्रिय, सवान, सोनवान, सैंभवार, कनुक, कटियार, रमैया, गौहाई, समसवार, जयसवार, बड़गैहा, सिंगरौल, गभेल, गहवई, तिरहुती, चन्द्रौल, कनौजिया, राजवाड़े, सराठे, श्रेष्ठी, मतालिया, देशहा, कुड़मी, मधुरवार, बड़वार, शंखवार, टिंडवार, सतवाड़ा, गौर, उसरेटे, सिंगौर, सनोढ़िया, निरंजन, कैवर्त, अथरिया, खरेविन्द, गुजराती, यदुवंशी, पटेल, ठाकुर, राठौर, परिहार, गहरवार, शिरंगा, चन्द्रा इत्यादि है।

कृषि के आविष्कार के साथ ही कुटुम्ब या परिवार नामक संस्था का आविर्भाव और विकास हुआ; जो आज भी सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्थापित है। कुटुम्ब के सदस्य को कुटुम्बिक कहा जाता था। धीरे-धीरे बोलचाल की भाषा में जिस प्रकार ब्राम्हण से बाभन, बम्भन, बरहमन आदि शब्द बनते गये, लक्ष्मण से लखन, स्वर्णकार से सोनार, कुम्भकार से कुम्हार शब्द बन गये वैसे ही लोक चलन में कुटुम्बी का टु गायब हो गया और कुम्बी, कुरमी, कुणबी, कणवी आदि शब्द चलन में आने लगे। व्याकरण सम्मत में बोले तो कुटुम्बिक तत्सम शब्द है; जिसका अपभ्रंश रूप अर्थात् तत्भव शब्द कुम्बी, कुरमी, कुणबी, कणवी है। कुटुम्ब को कुल भी कहा जाता था। कुल से कुलम्बी, कुलवदी, कुलमी, कुरमी, कूर्मा, कापू, कम्मा, कूर्मि क्षत्रिय आदि शब्द भारत के विभिन्न क्षेत्रों/भागों में उच्चारण और योग भेद से चलित होते गये।

कूर्मि जाति का इतिहास उतना ही पुरातन है, जितना कि मानव जाति। महाभारत, आदिपर्व 65/11 में ''कश्यपातु तु इमा प्रजा:।'' अर्थात कूर्म कश्यप मानव जाति का आदि पुरूष था। सम्पूर्ण प्रजाएँ कूर्म कश्यप से ही उत्पन्न कहा गया है। अत: कूर्म कश्यप को सम्पूर्ण मानव जाति का पूर्वज माना गया है। संसार की सारी ही जातियाँ कूर्म-कश्यप से उत्पन्न हुई हैं, परन्तु वे देश काल और परिस्थितियों के कारण अपने मूल पुरूष को भूल गये हैं। लेकिन कूर्मि जाति, आज भी अपने आदि पुरूष को गौरव के साथ नाम धारण करके उसकी कीर्ति को अमर किये हुए हैं। कूर्म कश्यप की सन्तान उस आदि पूर्वज के नाम पर स्वयं को कूर्मि, कुर्मी, कुर्मवंशी, कण्वी, कश्यप, कश्यपगोत्री, कापु, कापेचार, कुड़मी आदि मानते और कहते हैं।

सृष्टि के आदिकाल में ''कूर्म कश्यप'' ने सृष्टि प्रारम्भ किया और तमसावृत वाष्पी वातारण में अभेद्य अंधकार और अपार तरल सलिल के भीतर प्रविष्ट हो उत्पत्ति के उपयुक्त उपादानों को संग्लन किया, जिससे क्रमश: पृथ्वी का ठोस रूप में प्रादुर्भाव हुआ और उस पर प्रजोत्पत्ति हुई। कूर्म कश्यप की संतानों ने अपने जनक से पूछा कि वे पृथ्वी पर किस नाम से जाने जायेंगे और उनका क्या काम होगा। कूर्म कश्यप ने अपनी संतानों को पृथ्वी रमण करने और दोहन करने का काम सौंपा और कहा कि चूँकि तुम्हारा काम पृथ्वी पर रमण करने का है, इसलिए तुम कूर्मि नाम से जाने और पहचाने जाओगे। ***'कू'*** का अर्थ पृथ्वी होता है और ***'रमी'*** का अर्थ रमण करने वाला अर्थात पृथ्वी पर रमण करने वाला ही कूर्मि, कुर्मी या कुरमी, कुलमी कहलाता है। कूर्म अर्थात पृथ्वीदाता, भूमिपुत्र जिसका कर्म (क्षेत्र) भूमि हो, कृषि हो-कृषक कहलाता है। व्याकरण की दृष्टि से कूर्म शब्द में इनि (इन्) प्रत्यय लगाने से कूर्मिन शब्द बनता है। कूर्मिन से प्रथम विभक्ति के एक वचन में पुल्लिंग 'कूर्मि' 'कुर्मी' शब्द बनता है, जो अत्यन्त प्राचीन शब्द है। कूर्म शब्द का अर्थ स्वर्ग, पृथ्वी ,रस और प्राण इत्यादि होता है। अत: कूर्मि शब्द का अर्थ हुआ अत्यन्त पराक्रमी, तेजस्वी, प्राणवान, बलवान, पृथ्वीपति (भूपति या राजा)। स्पष्ट है कि ये सभी गुण एक क्षत्रिय के हैं, जिसकी प्राचीनता का प्रमाण वेद और पुराणों में भी अनेक मन्त्रों से मिलता है। कूर्मि इन्द्रवाची है। कूर्म, कश्यप और ब्रह्म तीनों एक ही है, और वे ही सृष्टि के मूल निर्माता हैं। वेदशास्त्रों के अनुसार कूर्म का अर्थ सूर्य, इन्द्र तथा कश्यप होता है। कूर्मि शब्द का अवतरण कूर्म शब्द से हुआ है। अत: कूर्म, कश्यप और ब्रह्म में कोई भेद नहीं है और वे ही मानव जाति के आदि पुरूष थे।

शतपथ ब्राम्हण 7/5/1/5 में भी कहा गया है कि- ***''स यत्कूर्मो नाम एतदै रूपं कृत्वा प्रजापति: प्रजा असृजत यदसृजत। करोत्तद्यद करोत्तस्मात्कूर्म: कश्यपो वै कूर्मस्तस्मादाहु: सर्वा: प्रजा: काश्यप्य इति।''***

अर्थात् ''उस सृष्टिकर्ता का नाम कूर्म है। कूर्म का रूप धारण करके ही प्रजापति ने सम्पूर्ण प्रजाओं का सृजन किया। सृष्टि का सृजन करने के कारण ही उसे कूर्म कहा जाता है। कश्यप ही कूर्म हैं। इसी कारण समस्त प्रजाएँ कश्यप अर्थात् कश्यप से उत्पन्न कही जाती है।''

ऋग्वेद 8/16/8 में कहा गया है कि -

''स स्तोभ्य: स हव्य सत्व: सत्वा। तुवि कूर्मि: एकश्चित् सत्रभि भूति।।''

अर्थात् ''महान कूर्मि कर्मयोगी है और वह स्तुति सत्कार तथा आह्वान के योग्य होता है, वह सत्य स्वरूप और महाबली होता है। वह अकेले भी विघ्न बाधाओं और शत्रु समूहों से कभी पराजित नहीं होता - सदा विजयी होता है।

कूर्मि प्रागैतिहासिक काल से है, तब तक तो वर्ण-व्यवस्था अनुसार समाज का विभाजन भी नहीं हुआ था, तब समाज में समता थी। कूर्मियों का अतीत प्रागवैदिक काल से, वैदिक काल और उससे पीछे इधर बौद्ध काल तक बड़ा उत्कृष्ट तथा शानदार रहा है। बौद्धकालीन भारत को पुन: सनातनी ढाँचे में बदलने में सामाजिक आपाधापी मची, जिससे बहुत से जातियों को कट्टर पुरोहितवाद का कोप भाजन बनना पड़ा। ऐसे लोगों को किसी काल में समाज का सर्वे -सर्वा बनाने का कार्य किया गया,जिन्होंने ब्राम्हणों को श्रेष्ठ माना और उनके अच्छे, बुरे आदेशों का पालन करते रहे। मध्यकालीन भारत में विशेष रूप से राजपूतों की मदद से ब्राम्हणों ने वैमनस्य तथा स्वार्थवश उनके वर्चस्व को अस्वीकार्य करने वाली अनेक जातियों को वर्णच्युत तक करने का कुत्सित प्रयास किया, जिसमें उन्हें अच्छी सफलता भी मिली। इसी काल में अन्य प्राचीन क्षत्रिय जातियों के साथ ही कूर्मियों के संबध में भी अनेक भ्रान्तियाँ फैलाई गई।

जिस समय संसार की अन्य जातियाँ सभ्यता की प्राचीन अवस्था में थी, उस समय भारत में कूर्मि क्षत्रिय महान साम्राज्यों के स्वामी थे तथा वे कला और साहित्य के संरक्षक थे। विश्व में ऐसी कोई भी अन्य जाति नहीं, जिसने इतने लम्बे समय से क्षत्रिय धर्म का मनसा, वाचा और कर्मणा पालन करता आ रहा हो। लेकिन सभी क्षत्रिय कूर्मि नहीं हैं, जबकि सभी कूर्मि जाति के लोग नि:सन्देह क्षत्रिय हैं। कूर्मि मूल क्षत्रिय जाति है जो वैदिक काल से ही कूर्मि जाति को स्थिर जीवी में परिणित किया है। लोग देश, काल और परिस्थितियों के कारण अपने मूल पुरूष कूर्म कश्यप को छोड़ते चले गये हैं। लेकिन कूर्मि या कूर्मी जाति के लोग आज भी अपने आदि पुरूष को गौरव के साथ धारण करके उसकी कीर्ति को अमर किये हुए हैं।

कूर्म-कश्यप की कीर्ति महान गोत्र प्रवर्तक के रूप में भी अमर है। महाभारत, शांति-पर्व 296/17, ''**मूल गोत्राणि चत्वरी सकृत्पन्नानि भारत। अंगिरा कश्यपश्चैव वसिष्ठो भृगरेव च।।**'' के अनुसार आरम्भ में अंगिरा, कश्यप, वशिष्ठ और भृगु नामक चार ऋषि ही कूल गोत्र प्रवर्तक थे, और-शेष गोत्रों के प्रवर्तक बाद में हुए। कश्यप चूँकि मानव जाति के आदि पुरूष थे, अत: जिस व्यक्ति को अपने गोत्र का ज्ञान नहीं होता वह भी बिना किसी संकोच के कश्यप को ही अपना गोत्र प्रवर्तक मानकर कश्यप गोत्र रख लेता है, क्योंकि वे सभी के पूर्वज ही हैं। आज भी कश्यप गोत्र सर्वाधिक लोकप्रिय और बड़ा है। उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अति प्राचीन काल में उसी महान कूर्म कश्यप के वंशज कूर्मवंशी कहलाए। अत: कूर्मि नि:सन्देह क्षत्रिय हैं। कूर्मि शब्द का अपभ्रंश कालान्तर एवं स्थानांतरण द्वारा कुर्मी, कुरमी, कुण्वी, कनवी, कुडमी, कालवी आदि होता गया। कूर्मि शब्द का अस्तित्व वेद और पुराणों में अनेक मन्त्रों में मिलता है। देवराज इन्द्र को तुवि कूर्मि अथवा महान कूर्मि वेद के अनेक मंन्त्रों में कहा गया है। कूर्मि ऋषि तथा इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी भी वेद के अनेक मन्त्रों की दृष्टा एवं प्रकटकर्ता रही है ।

सूर्यवंश या कूर्मवंश ही प्रमुख क्षत्रिय वंश है। समूचे भारत में इसके अनेक कुल और वंश आज कूर्मि जाति के कुलों और वंशों के रूप में मिलते हैं। कालान्तर में किसी प्रसिद्ध राजा या ऋषि आदि के नाम पर भी कुछ कूर्मि लोग अपनी वंश परम्परा मानते हैं; किन्तु समस्त कूर्मि जाति का उद्भव मुख्य रूप से कूर्मवंश या सूर्यवंश से होने के कारण कूर्मि जाति अपने को कूर्मवंशी कहती है। जिस प्रकार कुरू के वंशज कौरव, पाण्डु के वंशज पाण्डव तथा यदु के वंशज यादव कहलाये, उसी प्रकार महर्षि कूर्म के वंशज कौर्मि के नाम से विख्यात हुए। वर्तमान समय में कूर्मि, कुटुम्बी, कुनबी, कुलंबी आदि उसी के ही अपभ्रंश रूप हैं। महर्षि कूर्म के वंशज कूर्मवंशीय क्षत्रिय के नाम से जाने जाते हैं। बाम्बे गजेटियर बेलगाम जिल्द-21 के अनुसार कुनबी (कुर्मी) लोगों के कुल सम्बन्धी नाम 292 हैं। सम्पूर्ण संख्या में से 102 की उत्पत्ति चन्द्र वंश से, 78 की उत्पत्ति सूर्य वंश से तथा 81 की उत्पत्ति ब्रम्ह वंश से मानी जाती है। शेष 31 कुलों के सम्बन्ध में कहा जाता है कि उनका सम्बन्ध विविध वंशों से है।

महर्षि पंतजलि ने व्याकरण महाभाष्य (1.1.1) में 'गौ' शब्द का उदाहरण देकर बतलाया है कि किस प्रकार एक मूल शब्द अपभ्रंश के कारण अनेक रूप धारण कर लेता है। मूलत: यह कूर्मि क्षत्रिय जाति उस सभ्यता की जनक है; जिसने कृषि का आविष्कार करके उसकी गति की और आर्यो को यायावर (घुमक्कड़) जीवन की अवस्था से स्थिर जीवन शैली वाली श्रेष्ठ और सुसंस्कृत जाति के रूप में परिणित किया। आर्यो के पूज्यतम देवराज इन्द्र थे, जिन्हें अनेक वैदिक मंत्रों में 'तुवि कूर्मि' अर्थात महान पराक्रमी कर्मयोगी कहा गया है (ऋवेद, 3.10.3)।

कूर्मि का शाब्दिक अर्थ है- कर्मशील, पराक्रमी। तुवि कूर्मि का अर्थ है- अत्यन्त कार्यकुशल, महान पराक्रमी, महान कर्मयोगी। महान कूर्मि कर्मयोगी है और वह स्तुति, सत्कार तथा आह्वान के योग्य है। वह सत्यस्वरूप और महाबली है। वह अकेले भी विघ्नबाधाओं और शत्रुसमूहों से कभी भी पराजित नहीं होता, सदैव विजयी होता है (ऋवेद, 8.16.8)।

वैदिक कालीन सुप्रसिद्ध मनीषी महर्षि कूर्म की वंशधर कूर्मवंशी क्षत्रिय जाति भारत की ही नहीं अपितु विश्व की प्राचीनतम विशुद्ध क्षत्रिय जाति है। कुरमी का शाब्दिक अर्थ भी सार्थक है। कु अर्थात पृथ्वी, रमी अर्थात रमी हुई या संलग्न। कुरमी अर्थात वह व्यक्ति या जाति जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है।

ऐतिहासिक प्रमाणों से यह तथ्य उजागर होता है कि कूर्मि जाति के पूर्वज उच्च कोटि के विशुद्ध पराक्रमी तथा शूरवीर क्षत्रिय थे। कूर्मि जाति विशुद्ध क्षत्रिय वर्ण की है, इसके अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। कूर्मि जाति के आदि पूर्वज महर्षि कूर्म क्षत्रिय थे। अत: उनके वंशजों का क्षत्रित्व स्वयं सिद्ध है (लघु नारदीय उपपुराण, चन्द्रवंशीय राजर्षि वर्णन, श्लोक 41 और 56)।

यह अप्रतीम, अद्वितीय एवं वज्रबाहु महान कूर्मि सनातन काल से जगत को जीवनोपयोगी पदार्थ निश्चित तथा निर्बाध रूप से प्रदान करता आ रहा है (ऋवेद, 8.2.31)।

कूर्मि का जीवन कर्मशीलता, साहस, संग्राम, संघर्ष, आशा, उत्साह, उमंग तथा उल्लास का होता है। वह साहस के साथ संकटों का सामना करता है। वह संसार में परिस्थितियों का कभी दास नहीं बनता, अपितु उनका स्वामी बनकर जीवन को ज्योतिर्मय बना लेने में समर्थ होता है। वह मंगलमयी, आशामयी, उदात्त भावनाओं का केन्द्र है। वह अपने चारों ओर, न केवल अपनी जाति में, न केवल अपने देश या राष्ट्र में, न केवल पृथ्वी पर, अपितु समस्त विश्व में सुख, शान्ति, सौमनस्य, सौहार्द तथा प्रकाश का साम्राज्य चाहता है। उसका दृष्टिकोण अत्यधिक विशाल होता है (ऋवेद, 6.52.5)।

कूर्मि समाज का इतिहास क्रमश: फरवरी माह में देखे....

मदन महिन्द्रा
डॉ. निर्मल नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9826165881

कूर्मि सरोजनी नायडू — जन्म : 13 फरवरी 1879, निर्वाण : 2 मार्च 1949
कूर्मि छत्रपति शिवाजी महाराज — जन्म : 19 फरवरी 1630, निर्वाण : 3 अप्रैल 1680

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो

2 | विक्रम संवत् 2075 | शक संवत् 1940

फरवरी - 2019

जो तर्क नहीं करता; वो धर्मांध है एवं जो तर्क नहीं कर सकता; वो मूर्ख है और जो तर्क करने का साहस नहीं कर सकता; वो गुलाम है।
-तथागत बुद्ध

शिशिर ऋतु

कूर्मि समाज के संबंध में महत्वपूर्ण प्रमाण

- इम्पीरियल गजेटियर आफ इण्डिया (एडीशन) वाल्यूम 16 अनुसार - महाराष्ट्र मराठों का देश है जिनकी जनसंख्या 30% है। मराठा संज्ञा उन प्राचीन काल के युद्ध करने वाले समुदाय से उत्पन्न जनों के लिए रक्षित है, जो युद्ध प्रिय, परिश्रमी एवं बलवान होते हैं । एक बार जिनका भारत में आतंक रहा है और अब बहुत बड़ी संख्या में किसान समुदाय के रूप में हैं । जो कुनबी (कुरुवंशीय) नाम से विख्यात है ।
- इम्पीरियल गजेटियर ऑफ इण्डिया, न्यू एडीशन वाल्यूम 18 के अनुसार-हिन्दू 72 जातियों या शाखाओं में विभक्त है, उनमें वक्कालिंगा की संख्या सबसे अधिक है। वक्कालिंगा (भारतीय कुनबी) किसान है या रैयत है; जिसमें मुखिया गौड़ा कहलाते हैं । यह प्राचीन गंगवंशियों का प्रतिनिधित्व करते हैं और गंग राजाओं के केन्द्र बिन्दु हैं ।
- स्कंद पुराण के सहयादि खंड अध्याय 26 में चंद्रवंशी क्षत्रियों के 7 शाखाओं में एक कूर्म ऋषि वंश का भी वर्णन है । कूर्म का वंश होने से उस वंश के सभी राजाओं का कौर्मि नाम हुआ । जिसका अपभ्रंश कूर्मि, कुर्मी, कुरमी, कुनबी आदि हो गया।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त-1,2,8,9,10,13,14,15,19,20,21,22,23,24,25,26,27,28
गृह प्रवेश - 9,14,15,21,23,25

मूल
ता .30 को सायं 4.41 से 01 फरवरी को 9.08 रात्रि तक
ता .09 सायं 5.31 से ता. 11 सायं 9.13 तक
ता. 18 दोप. 2.02 से ता. 20 सु. 8.00 तक
ता. 26 रात्रि 11.04 से 1 मार्च प्रातः 3.07 तक

पंचक
ता. 05 को सायं 7.36 से 11 सायं 7.38 तक

राजीव लोचन मंदिर राजिम (छ.ग.)

सोम MONDAY		माघ कृष्ण 15 **4** श्रवण माघ/मौनी अमावस्या	माघ शुक्ल 6 **11** अश्विनी	माघ शुक्ल 14 **18** पुष्य	फाल्गुन कृष्ण 7 **25** विशाखा
मंगल TUESDAY		माघ शुक्ल 1 **5** धनिष्ठा समस्त	माघ शुक्ल 7 **12** भरणी माँ नर्मदा जयंती	माघ शुक्ल 15 **19** अश्लेषा छत्रपति शिवाजी जयंती माघ पूर्णिमा संत रविदास जयंती	फाल्गुन कृष्ण 8 **26** अनुराधा सीता माता प्रकटोत्सव
बुध WEDNESDAY		माघ शुक्ल 2 **6** धनिष्ठा प्रा. चन्द्रदर्शन	माघ शुक्ल 8 **13** कृत्तिका कुंभ संक्रान्ति डॉ. सरोजनी नायडू जयंती	फाल्गुन कृष्ण 1 **20** मघा	फाल्गुन कृष्ण 9 **27** ज्येष्ठा चन्द्रशेखर आजाद जयंती
गुरु THURSDAY		माघ शुक्ल 2 **7** शतभिषा	माघ शुक्ल 9 **14** रोहिणी मातृ-पितृ दिवस	फाल्गुन कृष्ण 2 **21** पू.फा./उ.फा.	फाल्गुन कृष्ण 9,10 **28** मूल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
शुक्र FRIDAY	माघ कृष्ण 12 **1** मूल	माघ शुक्ल 3 **8** पू.भा.	माघ शुक्ल 10,11 **15** मृगशिरा युवा कूर्मि मित्रमण्डल स्थापना दिवस (1987)	फाल्गुन कृष्ण 3 **22** हस्त छ.ग. प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज स्थापना दिवस (2008)	ऐच्छिक अवकाश 19 राजिम मेला माघपूर्णिमा 19 छत्रपति शिवाजी जयंती
शनि SATURDAY	माघ कृष्ण 13 **2** पू.षा. प्रदोष व्रत	माघ शुक्ल 4 **9** उ.भा. बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	माघ शुक्ल 11 **16** आर्द्रा कार्यालयीन अवकाश जया एकादशी	फाल्गुन कृष्ण 4,5 **23** चित्रा बैंक अवकाश	यादद्राश्त
रवि SUNDAY	माघ कृष्ण 14 **3** उ.षा.	माघ शुक्ल 5 **10** रेवती सरस्वती पूजा, वसंत पंचमी	माघ शुक्ल 12,13 **17** पुनर्वसु प्रदोष व्रत	फाल्गुन कृष्ण 6 **24** स्वाती	

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ ...

कूर्मि नरेन्द्र कौशिक
सदस्य/सभापति
जिला पंचायत
जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)
संभागीय अध्यक्ष, बिलासपुर
(युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9424155333

समस्त स्वजातीय बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ ...

कूर्मि दौलत राम कश्यप
लोकपाल
मनरेगा, पंचायत एवं ग्रा. वि.विभाग
जिला-कबीरधाम व बेमेतरा
मो. : 9893182263

कूर्मि क्षमा कश्यप
कार्यकारिणी सदस्य
(महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ ...

कूर्मि मोहन लाल कश्यप
पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष
छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच
9893593623

कूर्मि श्रीमती सुषमा कश्यप
प्रदेश सचिव (महिला प्र.)
छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच
9425544332

डॉ. कूर्मि प्रतीक कश्यप
चिकित्सा अधिकारी, NTPC सीपत, बिलासपुर

कूर्मि प्रांजली कश्यप
C.S. B.Com. अध्ययनरत

समस्त स्वजातीय बंधुओं को नववर्ष की मंगलमय कामनाओं सहित....

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

प्रदेश पदाधिकारी / कार्यकारिणी सदस्यगण

स्वामी वेदानंद सरस्वती — प्रेरणास्त्रोत
कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद चन्द्राकर
कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार
कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक
कूर्मि डी. आर. कौशिक
कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
कूर्मि डॉ. निर्मल नायक — प्रदेशाध्यक्ष — मो. 09826165881
कूर्मि डॉ. जतिन्द्र सिंगरौल

महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, संभागीय / जिला के पदाधिकारी

कूर्मि नंदिनी पाटनवार
कूर्मि दिलीप कौशिक

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आशीर्वाद लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल में नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.) फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

फरवरी-2019

क्रमशः ..... कूर्मि समाज का गौरवमयी इतिहास

कूर्मि समाज का इतिहास क्रमशः जनवरी माह के आगे . . .

बृहत् हिन्दी कोश (सम्पादक कालिका प्रसाद, ज्ञानमण्डल, वाराणसी, पृष्ठ-303) में कूर्म शब्द के अर्थ हैं- कूर्म- विष्णु के दस अवतारों में से दूसरा कच्छपावतार, कूर्मक्षेत्र- एक हिन्दू तीर्थ, कूर्म पुराण- 18 पुराणों में से एक, जिसमें कूर्मावतार की कथा है। कूर्म कश्यप चूंकि प्रजापालक और सृष्टा थे, अतः उन्हें प्रजापति भी कहा गया है (शतपथ ब्राम्हण, 7.5.1.5)।

कूर्म शब्द इतना व्यापक हुआ कि आकाश और पृथ्वी का नाम ही कूर्म पड़ गया (यजुर्वेद, 24.34 और शतपथ ब्राम्हण, 7.5.1.5)।

कूर्मि- कु अर्थात पृथ्वी और उर्मि अर्थात गोद। इस प्रकार कूर्मि शब्द से तात्पर्य है पृथ्वी की गोद में पलने वाला या पृथ्वीपुत्र। कहा भी गया है- भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। कूरम- कु अर्थात पृथ्वी और रम अर्थात पति या बल्लभ। अतः कूरम शब्द का अर्थ है भूपति या पृथ्वीपति जो कि क्षत्रिय शब्द का पर्यायवाची है। कहा गया है- क्षेत्रात् रमेत सः क्षत्रियः।

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका (चौदहवां संस्करण, 1768 ई. जिल्द-13, पृष्ठ-517) में कुनबी जाति के बारे में कहा गया है- कुनबी, महान हिन्दू कृषक जाति है, जो मुख्यतः पश्चिमी भारत में पायी जाती है। यह मद्रास के तेलगू प्रदेश के कापू, बेलगाम के कुलबी, दक्षिण के कुलम्बी, दक्षिणी कोकण के कुलवदी, गुजरात के कणबी तथा भड़ोच के पाटीदारों के समरूप है। कुनबियों में विधवा पुनर्विवाह तथा बहुपत्नी प्रथा को सामाजिक स्वीकृति है; किन्तु बहुपत्नि प्रथा बहुत कम व्यवहार में है। वर्षाऋतु के मध्य में मनाया जाने वाला 'पोला' कूर्मियों का प्रमुख त्योहार है। इसमें वे हल-बैलों का जुलुस निकालते हैं। नृवंशीय दृष्टि से महरट्टा (मराठा) तथा कृषिकर्मी कुनबी समान हैं। दोनों में ही विशिष्ट मौलिक पैतृक गुण हैं। कुनबी (गृहस्थ वैदिकोत्तर संस्कृत कुटुम्बिक; जो आदिम शब्द का संस्कृत रूप हो सकता है) पश्चिमी भारत की महान कृषक जाति है। उत्तर में, जहाँ गंगा के अगल-बगल तथा उसके दक्षिण में यह जाति अधिक संख्या में है, वहाँ पर कुनबी नाम कुरमी हो जाता है।

वेदों के भाष्यकाराचार्य 'कूर्म' तथा 'कूर्मि' शब्दों की व्याकरण सम्मत व्याख्या करते हुए लिखते हैं- कूर्मः (रसो वीर्य तेजो वा) अस्ति अस्य इति कूर्मी अर्थात रसवान, वीर्यवान, तेजवान कूर्मी। जिसके पास जीवनरस, वीर्यबल तथा तेजस्विता रहती है, वही कूर्मि है। कूर्मः (प्रप्राणी बलं क्षत्रं राष्ट्रं वा) अस्ति अस्य इति कूर्मी अर्थात प्राणवान, बलवान, क्षत्रिय (क्षत्रपति), राष्ट्री (राष्ट्रपति) कूर्मी। जिसके अधिपत्य में प्रप्राण, बल, क्षत्र (क्षत्रियत्व अथवा राष्ट्रपतित्व) है, वही कूर्मि है। कूर्मः (भारतवर्ष देशो) अस्ति अस्य इति कूर्मी अर्थात कूर्म नामक भारतवर्ष जिसके आधिपत्य में है, वही कूर्मि है।

कर्मशीलता और दूरदर्शिता के बल पर ही परमात्मा ने इस सृष्टि की रचना की, इसलिए उसे 'कूर्म' और 'कश्यप' कहा जाता है। 'कूर्म' का शाब्दिक अर्थ 'कर्मशील' और 'कश्यप' का शाब्दिक अर्थ 'दृष्टा' है। कर्म और ज्ञान दोनों की समन्वित शक्तियों के बल पर अभी भी सृष्टि का विकास हो रहा है। सृष्टिकर्ता को कूर्म कहा जाता है क्योंकि उसमें श्रेष्ठ कर्मशीलता और पराक्रम है। साथ ही वह महान ज्ञानी, सर्वदृष्टा और सूक्ष्मदर्शी है, इसलिए उसे कश्यप भी कहा जाता है। इस प्रकार कूर्म और कश्यप दोनों एक ही शक्ति के दो पहलू हैं। कश्यप ही कूर्म है और परमेश्वर का ही नाम कश्यप है (ऋवेदादि भाष्य भूमिका, पृष्ठ-315)।

कश्यप, पश्यक अर्थात सर्वद्रष्टा होता है क्योंकि वह सब कुछ सूक्ष्मता के साथ देख लेता है (तैत्तिरीय अरण्यक, 1.8.8)। उस सृष्टिकर्ता का नाम कूर्म है। कूर्म का रूप धारण करके ही प्रजापति ने सम्पूर्ण प्रजाओं का सृजन किया। सृष्टि का सृजन करने के कारण ही उसे कूर्म कहा जाता है। कश्यप ही कूर्म है। इसी कारण समस्त प्रजाएँ काश्यप्य अर्थात कश्यप से उत्पन्न कही जाती है (शतपथ ब्राम्हण, 7.5.1.5)। सृष्टि और प्रजा का पालनकर्ता होने के कारण ही कूर्म को प्रजापति कहा गया है। कूर्म के अत्यन्त तेजस्वी होने के कारण उस आदित्य अर्थात सूर्य भी कहा गया है (शतपथ ब्राम्हण, 7.5.1.6)।

कूर्म-कश्यप, मानव जाति का आदि पुरूष था। सम्पूर्ण प्रजाएँ कूर्म-कश्यप से ही उत्पन्न हुई (महाभारत, आदिपर्व, 65.11)। यजुर्वेद में भी उसे प्रजापति और आदित्य दोनों कहा गया है (यजुर्वेद, 13.30 का महीधर भाष्य)। राजर्षि कूर्म सुप्रसिद्ध वैदिक ऋषि गृत्समद के पुत्र थे (ऋवेद, 1.27)। अति प्राचीन काल में उसी महान ऋषि कूर्म के वंशज कूर्मवंशी कहलाये। चूंकि कूर्म और सूर्य अर्थात आदित्य एक हैं इसलिए उन्हें सूर्यवंशी भी कहा जाता है। संसार की सारी जातियाँ कूर्म-कश्यप से उत्पन्न हुई हैं; परन्तु वे अपने मूल पुरूष को भूल गई हैं। महान गोत्र प्रवर्तक के रूप में कूर्म-कश्यप की कीर्ति अमर है।

'सयः स कूर्मोऽसौस आदित्यः' के अनुसार आदित्य (सूर्य) का नाम कूर्म है। अतः सूर्यवंश, कूर्मवंश का ही नामान्तरण है। उपरोक्त वंश संरचना से स्पष्ट है कि वैवस्वत मन्वन्तर के आद्य त्रेता युग के प्रारम्भ में मारीचि कश्यप हुए हैं (वायु पुराण, 6.43)। सम्पूर्ण मानव जाति के आदि पुरूष कूर्म कश्यप अत्यन्त पुरातन काल में विद्यमान थे। महर्षि कश्यप की पत्नी मनुर्भरतवंश के 45वीं पीढ़ी में उत्तानपाद शाखा के प्रजापति दक्ष की पुत्री अदिति थी (बृहद्देता, 3.57)। इनसे 12 आदित्यों का जन्म हुआ। सबसे बड़े आदित्य वरूण तथा सबसे छोटे आदित्य विवस्वान (सूर्य) थे। इन्हीं विवस्वान या सूर्य से सूर्यवंश चला। विवस्वान के पुत्र मनु, वैवस्वत मनु जिनका मन्वन्तर चल रहा है.....

विभिन्न पुराण, ग्रंथ, साहित्य, दस्तावेज में कूर्मियों के ऐतिहासिक प्रमाण -

रामायण काल में -

कूर्म, कूर्मि - इन्दतु मम दीस्य, मनोभूयः प्रकर्षति ।
यदि हास्य प्रिया ख्यातु न कूर्मि सदृशं प्रियम् ।।

रामभक्त हनुमान के लिए भी कूर्मि शब्द विशेषण के रूप में वाल्मीकी रामायण में मिलता है। श्री राम कहते हैं कि मुझ दीन का मन फिर हनुमान की ओर आकर्षित होता है, क्योंकि प्रिय हित करने वाले हनुमान **कूर्मि** समान प्रिय मुझे और कोई नही है। वाल्मीकी ऋषि ने यहाँ हनुमान को महावीर तथा अन्य गुणों को ध्यान रखकर **कूर्मि** विशेषण से संबोधित किया है ।

हरिवंश पुराण -

हरिवंश पुराण के अध्याय 53 श्लोक 6/7 में रूक्मिनी के स्वयंवर में अतिबलशाली योद्धा के लिए **महाकूर्म** कहा गया है-

जरासंधः सुनीथश्च, दन्त वार्यवान साल्व सौभपतिश्चैव।
महाकूर्मश्च पार्थिक, कथकैशिक मुख्याश्च, नृपाः प्रवरवंशजा ।।

अर्थात् जरासंध, सुनीथ, पराक्रमी दन्तवक्र, साल्व, सौभपति, राजा महाकूर्म (मरूत, कुन्ति, भोज) और श्रेष्ठ वंशोत्पन्न कथ तथा कैशिक आदि राजेमहाराजे रूक्मिनी के स्वयंबर में शामिल हुए ।

मार्कण्डेय पुराण-

मार्कण्डेय पुराण के 57/50 में पुलिन्द तथा सुमीन देशों के पश्चात् कुरूमी (कुरूमिन) देश का उल्लेख किया गया है-

पुलिन्दाश्च सुमीनाश्च रूपया : स्वापदै सह । तथा कुरूमिनश्चैव सर्व चैव कठाक्षरा : ।

इस श्लोक में प्रयुक्त कुरूमिन शब्द भी कूर्मियों की प्राचीनता का साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

कूर्मावतार -

भगवान विष्णु के दशावतारों में प्रथम मत्स्यावतार और दूसरा **कूर्मावतार** कहा गया है। कूर्म भगवान का अवतार उत्तराखंड में हुआ था, इसी से वह भूभाग पुराणों में **कूर्मांचल** कहलाया। आजकल इसे कुमाऊँ कहा जाता है। जिस स्थान पर कूर्म भगवान अवतरित हुए थे, उस स्थान का नाम चम्पावत है। वहाँ पर कूर्म भगवान का भी मंदिर है जिसमें उनके चरण चिन्ह शिला पर अंकित है । राजतरंगिनी एवं नीलमत पुराण में उल्लेख है कि कश्मीर की भूमि पहले जलमग्न थी। ऋषि कश्यप (कूर्म) ने उस जल को सोख लिया था ।

पं भगवदत्त कृत 'भारतवर्ष का इतिहास' द्वितीय संस्करण 1946 पृ. 44 अनुसार कश्यप और कूर्म एक ही शक्ति के द्योतक हैं । अर्थात् दोनों भिन्न रूप में न होकर एक रूपा है- कश्यपो वै कूर्म (श.ब्रा.7/7/1/5)। सागर मंथन के अवसर पर कूर्म-कच्छप का रूप धारण करके जगत का कल्याण व रक्षा करने वाले विष्णु भगवान को इसी कारण 'आदि कूर्म' विशेषण से संबोधित किया जाता है।

अनन्तो वासुकि : शेषो कराहो धरणीधरः। पयः क्षीर विवेकाढ्यो हंसो हैमगिरि स्थितः।।
हयग्रीवो विशालाक्षो हयकर्णो हमाकृतिः । मन्थनो रत्नहारी चं कूर्मोधर धराधरः ।।

-विष्णु सहस्त्रनामं स्तोत्र

भार्गव उप पुराण

उत्तरार्द्ध सूर्यवंशीय राजर्षि वर्णन अध्याय 15 में अंकित-

कूर्मि संज्ञां लभन्ते ते क्षत्रियाः कूर्म संज्ञकाः वंशजा :।
भूमिधारण कर्त्तारस्तुवि कूर्मि यथा दिवि ।।

भार्गव उपपुराण उत्तरार्द्ध सूर्यवंशीय राजर्षि वर्णन अध्याय 15 श्लोक 25,26,27 में वर्णन है-

वीतहव्यो नृपः कौर्मः सूर्यवंशस्य भूषणः।तत्पत्न्यां गृत्समदोऽभूह ह्याम्बिकायां महाबलः।।
तत्पुत्रोनामतः कूर्मो राजर्षि प्रवरः शुभः।मंत्र दृष्टा सदाचारः क्षात्रधर्मपरायण : ।।
तत्पुत्रा विष्मुसेनाद्याः कूर्मवंश विवर्धनाः ।तत्पुत्रैश्च प्रपोत्रैश्च व्याप्तं पण्डलम् ।।

अर्थात् कूर्मवंश में उत्पन्न सूर्यवंश की शोभा बढ़ाने वाला वीतहव्य नामक राजा हुआ। उनकी पत्नी अम्बिका से महाबली गृत्समद उत्पन्न हुए। उनके पुत्र कूर्म नामक अति श्रेष्ठ राजर्षि हुए । वे क्षात्र धर्मपरायण, सदाचारी और मंत्रदृष्टा हुए। कूर्म वंश की समृद्धि करने वाले विष्णु सेना आदि अनेक पुत्र हुए । उनके पुत्रों और प्रपौत्रों से भू-मण्डल भर गया।

शतपथ ब्राह्मण -

प्राणो वै कूर्मो ! कूर्म को प्राण कहा गया है। इसी ब्राह्मण ग्रंथ में आगे प्राणो वै क्षत्रम् ! प्राण क्षत्र के वाचक रूप में प्रयुक्त है। पुनः इसी ग्रंथ में -

प्राणो वै बलम् ! प्राण, बल का वाचक है ।

''सयः स कूर्मो वयं सौ आदित्यः'' ''वृषा वै कूर्मो योषा साढ़'।

तदानुसार कूर्म, आदित्य सूर्य और वृषा यानी इन्द्र के नाम हैं।

''द्यावा पृथ्वीयो ही कूर्म :'' यानि स्वर्ग (द्यौ) और पृथ्वी का नाम कूर्म है। अब प्रश्न - कूर्म शब्द से कूर्मि कैसे संबोधित है? स्व.देवी प्रसाद सिंह चौधरी द्वारा रचित छत्र प्रभाकर से निम्न समाधान-

कूर्मि शब्द में तदस्यास्ति इति मतुप् अर्थ में संज्ञायांम्न्माभ्याम् (पाणिनी 5/2/137) द्वारा इनी (इन) प्रत्यय लगाने से कूर्मिन शब्द बनता है। फिर सौच (पाणिनी 6/4/13) हलड्याभ्यो, दीर्घात्सुतिस्य पृक्तं हल् (पा.8/1/68) और न लोपः प्रातिपदिक कांतस्य (प्रा.8/2/17) द्वारा कूर्मिन से प्रथमा विभक्ति के एक वचन में कूर्मि शब्द सिद्ध होता है। उक्त विवेचना के उपरांत लेखक द्वारा निम्न निर्णय दर्शित है- कूर्म : (द्यौ स्वर्गो वा) अस्तस्य कूर्म : दिवस्पतिः इन्द्र :।

कूर्मि : (पृथ्वी) अस्तस्य कूर्मि= पृथ्वीपतिः । Lord of the earth/king ।

कूर्म : (रसोवियंवा) अस्तस्य कूर्मि = रसवान, वीर्यवान । Spirits, Vigorous ।

कूर्म : (प्राणोबलं छत्रं वा) अस्तस्य कूर्मि = प्राणवान, बलवान, क्षत्रिय, स्ट्रांग, स्टाऊट ।

कूर्मि (प्रतिपादिक कूर्मिन) अति प्राचीन शब्द है और वेद में क्षत्रिय राज इन्द्र की संज्ञा में प्रयुक्त पाया जाता है।

कूर्मि कपिल नाथ कश्यप
जन्म : 6 मार्च 1906, निर्वाण : 2 मार्च 1985

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

3 | विक्रम संवत् 2075 | शक संवत् 1940-41

मार्च - 2019

संयम और श्रम मानव के दो सर्वोत्तम चिकित्सक हैं।

शिशिर / ता. 16 से बसंत ऋतु

कूर्मि समाज के संबंध में महत्वपूर्ण प्रमाण

- राजस्थान से प्रकाशित वंश भास्कर नामक पुस्तक के द्वितीय भाग पृष्ठ 1013-1014 में कूर्म वंश को सूर्यवंश के अंतर्गत माना गया है और उसकी उत्पत्ति अयोध्या के सुमित्र नामक राजा के पुत्र कूर्म से माना गया है।
- प्रसिद्ध इतिहास लेखक मिस्टर हंटर स्टैटिस्टिकल एकाउंट ऑफ बंगाल वाल्युम 11 में लिखते है कि छत्रपति शिवाजी कूर्मि थे और ग्वालियर व सतारा के राजा भी उसी वंश से है।
- मिस्टर कार्नेजी 'रेसेज ट्राइब्स एण्ड कॉस्ट्स ऑफ अवध' में लिखते है कि महाराजा ग्वालियर भूतपूर्व राजा सतारा और भूतपूर्व भोसला राजा (नागपुर) कूर्मि थे अथवा उन जातियों में से थे जो उनसे संबंधित थी।
- आर्य भाषा में पृथ्वी का नाम कूर्मि रखा गया और इस पृथ्वी के मालिक तथा संपादन कर्ता को अर्थात जोतने वाले, हल की मुठिया पकड़ने वाले को कूर्मि कहना प्रारंभ किया गया।

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

स्वामी वेदानंद सरस्वती
28 मार्च 1941
प्रेरणा स्रोत-चेतना मंच

13 मार्च
कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर
महिला अध्यक्ष-अ.भा.कूर्मि क्ष.महा.

1 मार्च
कूर्मि नीतिश कुमार
मुख्यमंत्री, बिहार

5 मार्च
कूर्मि लक्ष्मी प्र. चन्द्राकर
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि चेतना मंच

15 मार्च
कूर्मि विजय बघेल
प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. प्र.कूर्मि-क्ष. समाज

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त- 2,3,7,8,9,12,13,14

गृह प्रवेश - 2,7,8,9,13,21,22,25,29,30

मूल

26 फरवरी रात्रि 11.04 से 1 मा.प्रातः 3.07 तक
1 मा.प्रातः 3.07 तक, 8 मार्च रवि 11.17 से
11 मार्च रवि 2.58, 18 मार्च 00.12 से
19 मार्च शाम 7.05 तक, 26 मार्च सु.7.16 से
28 मार्च सु.10.11 तक

पंचक

ता.05 मार्च रवि.1.45 से 10 मार्च रात्रि 1.19 तक

शासकीय अवकाश

4 महाशिवरात्रि
21 होली

ऐच्छिक अवकाश

1 महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती
20 वीरांगना अवंतिबाई बलिदान दिवस
20 होलिका दहन
21 हजरत अली का जन्म दिवस
22 भाई दूज
31 भक्त माता कर्मा जयंती

याददाश्त

सोम MONDAY		फाल्गुन कृष्ण 13 **4** श्रवण (महाशिवरात्रि)	फाल्गुन शुक्ल 5 **11** भरणी	फाल्गुन शुक्ल 12 **18** अश्लेषा (प्रदोष व्रत)	चैत्र कृष्ण 5 **25** विशाखा (रंग पंचमी)
मंगल TUESDAY		फाल्गुन कृष्ण 14 **5** धनिष्ठा	फाल्गुन शुक्ल 6 **12** कृत्तिका	फाल्गुन शुक्ल 13 **19** मघा	चैत्र कृष्ण 6 **26** अनुराधा
बुध WEDNESDAY		फाल्गुन कृष्ण 15 **6** शतभिषा सा. (फाल्गुन अमावस्या; महर्षि कपिलनाथ कश्यप जयंती)	फाल्गुन शुक्ल 7 **13** रोहिणी (होलाष्टक प्रारंभ)	फाल्गुन शुक्ल 14 **20** पू.फा. (होलिका दहन; होलाष्टक समाप्त; वीरांगना अवंती बाई का बलिदान दिवस)	चैत्र कृष्ण 7 **27** ज्येष्ठा
गुरु THURSDAY		फाल्गुन शुक्ल 1 **7** पू.भा.	फाल्गुन शुक्ल 8 **14** मृगशिरा	फाल्गुन शुक्ल 15 चैत्र कृष्ण 1 **21** होली उ.फा. (बसंत पूर्णिमा; विश्व वानिकी दिवस)	चैत्र कृष्ण 8 **28** मूल (स्वामी वेदानंद जी जन्मदिवस)
शुक्र FRIDAY	फाल्गुन कृष्ण 10 **1** पू.षा.समस्त (महर्षि दयानंद सरस्वती जन्मदिवस)	फाल्गुन शुक्ल 2 **8** उ.भा. (अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस; चन्द्रदर्शन; स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती)	फाल्गुन शुक्ल 9 **15** आर्द्रा (विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस)	चैत्र कृष्ण 2 **22** भाई दूज हस्त (बिहार दिवस; संत तुकाराम जयंती)	चैत्र कृष्ण 9 **29** पू.षा.
शनि SATURDAY	फाल्गुन कृष्ण 11 **2** पू.षा. (विजया एकादशी)	फाल्गुन शुक्ल 3 **9** रेवती (बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश)	फाल्गुन शुक्ल 10 **16** पुनर्वसु (कार्यालयीन अवकाश)	चैत्र कृष्ण 3 **23** चित्रा (बैंक अवकाश / शहीद दिवस; राम मनोहर लोहिया जयंती)	चैत्र कृष्ण 10 **30** उ.षा.
रवि SUNDAY	फाल्गुन कृष्ण 12 **3** उ.षा. (प्रदोष व्रत)	फाल्गुन शुक्ल 4 **10** अश्विनी	फाल्गुन शुक्ल 11 **17** पुष्य (आमलकी एकादशी)	चैत्र कृष्ण 4 **24** स्वाती (विश्व क्षय दिवस)	चैत्र कृष्ण 11 **31** श्रवण (एकादशी; भक्त माता कर्मा जयंती)

समस्त स्वजातीय बंधुओं को महाशिवरात्रि की मंगल कामनाएँ...

युवा कूर्मि मित्र मण्डल
भिलाई नगर, जिला-दुर्ग
: कूर्मि मित्र मंडल का आयोजन :
● कूर्मि संध्या ● पारिवारिक मिलन समारोह, ● सद्भावना यात्रा ● वार्षिक अधिवेशन ● भूंईया सम्मान

समस्त स्वजातीय बंधुओं को सादर नमन...

कूर्मि व्यासनारायण कश्यप
पूर्व प्रदेश कार्य. सदस्य
छ.ग.कृ.क्ष.चे.मंच
मो. 9425220316

कूर्मि सूरजव्यास कश्यप
पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
जिला-जांजगीर-चांपा
-जांजगीर-

लक्ष्मी डेन्टाकेयर एण्ड इम्पलांट सेंटर
RSBY/MSBY स्मार्ट कार्ड से निःशुल्क इलाज कराएँ
सुविधाएँ
● संपूर्ण मुख एवं दाँत संबंधित समस्या का इलाज
● पायरिया का पूर्ण उपचार रूट कैनाल ट्रिटमेंट
● क्राउन एवं ब्रिज (फिक्स दाँत)
● बत्तीसी बनवाना
● टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों का तार द्वारा सीधा करना
● कास्मेटिक डेन्टल ट्रिटमेंट (ब्लिचिंग, स्केनिंग, फिलिंग)
● मुंह एवं जबड़े के फ्रेक्चर का इलाज

Dr. LAXMIKANT KASHYAP

Dr. NEHA KASHYAP

पता: श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पास, गीतांजली कंस्ट्रक्शन ऑफिस के बाजू में, अमेरी रोड, नेहरू नगर, बिलासपुर मो. 9907544212, 9406068809

Mahindra Rise
कूर्मि प्रमोद नायक (संचालक)
सेन्ट्रल इंडिया मोटर्स

तिफरा ओवर ब्रिज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-247707, मो. 9179623341, 9926620000

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ...

इंजी. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
संस्थापक सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

बेबी आरवी गहवई

कूर्मि श्रीमती रूखमणी गहवई
आजीवन सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

डॉ. आशीष गहवई

डॉ. प्रीति गहवई

डॉ. अतीन गहवई

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

मार्च-2019

कूर्मि समाज से प्रमुख संवैधानिक पदों में सुशोभित होने वाले व्यक्तित्व की सूची

कूर्मि समुदाय से राष्ट्रपति :

1. महामहिम कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी (गृह राज्य-आंध्रप्रदेश) कार्यकाल-1977-1982 तक।
2. महामहिम कूर्मि प्रतिभा पाटिल (गृह राज्य-महाराष्ट्र) कार्यकाल -25 जुलाई 2007-25 जुलाई 2012 तक।

कूर्मि समुदाय से प्रधानमंत्री :

1. कूर्मि एच.डी. देवेगौड़ा (गृह राज्य-कर्नाटक) कार्यकाल-1 जून 1996-21 अप्रैल 1997

कूर्मि समुदाय से उप प्रधानमंत्री :

1. कूर्मि सरदार वल्लभ भाई पटेल (गृह राज्य-गुजरात) कार्यकाल - 15 अगस्त 1947 से 15 दिसम्बर 1950

कूर्मि समुदाय से राज्यपाल

1 महामहिम कूर्मि के.वी. रघुनाथ रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल -त्रिपुरा 1990-1993, पश्चिम बंगाल 14 अग.1993-27 अप्रैल 1998, उड़ीसा 31 जन. 1997-12 फर. 1997, उड़ीसा 31 दिस. 1997-27 अप्रैल 1998

2. महामहिम कूर्मि बी. सत्यानारायण रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल- उत्तर प्रदेश 12 फर. 1990-25 मई 1993, उड़ीसा 1 जून 1993-17 जून 1995, पश्चिम बंगाल 13 जुलाई 1993-14 अगस्त 1993
3. महामहिम कूर्मि बेजावाड़ा गोपाल रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-उत्तर प्रदेश 1 मई 1967-1 जुलाई 1972
4. महामहिम कूर्मि डॉ. एम.चेन्ना रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-उत्तर प्रदेश 1974-1977, पंजाब 1982-1993, राजस्थान फर. 1992- मई 1993, तामिलनाडू 1993-2 दिस.1996 (निधन तक)
5. महामहिम कूर्मि सी. विद्यासागर राव, (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-महाराष्ट्र 30 अगस्त 2014 से वर्तमान तक, तमिलनाडू 31 अगस्त 2016 से (अति.प्रभार)
6. महामहिम कूर्मि प्रतिभा पाटिल (गृह राज्य-महाराष्ट्र) कार्यकाल-राजस्थान 8 नव. 2004 -23 जून 2007
7. महामहिम कूर्मि कल्याण सिंह, (गृह राज्य-उत्तरप्रदेश) कार्यकाल-राजस्थान 4 सित. 2014 से वर्तमान तक, हिमांचल प्रदेश 28 जन.2015 से , 12 अगस्त 2015 (अति प्रभार)
8. महामहिम कूर्मि आनन्दी बेन पटेल, (गृह राज्य-गुजरात) कार्यकाल-म.प्र.23 जन. 2018 वर्तमान तक एवं छत्तीसगढ़ 15 अग.2018 (अति प्रभार)

कूर्मि समुदाय से राज्यवार मुख्यमंत्रियों की सूची :

आंध्रप्रदेश राज्य -

1. कूर्मि बेजावाड़ा गोपाल रेड्डी, मुख्यमंत्री-28 मार्च 1955- 1 नव. 1956 राज्यपाल-उत्तर प्रदेश 1 मई 1967-1 जुलाई 1972
2. कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी, मुख्यमंत्री-1 नव.1956-11 जन. 1960, 12 मार्च 1962-20 फर.1964 , राष्ट्रपति -1977-1982
3. कूर्मि के. ब्रम्हानंद रेड्डी मुख्यमंत्री -29 फर. 1964-30 सित. 1971
4. कूर्मि जालागाम वेंगल राव मुख्यमंत्री- 10 दिस. 1973 -6 मार्च 1978
5. कूर्मि टी.रामाराव रेड्डी, मुख्यमंत्री-अक्टू..1980- फर.1982
6. कूर्मि भवनम् वेंकटरमी रेड्डी मुख्यमंत्री-फर. 1982-सित.1982
7. कूर्मि डॉ. एम.चेन्ना रेड्डी, मुख्यमंत्री-6 मार्च 1978-11 अक्टू..1980, 3 दिस.1989-17 दिस.1990 राज्यपाल-उत्तर प्रदेश 1974-1977, पंजाब 1982-1993, राजस्थान फर. 1992- मई 1993, तमिलनाडू 1993-2 दिस.1996 (निधन तक)
8. कूर्मि कोटला विजय भास्कर रेड्डी, मुख्यमंत्री-20 सित.1982-9 जन 1983, 9 अक्टू.1992-12 दिस.1994
9. कूर्मि नन्दमुरी तारक रामाराव -मुख्यमंत्री-9 जन.1983-16 अग.1984, 16 सित.1984-2 दिस. 1989, 12 दिस.1994-1 सित. 1995
10. कूर्मि जर्नादन रेड्डी, मुख्यमंत्री 1990-1992
11. कूर्मि एन.के.किरण कुमार रेड्डी, मुख्यमंत्री-25 नव.2010-1 मार्च 2014
12. कूर्मि एन.चन्द्रबाबू नायडु, मुख्यमंत्री-14 सित.1995-14 मई 2004, 8 जून 2014 जारी
13. कूर्मि वाय.एस.राजेश्वर रेड्डी, मुख्यमंत्री-14 मई 2004 -2 सित. 2009

कर्नाटक राज्य -

1. कूर्मि क्यासाम्बल्ली चेन्गालार्या रेड्डी, मुख्यमंत्री-25 अक्टू..1947-30 मार्च 1952 (मैसुर राज्य)
2. कूर्मि वीरेन्द्र पाटिल, मुख्यमंत्री-29 मई1968-18 मार्च 1971, 19 मार्च 1971-20 मार्च 1972, 30 नव. 1989-10 अक्टू..1990, 10 अक्टू..1990-17 अक्टू..1990
3. कूर्मि एच.डी.देवगौड़ा, मुख्यमंत्री-11 दिस.1994-31 मई 1996, प्रधानमंत्री-1 जून 1996-21 अप्रैल 1997
4. कूर्मि एच.डी.कुमार स्वामी, मुख्यमंत्री-3 फर. 2006-8 अक्टू..2007, 23 मार्च 2018 वर्तमान तक
5. कूर्मि डी.व्ही. सदानंद गौड़ा, मुख्यमंत्री-5 अग.2011-11 जुलाई 2012

तेलंगाना-

1. कूर्मि के.चन्द्रशेखर राव मुख्यमंत्री-2 जून 2014-6 सित.2018

बिहार -

1 कूर्मि दीप नारायण सिंह, मुख्यमंत्री-1 फर. 1961-18 फर. 1961
2. कूर्मि नितीश कुमार, मुख्यमंत्री 3 मार्च 2000 -10 मार्च 2000, 24 नव.2005-26 नव. 2010, 26 नव. 2010-20 मई 2014, 20 नव.2015- 26 जुलाई 2017, 27 जुलाई 2017-वर्तमान तक

उत्तर प्रदेश-

1. कूर्मि कल्याण सिंह, मुख्यमंत्री - 24 जून 1991-6 दिस.1992, 21 सित.1997-12 नव. 1999 राज्यपाल - राजस्थान 4 सित. 2014 से वर्तमान तक, हिमांचल प्रदेश 28 जन.2015 से , 12 अगस्त 2015 (अति प्रभार)

उड़ीसा

1. कूर्मि हरेकृष्णा मेहताब, मुख्यमंत्री 19 अक्टू..1956-6 अप्रैल 1957, 6 अप्रैल 1957-22 मई 1959, 22 मई 1959-25 फर. 1961

महाराष्ट्र

1. कूर्मि यशवंत चाव्हाण, मुख्यमंत्री-1 नव.1956-5 अप्रैल 1957, 1 मई 1960-19 नव.1962
2. कूर्मि शंकरराव चव्हाण, मुख्यमंत्री-21 फर. 1975-16 मई 1977
3. कूर्मि शरद पवार 18 जुलाई 1978-17 फर. 1980, 26 जून 1988-3 मार्च 1990, 4 मार्च 1990-25 जून 1991, 6 मार्च 1993-14 मार्च.1995
4. कूर्मि विलास राव देशमख, मुख्यमंत्री 18 अक्टू.. 1999-16 जन.2003, 1 नव.2004-4 दिस.2008
5. कूर्मि अशोक चव्हाण, मुख्यमंत्री-8 दिस.2008-15 अक्टू..2009
6. कूर्मि पृथ्वीराज चव्हाण, मुख्यमत्री-11नव.2010-26 सित.2014

गुजरात

1. कूर्मि चिमन भाई पटेल, मुख्यमंत्री-17 जुलाई 1973-9 फर. 1974, 4 मार्च 1990-25 अक्टू 1990, 25 अक्टू 1990-17 फर. 1994
2. कूर्मि बाबू भाई जे. पटेल, मुख्यमंत्री-18 जून 1975 -12 मार्च 1976, 11 अप्रैल 1977-17 फर. 1980
3. कूर्मि केशुभाई पटेल मुख्यमंत्री-14 मार्च 1995-21 अक्टू.1995, 4 मार्च 1998-अक्टू. 2001
4. कूर्मि आनन्दी बेन पटेल, मुख्यमंत्री 22 मई 1914- 7 अग. 2016, राज्यपाल-म.प्र. 23 जन. 2018 वर्तमान तक एवं छत्तीसगढ़ 15 अग.2018 (अति प्रभार)

केरल

1. कूर्मि पट्टम ए.थानू.पिल्लई मुख्यमंत्री - 22 फर. 1960-26 सित. 1962
2. कूर्मि वासुदेवन नायर, मुख्यमंत्री-29 अक्टू.1978-7 अक्टू. 1979

कूर्मि ध्वज गीत

जागो कूर्मि क्षत्रिय महान!!!

हे कूर्मि! क्षत्रिय जाति महान, हे राष्ट्र धर्म, धरती की शान ।
हे शौर्य! शक्ति के महापूंज, हे कर्मठ, धरती के किसान ।।
जागो कूर्मि क्षत्रिय महान...

रधुवंश सूर्य के ज्योति पुंज, तुम रणभेरी की महा गूंज ।
हे वीर शिवा के महावंश, हे लौह पुरूष के लौह अंश ।।
हे इतिहासों के महासपूत, हे देश धरा के क्रांतिदूत ।
अपनी गौरव-गरिमा को जान ।। जागो कूर्मि क्षत्रिय महान...

है शस्त्र तुम्हारा सहज धर्म, हल थाम किया है कृषि कर्म।
युग युग तक देश की शक्ति बन, तुमने ही दिया जीवन का मर्म।
हे वसुन्धरा के महाछत्र, हे इतिहासों के स्वर्ण-पत्र।
तुम देश धरा के महाप्राण ।। जागो कूर्मि क्षत्रिय महान...

अब जागो हमें करना विकास, त्यागो रूढ़ि व अन्धविश्वास ।
नवयुग की इस नव बेला में, हमको करना स्वजाति विकास ।।
नव जागृति की अब ले मशाल, जागो जागो हे नौ निहाल ।
आगे बढ़ना है सीना तान ।।

जागो कूर्मि क्षत्रिय महान...

मदन महिन्द्रा
डॉ. निर्मल नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9826165881

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

4 | विक्रम संवत् 2075-76 | शक संवत् 1941

अप्रैल - 2019

मानसिक आजादी ही हर गुलामी से आजाद कर सकती है। | बसंत ऋतु

18 अप्रैल 1993, छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच स्थापना दिवस

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच की स्थापना 1993 में परमपूज्य स्वामी वेदानंद सरस्वती जी के सानिध्य में हुई। चेतना मंच का उद्देश्य प्रदेश में व्याप्त फिरका वाद और उसकी पृथक-पृथक ताकत को सर्वमान्य मंच के माध्यम से एकीकृत करते हुए रचनात्मक, वैज्ञानिक चिंतन तथा सम्पूर्ण विकास हेतु सामाजिक चेतना का संचार करना है।

प्रमुख गतिविधियाँ - 1. पटेल जयंती एवं प्रतिभा सम्मान, 2. कूर्मि चेतना पंञ्याङ्ग, 3. क्षमता विकास कार्यक्रम, 4. उपजाति-एकीकरण अभियान 5. कला संस्कृति संवर्धन, 6. सामूहिक विवाह का आयोजन

अहम तोड़ो, फिरका जोड़ो

जन्मदिन की शुभकामनाएँ . . .

20 अप्रैल
कूर्मि चन्द्रबाबू नायडू
मुख्यमंत्री, आन्ध्रप्रदेश

28 अप्रैल
कूर्मि अनुप्रिया पटेल
केन्द्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त-15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22 23, 24, 25, 26

गृह प्रवेश- 17, 29

मूल

ता.5 सु.5.37 से 7 सुबह 8.45 तक
ता. 14 सु. 7.41 से 16 सु.4.02 तक
ता.22 सायं 4.46 से 24 सायं 6.36 तक

पंचक

ता. 1 सुबह 8.22 से ता. 6 सुबह 7.23 तक
ता. 28 सायं 3.46 से ता.3 मई दोप.2.41 तक

सोम MONDAY	चैत्र कृष्ण 11 **1** धनिष्ठा; पापमोचिनी एकादशी, उड़ीसा दिवस, बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी	चैत्र शुक्ल 3 **8** भरणी; मत्स्य जयंती	चैत्र शुक्ल 11 **15** मघा; कामदा एकादशी, हिमाचल दिवस	बैशाख कृष्ण 3 **22** अनुराधा; विश्व पृथ्वी दिवस	बैशाख कृष्ण 10 **29** शतभिषा
मंगल TUESDAY	चैत्र कृष्ण 12 **2** शतभिषा; प्रदोष व्रत	चैत्र शुक्ल 4 **9** कृत्तिका	चैत्र शुक्ल 12 **16** पू.फा.	बैशाख कृष्ण 4 **23** ज्येष्ठा	बैशाख कृष्ण 11 **30** शतभिषा प्रा.; बरुथिनी एकादशी व्रत, श्रीमद् वल्लभाचार्य जयंती
बुध WEDNESDAY	चैत्र कृष्ण 13 **3** पू.भा.	चैत्र शुक्ल 5 **10** रोहिणी; गुहा निषादराज जयंती	चैत्र शुक्ल 13 **17** उ.फा.; प्रदोष व्रत, महावीर जयंती	बैशाख कृष्ण 5 **24** मूल	
गुरु THURSDAY	चैत्र कृष्ण 14 **4** उ.भा.	चैत्र शुक्ल 6 **11** मृगशिरा; ज्योतिराव फूले जयंती	चैत्र शुक्ल 14 **18** हस्त; हाटकेश्वर जयंती, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच स्थापना दिवस	बैशाख कृष्ण 6 **25** पू.षा.	
शुक्र FRIDAY	चैत्र कृष्ण 15 **5** रेवती; चैत्र अमावस्या, बाबू जगजीवन राम जन्मदिन	चैत्र शुक्ल 7 **12** आर्द्रा	चैत्र शुक्ल 15 **19** चित्रा; धरती पूजा चैत्र पूर्णिमा, हनुमान जयंती गुड फ्राईडे	बैशाख कृष्ण 7 **26** उ.षा.	
शनि SATURDAY	चैत्र शुक्ल 1 **6** रेवती प्रा.; नवरात्र प्रारंभ, वर्ष प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा, हिन्दू नववर्ष प्रारंभ	चैत्र शुक्ल 8 **13** पुन.प्रा./पुष्य; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, रामनवमी	बैशाख कृष्ण 1 **20** स्वाती; कार्यालयीन अवकाश	बैशाख कृष्ण 8 **27** श्रवण; बैंक अवकाश	
रवि SUNDAY	चैत्र शुक्ल 2 **7** अश्विनी; विश्व स्वास्थ्य दिवस, चेटी चंड, सरहुल	चैत्र शुक्ल 9/10 **14** अश्लेषा; तमिल, बंगाली नववर्ष, अम्बेडकर जयंती	बैशाख कृष्ण 2 **21** विशाखा	बैशाख कृष्ण 9 **28** धनिष्ठा; छत्रपति शिवाजी जयंती	

शासकीय अवकाश

1	बैंको की वार्षिक लेखाबंदी
17	महावीर जयंती
19	गुड फ्रायडे

ऐच्छिक अवकाश

6	गुडी पड़वा
10	गुहा निषादराज जयंती
18	हाटकेश्वर जयंती
19	धरती पूजा (खद्दी पर्व)
30	वल्लभाचार्य जयंती

याददाश्त

कूर्मि क्रांति सेना
कूर्मि किसान कल्याण समिति
मुजफ्फर नगर (उत्तरप्रदेश)
रजि.-1127
KKS अम्बिकापुर जरही (भटगांव)

कूर्मि ईश्वर प्रसाद पटेल
राष्ट्रीय संयोजक, KKS
मो. 817155501, 8171765934
समाज के सभी को काम रोजगार मिले यही अपना लक्ष्य

कूर्मि धावेन्द्र सिंह
राष्ट्रीय सह संयोजक, KKS
मो. 9425357871, 9669932871
मेरा एक ही सपना। कूर्मी संगठित हो अपना ॥

कूर्मि देवप्रताप सिंह
जिला संयोजक, KKS
अम्बिकापुर, सूरजपुर (छ.ग.)
मो.8719856177, 9406133419
समाज सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं

प्रबंध संपादक- कूर्मि भुवन वर्मा
9827124304, 9826704304
आर.एन.आई. पंजीयन क्र. CHHHIN/2009/42664
डाक पंजीयन क्र. जी 2-112/सी.जी.बी.एल.पी./69/2013-2015
2007 से लगातार
छत्तीसगढ़ की मासिक पत्रिका
अस्मिता और स्वाभिमान
सामाजिक चेतना का संदेश वाहक
98267-04304, e-mail: ashmitanews@gmall.com
बिलासपुर • रायपुर • दुर्ग • कोरबा • जांजगीर-चांपा • राजनांदगांव • दंतेवाड़ा • बस्तर • कबीरधाम • कांकेर • रायगढ़ • सरगुजा • धमतरी • बीजापुर • नारायणपुर • महासमुंद • कोरिया • जशपुर • बलौदाबाजार • गरियाबंद • बेमेतरा • बालोद • कोंडागांव • सुकमा • मुंगेली • सूरजपुर • बलरामपुर में प्रसारित

समस्त स्वजातीय बंधुओं को हिन्दू नर्व की मंगलकामनाएँ...
कूर्मि ताराचंद सिंगरौल
(जरेली वाले)
मो. 9165090757, 9993216130
जल ही जीवन है
सिंगरौल बोरवेल्स एण्ड पम्प

घर फैक्ट्री और प्लाट में 8", 6", 5" बोर खनन कार्य हेतु संपर्क करें
एक्वाटेक, पृथ्वी, गिक्सिंग, CRN आदि सबमर्सिबल पम्प उपलब्ध
स्थान : मुंगेली रोड, पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

समस्त समाजिक बन्धुओं को हिन्दू नववर्ष की हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ....

कूर्मि नन्दलाल चन्द्राकर
प्रदेश उपाध्यक्ष
छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़
जिलाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज जिला-कबीरधाम
मो. : 9575842200, 9907430200

कूर्मि प्रेषित बैस
मो. : 98935 15555

gc
गगन कंस्ट्रक्शन
सी वर्ग शासकीय पंजीकृत ठेकेदार एवं सप्लायर
सामग्री सहित भवन निर्माण का कार्य उचित दर पर किया जाता है
518, सुन्दर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492 013

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बाजू, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

अप्रैल-2019

कूर्मि समाज / संगठन के राष्ट्रीय व राज्यवार प्रमुख पदाधिकारियों की सूची

क्र.	प्रकोष्ठ	राष्ट्रीय प्रमुख का नाम	पदनाम	पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित
1.	केन्द्रीय	कूर्मि एल.पी.पटेल	राष्ट्रीय अध्यक्ष	381, सीनियर एच.आई.जी., सेक्टर-एच, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425392434, E-Mail:kurmi.lppatel@gmail.com
2.	केन्द्रीय	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	राष्ट्रीय महासचिव	सरदार पटेल स्मारक, अतिथि निवास, एस-14, अंधरापुल, वाराणसी (उ.प्र.) मो.: 09425175550,E-Mail:niranjanvivek@yahoo.com
3.	केन्द्रीय	कूर्मि बी.एल. वर्मा	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	एम.आई.जी.-1, 22/342, इंदिरा नगर, रीवा (म.प्र.) मो. 09425393572
4.	महिला	कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर	राष्ट्रीय अध्यक्ष	सड़क-7, ब्लाक-9 बी, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)-490006, मो. 9826482726, 09302743766
5.	महिला	कूर्मि श्रीमती मनीषा गौर	राष्ट्रीय महासचिव	53/3, रेशमबाला कम्पाण्ड, नंदलालपुरा, इंदौर (म.प्र.) मो. 09752042825
6.	महिला	कूर्मि श्रीमती ममता पटेल	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	9/10, विंडसर डिलाइड्स, पटेल कालोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) मो. 09229683301
7.	युवा	कूर्मि धीरेन्द्र मोहन कटियार	राष्ट्रीय अध्यक्ष	18/297, सेक्टर-18, इंदिरा नगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09450101328, 09918001488
8.	युवा	कूर्मि इंजी. सतीश सचान	राष्ट्रीय महासचिव	227/338, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर (उ.प्र.), मो. 09839211802
9.	युवा	कूर्मि दिनेश सचान	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	12 बाल विहार, फरीदीनगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09935705080
क्र.	**राज्यों का नाम**	**राज्य प्रमुख का नाम**	**पदनाम**	**पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित**
1.	**छत्तीसगढ़**	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 09826165881, E-Mail:kurmi.chetna01@gmail.com
		कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल	महासचिव	ब्लाक-47/563 पं. दीन. आवासीय फ्लैट्स, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)492099 मो. 09425522629 E-
		कूर्मि श्री विजय बघेल	प्रदेशाध्यक्ष	7-बी, स्ट्रीट नं.-38, सेक्टर-5, भिलाई-दुर्ग (छ.ग.) मो. 09425561150
		कूर्मि श्री लीलाधर चन्द्राकर	महासचिव	बी-1, पवन विहार, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) मो. 09329477504
2.	**उड़ीसा**	कूर्मि श्री विजय कुमार प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	प्लाट नं.-307, ई, गंगानगर, पोस्ट-यूनिट नं.-6, भुवनेश्वर 751001(उड़ीसा) मो. 09938679318
		कूर्मि श्री रूशी गुमान सिंह	महासचिव	160, एकामरा मार्ग यूनिट-6, भुवनेश्वर (उड़ीसा) मो. 09437082407
		कूर्मि श्री प्रभाषचन्द्र मोहन्ता	प्रदेशाध्यक्ष	बी.आई.एम.-160, शैलश्री बिहार भुवनेश्वर (उड़ीसा) 751021 मो. 09237271825
		कूर्मि रामचन्द्र मोहन्ता	महासचिव	402, माँ भुवनेश्वरी एनक्लेव, गजपति नगर, भुवनेश्वर- 05 (उड़ीसा)मो.09438323680
		कूर्मि डॉ. पुरणचंद्र प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम पो. लालसिंगी वाया बड़ाकोडांण्डा भंजनगर- 761125 (उड़ीसा) मो. 09438323680 E-Mail:pradhan2018purna@gmail.com
3.	**उत्तरप्रदेश**	कूर्मि श्रीमती कांति सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं.4/61,हरशिखर ,विनीतखंड गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.), मो. : 08005499743, E-Mail:kanti.singh8@gmail.com
		कूर्मि श्री संजय गंगवार	महासचिव	संजय रायल पार्क,कनकपुर रोड पीलीभीत-262001 (उ.प्र.) मो.09412297133, E-Mail:Sanjaysinghbjp1977@gmail.com
4.	**महाराष्ट्र**	कूर्मि डॉ. बाबूलाल सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	29, मातृछाया, तीसरा माला, एम.जी. रोड, मुलुण्ड मुंबई, 80 (महाराष्ट्र) मो. 09224244661 E-Mail:dr.babulalsingh@gmail.com
		कूर्मि श्री सुरेश लक्ष्मण भ्याजे	अध्यक्ष	अम्बाऊ, पोस्ट-मखाजन,ता. संगमेश्वर, जिला-रत्नागिरी (महाराष्ट्र) मो. 09960591613
		कूर्मि श्री नन्दकुमार मोहिते	महासचिव	शिवार अम्बेरे, रत्नागिरी,महाराष्ट्र मो. 094209009070 E-Mail:dilip-2005@reddifmail.com
		कूर्मि श्री श्रीराम महतो	अध्यक्ष	A-5/1, एन.एस.के हाऊसिंग सोसायटी, रवि नगर,नागपुर (महाराष्ट्र) फोन-0712-2551718, मों. 09823687419
		कूर्मि श्री रामशरण कनौजिया	महासचिव	21/7 एम्प्रेस मिलचाल, सुभाष रोड, नागपुर-18 (महाराष्ट्र) फोन. 0712-2773893, मो.: 09730031290
5.	**पश्चिम बंगाल**	कूर्मि श्री प्रेमनाथ कूर्मि	अध्यक्ष	17/21 A टीटागढ़,एस.पी.मुखर्जी रोड, जिला-उत्तर चौबिस परगना कोलकाता-(पश्चिम बंगाल)19 मो. 09331422586
		कूर्मि श्री रंजीत राय	महासचिव	72/ कवि गुरू रविन्द्र नाथ, नियर कचरा पारा, उत्तर चौबिस परगना कोलकाता- (पश्चिम बंगाल) 743145 मो. 09002025836,
6.	**राजस्थान**	कूर्मि श्री बाबूराम कटियार	अध्यक्ष	एफ-19,नंदपुरी, हवा सड़क, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) मो. 9829158255 E-Mail:kpj_jaipur@yahoo.com
		कूर्मि श्री राजेश गंगवार	महासचिव	ए-463, भगवती अपार्टमेंट विद्युतनगर अजमेर रोड, जयपुर (राजस्थान)302021 मो. 09414049758 E-Mail:sarjan-raj2002@yahoo.co.in
		कूर्मि श्री विष्णु प्रसाद पाटीदार	अध्यक्ष	अयोध्या,सुभाष कॉलोनी,बस स्टैंड के पास,झालावाड़ (राजस्थान) -326001 फोन-07432-231311,मो.09829175911
7.	**झारखंड**	कूर्मि श्री कुमेश्वर महतो	अध्यक्ष	ग्राम-होसीरपुर डाडी,पोस्ट-गिद्दी,जिला-हजारीबाग (झारखंड)-829109 मो. 09934105586 E-Mail:kanwhizzkumeshwar54@gmail.com
		कूर्मि श्री कारीनाथ महतो	महासचिव	मसू हेसल, पोस्ट टाटीसिलवे, जिला-रांचीइ(झारखंड) 835013 मो. 08002533967 E-Mail:karinath_mahto@ushamartin.co.in
8.	**मध्यप्रदेश**	कूर्मि श्री रामखेलावन पटेल	अध्यक्ष	पटेल मेडिकल स्टोर्स सतना रोड, अमर पाटन, जिला-सतना (म.प्र.) मो. 09425174322,09617980599
		कूर्मि श्री जी.एल.पटेल	महासचिव	म.न. 267, एच.आई.जी. सुपर डिलक्स पार्ट- फेस 5, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425376492 E-Mail: glpatel2050@gmail.com
		कूर्मि श्री महेन्द्र पाटीदार	अध्यक्ष	बी-645,के/अ सत्यम कलेक्शन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) मो. 09826750053 E-Mail: mppatidarsamaj@gmail.com
		कूर्मि श्री आशोक कटारिया	महासचिव	ग्राम-पाटपाला, पोस्ट-हरसोदन, जिला-उज्जैन (म.प्र.) मो. 09926059413
		कूर्मि श्री बी.पी. पटेल	अध्यक्ष	(सरदार पटेल ट्रस्ट, भोपाल)डी-59 सिद्धार्थ लेक सिटी, रायसेन रोड,भोपाल (म.प्र.)मो.9424455368 E-Mail: erbppatelce1958@gmail.com
9.	**हरियाणा**	कूर्मि श्री बाल्मीकी के. पटेल	अध्यक्ष	139/21,राज नगर , गली नं-1, खांडसा रोड, गुड़गांव (हरियाणा) मो. 09910480784
		कूर्मि श्री सुन्दरलाल गंगवार	महासचिव	162/1 सी, हरी नगर, खाण्डसा रोड, गुड़गांव (हरियाणा) मो. 08802763702
10.	**कर्नाटक**	कूर्मि श्री अजय वर्मा	अध्यक्ष	9, रामकृष्ण निवास, एम. एल. ए., लेआउट, गैप गार्डेन, कलेना अग्रहारा बनेरघट्टा रोड, बैंगलौर-76 (कर्नाटक) मो. 09341235998 E-Mail: ajayverma23@gmail.com
		कूर्मि श्री डी.एन. बिट्टे गौड़ा	अध्यक्ष	28/14 ए- द्वितीय स्टेज चौक, दूसरा ब्लाक, महालक्ष्मीपूरम, पश्चिम तार रोड , बैंग्लुरू (कर्नाटका) 530086, मो. : 9448088372
11.	**तेलंगाना**	कूर्मि श्री राजनारायण पटेल	अध्यक्ष	14-10-404, जुमेरात बाजार, धूलपेठ, हैदराबाद-500006 (तेलंगाना) मो. 09394543910, E-Mail: rajnarayanuma@gmail.com
		कूर्मि श्री किशोर सिंह वर्मा	महासचिव	म.नं. 1919-1-912/ए/32/ए, फुलवारी मुरली नगर, हैदराबाद 500004 (तेलंगाना) मो. 09849242250 E-Mail: kishorsinghmala@gmail.com
		कूर्मि श्री वोक्का भूपाल रेड्डी	अध्यक्ष	रेड्डी संक्षेमा संगम, मं.नं. 17-2-630/6/2, मदनापेठ, सायदाबाग-500054 (तेलंगाना) मो.: 09392223000
12.	**आंध्रप्रदेश**	कूर्मि श्री मारम बाला ब्रम्हा रेड्डी	अध्यक्ष	डोर न. 8-27, 4-4 बोचापाटा फोटालेम, विजय नगरम 535002 (आंन्ध्रप्रदेश) मो. 09573636999
		कूर्मि श्री रविन्द्र वेंकट रेड्डी	महासचिव	गली नं.102/1 श्री वेंकटेश्वर व्हीकल यार्ड, एमवीजीआर महाविद्यालय चिन्टा के सामने, लावल्से विजय नगर (आन्ध्रप्रदेश) 535002 मो. 9392223200
13.	**बिहार**	कूर्मि श्री मृत्युंजय कुमार	अध्यक्ष	डी/171, पी.सौ कॉलोनी, शिवाजी पार्क के पास, कंकड़बाग, पटना-20 (बिहार) मो. 09801874098 E-Mail: mritunjaynetaji@gmail.com
		कूर्मि श्रीमती सुनीता साक्षी	महासचिव	ई/98-ए, पी.सी. कॉलोनी कंकड़ाबाग, पटना-20, (बिहार) मो. 09801874098, E-Mail: suneetasakshi000@gmail.com
14.	**आसाम**	कूर्मि श्री गंगाप्रसाद कूर्मि	अध्यक्ष	ग्राम- बजगांव पोष्ट- तिलीकियाम, जिला-जोरहट (आसाम) मो. 09854010713
		कूर्मि श्री सोमेश महतो	महासचिव	ग्राम-निचिलामढ़ी, पो.ओरंग जिला-उदलगुढ़ी (आसाम)मो. 09613968247
15.	**गोवा**	कूर्मि श्री प्रताप सिंह वेलिप कानकार	अध्यक्ष	जानकी निवास-राघवेन्द्र मठ के पास, मोहन्ती हिल्स, मडगांव (गोवा) फोन-0832-2710215,मो. 09860275261
		कूर्मि श्री मधु एन. गांवकर	महासचिव	बंडोल-किरलापाल, पोस्ट ऑफिस, डावाल जिला-संगूएम, (गोवा) मो. 09822194547
16.	**केरल**	कूर्मि श्री के.वी. भास्करण	अध्यक्ष	के.एस.एस. बिल्डिंग, टाउनहाल, क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि -682008 (केरल) मो. 09447679008
		कूर्मि श्री पी.एस. रामचंद्रन	महासचिव	कुटुम्बी सेवा संघम के.एस.एस. बिल्डिंग टाउनहाल क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि 682008(केरल) मो. 09447673609
17.	**उत्तराखण्ड**	कूर्मि डॉ. सत्यनारायण सचान	अध्यक्ष	54, सेवक आश्रम रोड, देहरादून (उत्तराखंण्ड) फोन-0135-2744930, मो. 09412172282
		कूर्मि श्री काशीनाथ	महासचिव	एम-63 शिवालिक नगर, बी.एच.ई.एल. (भेल) रानीपुर हरिद्वार (उत्ताराखंड) फोन-0134-232824, मो. 09719176660
18.	**दिल्ली**	कूर्मि श्री मिथिलेश कुमार	अध्यक्ष	फलैट नं-6, पॉकिट ई-9, सेक्टर-15 रोहणी, (दिल्ली) -09 मो: 09212503272 E-Mail: ermithleshpatel@gmail.com
		कूर्मि श्री अजय कुमार सिंह	महासचिव	ए/757/ गली नं. 20 महावरी इन्क्लेव पार्ट 2 (दिल्ली) -110059 मो. 09312266534 E-Mail: jaysku@reiffmail.com
		कूर्मि श्री आनंद कुमार	अध्यक्ष	म.न. 33 ए जय विहार फेस 3,हारफुल विहार बापरॉयल,(नई दिल्ली) 110043 मो. 09958320556 E-Mail: ghianandrai@gmail.com
		कूर्मि श्री अनिल कुमार रॉय	महासचिव	म.न. ए 34 गली नं. 20 दास गार्डन, काली मंदिर के पास, बापरॉयल (नई दिल्ली) 110043 मो. 09999030941 E-Mail: anilk.rai1984@gmail.com
19.	**पंजाब**	कूर्मि डॉ. सुकवासीलाल सचान	अध्यक्ष	17, नीटर कैम्पस, सेक्टर-26, चंडीगढ़ (पंजाब) फोन-0172-2293248, 2759510
20.	**गुजरात**	कूर्मि श्री विजय भाई सी पटेल	अध्यक्ष	एल-10, सफारी कॉम्पलेक्स, नवजीवन हीरो होण्डा शोरूम के सामने, भेस्तान, सूरत (गुजरात) मो: 09377044599 E-Mail: bjp_vijaypatel@gmail.com
		कूर्मि श्री एम.ए. पटेल	अध्यक्ष	303 सम्भुत टॉवर, ग्राण्ड भगवती होटल के पिछे, जज बंग्ला रोड, बोदकदेव ,अहमदाबाद 370054 (गुजरात) मो. 09825020211 E-Mail:mapatelgujrat@gmail.com
		कूर्मि श्री भावजीभाई पी.लुणागरिया	महासचिव	1 धर्मराज हेरीटेज आर.पी. बसाड़ी स्कुल के पास श्याम बेंगलोज के सामने नवानरोड़ा, अहमदाबाद (गुजरात) मो. 09825051827
21.	**तमिलनाडु**	कूर्मि श्री एस. वर्मन	अध्यक्ष	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 09884110204 E-Mail: race-urlise@yahoo.com
		कूर्मि श्री शिवा एस.जयप्रकाश	महासचिव	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 09442219159 E-Mail: malllarsangam@gmail.com
22.	**सिक्किम**	कूर्मि श्री रूपेश कुमार	अध्यक्ष	होटल मयुर, पी.एस.रोड गंगटोक (सिक्किम) 737101 मो. 09434022637 E-Mail:rupeshpanchwati@rediffmail.com

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो

5 | विक्रम संवत् 2076 | शक संवत् 1941

मई - 2019

अपने बराबर या फिर अपने से समझदार व्यक्तियों के साथ सफर कीजिए। मूर्खों के साथ सफर करने से अच्छा है, अकेले सफर करना। -तथागत बुद्ध

वसंत / ता. 16 से ग्रीष्म ऋतु

कूर्म दिवस -बैशाख पूर्णिमा - 18 मई

गौतम बुद्ध (जन्म 563 ईसा पूर्व-मृत्यु 483 ईसा पूर्व) इतिहास के सबसे प्रभावशाली एवं महान व्यक्ति हैं तथा वे विश्व के प्राचीनतम धर्मों में से एक बौद्ध धर्म के प्रवर्तक एवं संस्थापक थे। उनका जन्म ईसा पुर्व 563 में लुबिंनी, नेपाल में तथा महापरिनिर्वाण कुशिनगर, भारत में हुआ था। वे शाक्य वंशी कूर्मि-क्षत्रिय कुल के राजा शुद्धोधन के घर में जन्म लिए। सिद्धार्थ विवाहोपरांत उनके एकमात्र नवजात शिशु राहुल और पत्नी यशोधरा को त्यागकर संसार को जरा, मरण और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग की तलाश में रात में राजपाठ छोड़कर जंगल चले गए। वर्षों की कठोर साधना के पश्चात् बोध गया (बिहार) में बोधी वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से गौतम बुद्ध बन गए। आज पूरे संसार में करीब 180 करोड़ लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं और विश्व की आबादी का 25% हिस्सा है। विश्व के 200 से अधिक देशों में बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। इनके जयंती को कूर्म दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

जन्मदिन की शुभकामनाएँ . . .

8 मई
कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

18 मई
कूर्मि एच.डी देवेगौड़ा
पूर्व प्रधानमंत्री

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 1, 2, 6, 7, 8, 12, 13, 14, 15, 16,17, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 28, 29, 30
गृह प्रवेश -2, 6, 16, 23, 29, 30

मूल
ता.2 दोप.1.03 से ता.4 सायं 3.48 तक
ता.11 दोप. 1.14 से ता.13 सुबह 10.28 तक
ता.20 रात्रि 2.08 से ता.22 रात्रि 3.32 तक
ता.29 रात्रि 9.19 से 1 जुन रात्रि 00.13 तक

पंचक
ता.28 सायं 3.46 से ता.3 दोप.2.41 तक
ता.25 रात्रि 11.44 से ता.30 रात्रि 11.04 तक

शासकीय अवकाश
18 बुद्ध जयंती

ऐच्छिक अवकाश
1 श्रमिक दिवस
सेन दिवस
7 अक्षय तृतीया
परशुराम जयंती
9 शंकराचार्य जयंती
31 जमात-उल-विदा

सोम MONDAY		वैशाख शुक्ल 2 **6** कृत्तिका चन्द्र दर्शन	वैशाख शुक्ल 9 **13** मघा सीता नवमी	ज्येष्ठ कृष्ण 2 **20** ज्येष्ठा नारद जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 8 **27** शतभिषा पं.जवाहर लाल नेहरू पुण्यतिथि
मंगल TUESDAY		वैशाख शुक्ल 3 **7** रोहिणी अक्षय तृतीया रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती परशुराम जयंती	वैशाख शुक्ल 10 **14** पू.फा.	ज्येष्ठ कृष्ण 3 **21** मूल राजीव गांधी पुण्यतिथि	ज्येष्ठ कृष्ण 9 **28** पू.भा. वीर सावरकर जयंती
बुध WEDNESDAY	वैशाख कृष्ण 12 **1** पू.भा. श्रमिक दिवस महाराष्ट्र, गुजरात दिवस सेन जयंती	वैशाख शुक्ल 4 **8** मृगशिरा विश्व रेडक्रास दिवस	वैशाख शुक्ल 11 **15** उ.फा./हस्त मोहिनी एकादशी	ज्येष्ठ कृष्ण 4 **22** पू.षा.	ज्येष्ठ कृष्ण 10 **29** उ.भा.
गुरु THURSDAY	वैशाख कृष्ण 13 **2** उ.भा. प्रदोष व्रत	वैशाख शुक्ल 5 **9** आर्द्रा शंकराचार्य जयंती	वैशाख शुक्ल 12/13 **16** चित्रा प्रदोष व्रत	ज्येष्ठ कृष्ण 5 **23** उ.षा.	ज्येष्ठ कृष्ण 11 **30** रेवती अपरा एकादशी व्रत
शुक्र FRIDAY	वैशाख कृष्ण 14 **3** रेवती प्रेस स्वतंत्रता दिवस विश्व अस्थमा दिवस	वैशाख शुक्ल 6 **10** पुनर्वसु	वैशाख शुक्ल 13/14 **17** स्वाती विश्व दूरसंचार दिवस नरसिंह जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 6 **24** उ.षा. महाराणा प्रताप जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 12 **31** अश्विनी प्रदोष व्रत जमात-उल-विदा धूम्रपान निषेध दिवस
शनि SATURDAY	वैशाख कृष्ण 15 **4** अश्विनी वैशाख अमावस्या	वैशाख शुक्ल 7 **11** पुष्य बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	वैशाख शुक्ल 15 **18** विशाखा बुद्ध/बैशाख पूर्णिमा बुद्ध जयंती (कूर्म दिवस)	ज्येष्ठ कृष्ण 6 **25** श्रवण बैंक अवकाश आल्हा जयंती	याददाश्त
रवि SUNDAY	वैशाख शुक्ल 1 **5** भरणी विश्व एथलेटिक्स दिवस	वैशाख शुक्ल 8 **12** अश्लेषा विश्व नर्सिंग दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 1 **19** अनुराधा	ज्येष्ठ कृष्ण 7 **26** धनिष्ठा	

मे. महामाया कंस्ट्रक्शन (ए-क्लास विद्युत ठेकेदार)
मे. महामाया गुड़ फैक्ट्री, ग्राम-नवलपुर

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

मई -2019

भारत वर्ष के विभिन्न हिस्सों में निवासरत कूर्मि स्वजातियों की संक्षिप्त जानकारियाँ

1. छत्तीसगढ़ राज्य

राज्य में कूर्मियों का निवास रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, संभाग के मैदानी भाग में मुख्यत: नदी किनारे सघन जनसंख्या के रूप में है। सरगुजा संभाग में संख्या कम है। छत्तीसगढ़ में कूर्मि उपजातियों में भेद नही है। सभी 24 प्रकार के कूर्मि उपजातियों में अंतर उपजातीय विवाह प्रचलित है। बाहर प्रान्तों के कूर्मि भी यहाँ निवासरत हैं। पुरूष और स्त्री जनसंख्या में लैंगिक अनुपात के मामले में छत्तीसगढ़ का देश में दूसरा स्थान है। छत्तीसगढ़ के प्राय: सभी प्रमुख नगरों में कूर्मि की अच्छी जनसंख्या है। छत्तीसगढ़ में कूर्मियों की 24 प्रमुख उपजाति निवासरत हैं। समाज की प्रदेश में निवासरत एवं प्रचलित उपनाम की क्षेत्रवार जानकारियाँ निम्नानुसार है :-

क्र.	उपजाति	निवास-तहसील/जिला	उपनाम (सरनेम)
1.	अथरिया	जांजगीर-चांपा, कोरबा, पामगढ़	कश्यप, कूर्मि, कौशिक
2.	एकबहियाँ	लोरमी, तखतपुर, रतनपुर, पामगढ़	कश्यप
3.	बघईयाँ	सीपत (बिलासपुर)	कौशिक, कश्यप, वर्मा
4.	बड़गैया	धरसींवा (रायपुर)	वर्मा
5.	बैस	धरसींवा (रायपुर), कुरुद (धमतरी) रतनपुर (बिलासपुर)	बैस, बैसवाड़े, कश्यप, कौशिक, वर्मा
	बैसवार	धरसींवा (रायपुर), कुरुद (धमतरी)	बैस, बैसरा, कश्यप, कौशिक, वर्मा
6.	चन्द्रनाहूँ 1	दुर्ग, कवर्धा, महासमुन्द, धमतरी, राजनांदगांव, रायपुर, बेमेतरा	चन्द्राकर, चन्द्रवंशी, कश्यप, कौशिक, भारद्वाज, चन्द्रनाहू
	चन्द्रनाहूँ	तखतपुर, लोरमी, मुंगेली, बलौदाबाजार	चन्द्राकर, कश्यप
	चन्द्रनाहूँ	मस्तुरी, पामगढ़	चन्द्राकर, कश्यप
7.	चन्द्रनाहूँ 2	जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, रायपुर	चन्द्रा, चन्द्राकर, लाल, वर्मा, चन्द्रेश
8.	चन्द्रनाहूँ 3	बिलासपुर, जांजीगर-चांपा, कोरबा, सरगुजा	चन्देल, कश्यप
9.	चन्द्रनियाँ	मुंगेली, लोरमी, पंडरिया	कश्यप, चन्द्राकर, कुलमित्र
10.	देसहा	मुंगेली, बिलासपुर, पंडरिया	कश्यप, कौशिक, वर्मा
11.	दिल्लीवार	दूर्ग बालोद, राजनांदगांव, राजिम	देशमुख, दिल्लीवार, बेलपटन, महरोल, सुकतेल, वर्मा, हरदेल, भारदीय, गौतम, हरमुख, अमृत, पिपरिया
12.	गहवई 1	बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा	गहवई, कौशिक, वर्मा
	गहवई 2	तखतपुर, रतनपुर, बिलासपुर	गहवई, कौशिक, वर्मा
13.	गबेल	जांजगीर-चांपा, रायगढ़	गबेल, गबेल, वर्मा
14.	कनौजिया	बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायपुर, बलौदाबाजार	कश्यप, कौशिक, वर्मा, सिनसार्वा, रावसागर
15.	मनवा	रायपुर, दुर्ग, भाटापारा, बिलासपुर, बेमेतरा, कवर्धा, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, कांकेर, जगदलपुर, धमतरी, मुंगेली	वर्मा, बघेल, कश्यप, नायक, चन्द्रवंशी, बघमार, परगनिहा, छिपरिया, टिकरिहा, मढ़रिया, धुरंधर, आडिल, सिरमौर, कपूर, बघेल, पैकरा, बिजौरा
16.	परगिया	बिलासपुर, रायपुर,	कश्यप, वर्मा
17.	पाटनवार	सीपत, मस्तुरी, बिल्हा, (बिलासपुर)	पाटनवार, वर्मा
18.	राजवाड़े	बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बलौदा	राजवाड़े
19.	सनाड्य	बिलासपुर	कौशिक, सन्नाट, सनाड्य
20.	सरेठी	बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा	कौशिक, वर्मा, कश्यप
21.	सिंगरौर	बेमेतरा, दुर्ग	वर्मा
22.	सिंगरौल	बिलासपुर, मुंगेली, दुर्ग, रायपुर, कवर्धा, कोरिया, तखतपुर, पथरिया	सिंगरौल, कश्यप, वर्मा, सिंगरौल
23.	सुरेठी	कवर्धा	वर्मा, कौशिक, शांडिल्य, हरदेल
24.	तिरेला	डोंगरगढ़, कवर्धा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव	कश्यप, भगत, देशमुख, वर्मा, डोंरे, कांकड़े, ठाकरे, पटेल
25.	अन्य	सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया, पेन्ड्रा, मरवाही, बिलासपुर, रायपुर जशपुर, सुरजपुर	कश्यप (कुनबी), पटेल, सिंह, सिंगौर, सचान, कौशिक,चन्द्राकर,चन्द्रौल,गहलोत,पटेल,पाटीदार

छ.ग. में निवासरत कूर्मि फिरका प्रमुखों की जानकारी

क्र.	कूर्मि उप समूह (फिरका)		प्रमुख का नाम	मोबाईल
1.	अथरिया कूर्मि	-	कूर्मि संतोष कश्यप	9977737545
2.	एकबईहाँ कूर्मि	-	कूर्मि बलभद्र प्रसाद कश्यप	9617848552
3.	बड़गैहा कूर्मि	-	कूर्मि संतोष कुमार वर्मा	9753672427
4.	बैस / बैसवार कूर्मि	-	कूर्मि पूरन सिंह बैस	9406301900
5.	बंधइया कूर्मि	-	कूर्मि गोरे लाल कौशिक	7803081325
6.	चन्द्रनाहू कूर्मि -1	-	कूर्मि अश्वनी चन्द्राकर	9329633330
	चन्द्रनाहू कूर्मि (तखतपुर क्षेत्र)	-	कूर्मि संतोष कश्यप	9009882640
	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्नाहू लोहरसी जांजगीर चांपा जिला)	-	कूर्मि लहुराज कश्यप	8889443050
7.	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्द्रा)-2	-	कूर्मि रामरतन चन्द्रा	9179213429
8.	चन्द्रनाहू कूर्मि (चन्देल)-3	-	कूर्मि मनोहर लाल चन्देल	9752106065
9.	चन्दनिया कूर्मि (कवर्धा क्षेत्र)	-	कूर्मि नंदलाल चन्द्राकर	9575842200
10.	देशहा कूर्मि	-	कूर्मि महेत्तर कश्यप	7697814749
11.	दिल्लीवार कूर्मि	-	कूर्मि राजेन्द्र हरमुख	9726136091
12.	गबेल कूर्मि	-	कूर्मि गिरधारी गबेल	9826136091
13.	गहवई कूर्मि	-	कूर्मि शांति लाल वर्मा	9754421251
14.	कन्नौजिया कूर्मि	-	कूर्मि भरत लाल कश्यप	9981761635
15.	मनवा कूर्मि	-	कूर्मि डॉ. रामकुमार सिरमौर	9926112623
16.	परगिया कूर्मि	-	कूर्मि गिरवर प्रसाद वर्मा	9977545752
17.	पाटनवार कूर्मि	-	कूर्मि जगदीश पाटनवार	9977017379
18.	राजवाड़े कूर्मि	-	कूर्मि भोजराम राजवाड़े	9425532631
19.	सनाड्य कूर्मि	-	कूर्मि कुशल कौशिक	9425223405
20.	सिंगरौल कूर्मि	-	कूर्मि पीताम्बर सिंगरौल	9644379378
21.	सिंगरौर कूर्मि	-	कूर्मि घांसीराम वर्मा	9425561831
22.	श्रेष्ठी कूर्मि (सरेठी)	-	कूर्मि जयलाल कौशिक	9755153849
23.	सुरेठी कूर्मि	-	कूर्मि बद्री प्रसाद वर्मा	9752616483
24.	तिरेला कूर्मि	-	कूर्मि गणेश राम देशमुख	9826143835

छत्तीसगढ़ में कार्यरत कूर्मि समाज के संगठनों की जानकारियां

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	: प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच	9826165881
कूर्मि विजय बघेल	: प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज	9425561150
कूर्मि विजय बघेल	: प्रमुख ट्रस्टी, स.पटेल भवन, नि.एवं वि.ट्रस्ट,रायपुर	9981521150
कूर्मि मोहन लाल चन्द्रा	: अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ी कूर्मि क्षत्रिय समाज, भिलाई	9300237097
कूर्मि सतीश वर्मा	: अध्यक्ष, युवा कूर्मि मित्र मण्डल, भिलाई नगर	8878070284
कूर्मि मनोज वर्मा	: अध्यक्ष,श्रीभोला कूर्मि छात्रालय एवं धर्मशाला ट्रस्ट रायपुर	8719855505
कूर्मि अनिरुद्ध चंद्रा	: अध्यक्ष, कूर्मि कल्याण सेवा समिति , कोरबा	9300842510
कूर्मि रविन्द्र पटेल	: अध्यक्ष, कूर्मि क्षत्रिय समाज, सरगुजा संभाग	9826148033
कूर्मि रमेश कौशिक	: अध्यक्ष, कूर्मि सेवा समिति, बिलासपुर	9525535947
कूर्मि संतोष कौशिक	: अध्यक्ष, सर्व कूर्मि-क्षत्रिय समाज, तखतपुर	9755797418

02. मध्यप्रदेश- सम्राट हर्षवर्धन चन्देलों, मुस्लिम शासकों के बाद 18 वीं शताब्दी के प्रारंभ में मराठों ने भी यहाँ शासन किया है। मराठाशक्ति की आधारशिला स्वयं शिवाजी एवं उनके अनेक प्रधान सेनापति कूर्मि थे।

उपजातियाँ- म.प्र. के कूर्मियों में कनवी, मराठा, गौर, कोडरा, ढालवार, झारी, कन्नौजिया, चन्दनहू, गौरिया, मनवा, सिंगरौल, तिरोला, चन्द्रआर्य, उरसेठे, जायसवार, हवेलिया, खैर, पाटीदार,गहोई,दशा,सम्राट आदि हैं।

उपाधियाँ- पाटीदार, गौर, चौधरी, सिंह, कनौजिया, पटेल, चौरिया, मुकाती, वर्मा, सिंधिया, पवार, भोसले, कूर्मि, चन्द्रौल, सिंगौर,मलैया, कटियार,आदि ।

03. महाराष्ट्र -मुस्लिम युग के 14 वीं शताब्दी में औरगंजेब के विरूध युद्ध करते हुए वीर शिवाजी ने मराठा राज्य की नींव डाली। लगभग सम्पूर्ण उत्तर भारत एवं पूर्व में उड़ीसा राज्य तथा अविभाजित बिहार राज्य तक मराठों का प्रभाव छा गया । बिहार के घमैला कूर्मि महाराष्ट्र से 1740 के आसपास आकर बिहार में बसे महाराष्ट्र के कूर्मि मराठा एवं कुनबी आदि नामों से विख्यात है। सुविख्यात योद्धा अपने को मराठा या कुनबी कहते थे जो कि वास्तव में एक ही जाति के हैं। इम्पेरियल गजेटियर के पृ.193-194 (1909) में यह उल्लेखित भी है।

मराठों के उपनाम- आंग्रे आंग्रणे, इंगले, कदम, काले, काकड़े, खंडागले, खैर, चालुक्य, गुजर, गायकवाड़, घाटगे, चव्हान, जगताप, जगदले, जाधव, ढमाले, ढवले, ठाकुर, भोवारे, भोगले, मधुरेमहाड़िक, महावर, मोरे, मोहिते, राणे, राऊत, बाघ, लाड, सिलारे, शंखपाल, शिन्दे, शिरके सावन्त, सुरवे, सिसोद, क्षीरसागर, थोटे, थोरात, दलवी, दाभोड़े, पवार, परिहार, पानसरे, पांढर, पिंगले, फाटक, बागवे, बान्डे, भागवत, भोंसले, निकम, देवकान्ते, अहिर राव, धर्मराज आदि ।

04. आंध्र प्रदेश - चन्द्रगुप्त के समय में भी दक्षिण में आंध्रों का अपना साम्राज्य था । ईसा से पहले तीसरी सदी में ये लोग बहुत बड़े भू-भाग पर राज करते थे। राड्डी,राटाडी, राटाकड्डी से निकला हुआ रेड्डी उन राष्ट्रकुट (राष्ट्र का मुखिया) के समतुल्य हैं जिन्होने सातवीं शताब्दी में चालुक्यों को पदच्युत किया और दो शताब्दी से भी अधिक काल तक डेकान पर एक सशक्त प्राय द्वितीय शक्तियों के रूप में शासन किया। रेड्डी लोग गर्व कर सकते हैं कि उन्हें शासक और प्रशासक के रूप में वंशागत विरासत प्राप्त है। वे आंध्र के दक्षिणी समुद्र तटीय जिलों, सम्पूर्ण रायल सीमा, सम्पूर्ण तेलंगाना, कर्नाटक के पूर्वी जिलों और तमिलनाडु के उत्तरी जिलों में फैले हुए हैं। राष्ट्रकूट शुद्ध कूर्मि क्षत्रिय थे। इनका संबंध अवध से रहा है। वे वैष्णव एवं शिव सम्प्रदाय के अनुयायी है ।

उपजाति - कापू,रेड्डी, कम्मा,कूर्मि, कपालू, नायडू ।

05. असम-चौधरी,महतो कूर्मि लिखते हैं। सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी ने असम के चाय बागानों से अच्छी चाय के उत्पादन के लिए उत्तर प्रदेश तथा बिहार से निपुण कूर्मि कृषकों को असम में ले जाकर बसाया। तब से वहाँ स्थायी रूप से बस गये। वहां की मूल उत्पत्ति का एक भी परिवार नहीं है। आज पूरे असम में कूर्मि क्षत्रियों की आबादी है। प्रदेश की एक सशक्त प्रान्तीय परिषद भी क्रियाशील है।

06. बिहार -**उपजाति**- धानुष्क, धमैला,कोचैसा, जायसवार,अवधिया, चन्दानी,समसवार, पटनवार, चंदेल, रमैया, सेठवार, ढेलकोर, घोड़चरे, सिन्दुरिया, अयोध्या, विग्राहुत। नितिश कुमार मुख्य मंत्री, कूर्मि स्वजातीय हैं। बिहार के कूर्मि मंडल, मड़र, महतो, पटेल, मंहत, राव, रावत, सरकार, सिंह, सिन्हा, प्रसाद, विश्वास, चौधरी, राय, वर्मा, मेहता भी लिखते हैं।

05. दिल्ली - दल्ली में रहने वाले ज्यादातर कूर्मि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, तथा अन्य प्रदेशों से आकर बसे हुए हैं। एक समय शाहदरा में कूर्मियों की आबादी काफी थी वहाँ से लोग हिमालय की तराई अचंल में पीलीभीत,बरेली,शाहजहाँपुर,आदि स्थानों में धीरे-धीरे जा बसे। यहाँ कूर्मि क्षत्रिय समाज नामक सामाजिक संस्था की स्थापना की गई। इसी संस्था के आयोजकत्व में 1978 में अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा का 32 वाँ अधिवेशन हुआ था।

दिल्ली के प्रमुख व्यक्तियों में रामनारायण राय,श्याम नारायण सिंह, बालकृष्ण, बाबूराम वर्मा, सतीशचंद्र गंगवार, विश्वेश्वर सिंह डां. दिलावर सिंह जयसवार , रामसिंगारसिंह, राघव सिंह के नाम उल्लेखनीय है।

07. गोवा - गोवा के कूर्मि उत्तर भारत से पलायन कर वहाँ बसे हैं। वे दैत्यराज बलि राजा को अपना पूर्वज मानते हैं। बलिराजा के जन्म दिन को दिवाली के रूप में मनाते हैं। गोवा के कुनबी (कूर्मि) अपने कुल पुरूष बलि राजा के प्रतीक स्वरूप अपने घर के सामने स्तंभ गाड़कर सूर्यास्त के पश्चात उसके सामने प्रकाश करते हैं और दुष्ट आत्माओं से रक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं। कुनबी (कूर्मि) जाति का नाम पहले कूर्मि कुरू था । धीरे-धीरे कूर्मि कुरूम्बी हो गया।

क्रमशः - जून पर

मदन महिन्द्रा
डॉ. निर्मल नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9826165881

कूर्मि छत्रपति शाहू जी महाराज
जन्म : 26 जून 1874, निर्वाण : 6 मई 1922

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. रायपुर

6	विक्रम संवत् 2076 शक संवत् 1941	**जून - 2019**	मकान बदलने से जिन्दगी नहीं बदलती । स्वभाव बदल लीजिए; जिन्दगी बदल जावेगी ।।	ग्रीष्म ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि डाले गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सकें। ❖ नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपणी बना लेवें। ❖ मेड़ों पर उगे हुए पौधों को नष्ट कर दें, जिससे कीड़े तथा रोग पैदा करने वाले सूक्ष्म जीव तथा खरपतवार बीज सहित नष्ट हो जाते हैं। ❖ सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करें। ❖ बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें। ❖ सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें। ❖ दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंद दनाशक दवा एवं राईजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें। ❖ धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डालकर, ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंदनाशक साफसुपर/कार्बेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें। ❖ टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करें। ❖ धान के नींदा नियंत्रण हेतु बोता धान में अंकुरण पूर्व आक्जाडार्जिल / पाइराजोसल्फुरान इथाइल / ब्यूटाक्लोर / पेन्डीमेथिलिन का प्रयोग करें। ❖ भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुर्रा बोनी करें। ❖ भिंडी एवं बरबट्टी की बुवाई जून के अंतिम सप्ताह में करें। ❖ कोचई के पत्ते पीले पड़ने पर कोचई की खुदाई कर भण्डारण करें। ❖ नर्सरी में खरीफ प्याज की बुवाई करें।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 8,9,10,12,13,14,15,16,17,18 19,20, 24, 25,26
गृह प्रवेश -12,13,15,19,20

मूल

ता.29 सायं 9.19 से 1 जून रात्रि 00.13 तक
ता.7 सायं 6.57 से ता.9 सायं 3.50 तक
ता.16 सु.10.08 से 18 सु. 11.51 तक
ता.26 सु.5.38 से 28 सु.9.12 तक

पंचक

ता.22 सु. 7.40 से ता.27 सु.7.44 तक

शासकीय अवकाश

5 ईद उल फितर
17 कबीर जयंती

ऐच्छिक अवकाश

6 छत्रसाल जयंती महाराणा प्रताप जयंती
11 महेश नवमी
24 वीरंगना दुर्गावती बलिदान दिवस

याददाश्त

दिन					
सोम MONDAY		ज्येष्ठ कृष्ण 15 **3** दर्श अमावस्या, वट सावित्रि व्रत, शनि जयंती रोहिणी	ज्येष्ठ शुक्ल 8 **10** पू.फा.	ज्येष्ठ शुक्ल 15 **17** ज्येष्ठ पूर्णिमा, कबीर जयंती ज्येष्ठा	आषाढ़ कृष्ण 7 **24** वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस पू.भा.
मंगल TUESDAY		ज्येष्ठ शुक्ल 1 **4** चन्द्र दर्शन मृगशिरा	ज्येष्ठ शुक्ल 9 **11** महेश नवमी उ.फा.	आषाढ़ कृष्ण 1 **18** महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस मूल	आषाढ़ कृष्ण 8 **25** उ.भा.
बुध WEDNESDAY		ज्येष्ठ शुक्ल 2 **5** विश्व पर्यावरण दिवस, ईद-उल-फितर आर्द्रा	ज्येष्ठ शुक्ल 10 **12** गंगा दशहरा हस्त	आषाढ़ कृष्ण 2 **19** पू.षा.	आषाढ़ कृष्ण 9 **26** अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेधक दिवस, छत्रपति शाहू जी महाराज जयंती उ.भा.
गुरु THURSDAY		ज्येष्ठ शुक्ल 3 **6** छत्रसाल जयंती, महाराणा प्रताप जयंती पुनर्वसु	ज्येष्ठ शुक्ल 11 **13** भीमसेनी निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती चित्रा	आषाढ़ कृष्ण 3 **20** संकष्टी चतुर्थी उ. षा.	आषाढ़ कृष्ण 9 **27** मधुमेह जागृति दिवस रेवती प्रा.
शुक्र FRIDAY		ज्येष्ठ शुक्ल 4/5 **7** पुष्य	ज्येष्ठ शुक्ल 12 **14** प्रदोष व्रत, विश्व रक्त दान दिवस स्वाती	आषाढ़ कृष्ण 4 **21** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व संगीत दिवस श्रवण	आषाढ़ कृष्ण 10 **28** अश्विनी
शनि SATURDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 13 **1** बाल सुरक्षा दिवस भद्रा	ज्येष्ठ शुक्ल 5/6 **8** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश अश्लेषा	ज्येष्ठ शुक्ल 13 **15** कार्यालयीन अवकाश, मिथुन संक्रांति, बूढ़ा महादेव पूजन विशाखा	आषाढ़ कृष्ण 5 **22** बैंक अवकाश धनिष्ठा	आषाढ़ कृष्ण 11 **29** योगिनी एकादशी भरणी
रवि SUNDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 14 **2** कृत्तिका	ज्येष्ठ शुक्ल 7 **9** बिरसामुंडा शहीद दिवस मघा	ज्येष्ठ शुक्ल 14 **16** अनुराधा	आषाढ़ कृष्ण 6 **23** विश्व ओलंपिक दिवस शतभिषा	आषाढ़ कृष्ण 12/13 **30** प्रदोष व्रत कृत्तिका

कूर्मि टेसूलाल धुरंधर
(एम.ए.,एम.फिल)
मो. : 9425520852, 8770481362
|| संघे शक्तिः कलीयुगे ||
निवास : धुरंधर निवास, बस स्टैण्ड के पीछे, वार्ड नं. 04, बलौदाबाजार (छ.ग.)

गंगा अवतरण की पावन बेला में प्रथम वर्षगांठ की मंगल कामनाएं
कूर्मि प्रतिभा (पीतृमाँ) कश्यप
शुभेच्छु : माँ - हेमप्रभा-दुर्गाप्रसाद कश्यप (अधिवक्ता)
बुआ - जगेश्वरी-लालमणी कश्यप (रतनपुर)
बुआ - राजेश्वरी-ज्वाला प्रसाद कश्यप (कटघोरा)
मौसी - साधना-आलोक चन्द्राकर (भिलाई)
निवासी : ग्राम-नेवसा (बेलतरा) बिलासपुर, मो. : 9893167619

ARIHAAN DENTAL CARE
Comprehensive Oral Health

Dr. Kurmi Shantanu Patanwar
BDS (Govt Dental College)
Savita Devi Complex, Beside SBI, VIP Estate Khamhardih, Raipur (C.G.)
Ph. 07714011454, Mob. 8085918172 e-mail : shan4u26@gmail.com

कूर्मि डॉ. मनोज कुमार चन्द्रा
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
रजि. नं. CGMC 753 / 2007

कूर्मि डॉ. रीतिका चन्द्रा
एम.बी.बी.एस.

बेबी रीद्धिमा चन्द्रा

अंकुर बच्चों का अस्पताल
मिश्रा कॉम्पलेक्स, सरला विला के बगल में चक्रधर नगर चौक, रायगढ़ (छ.ग.) मो. 7489041135

समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिवादन . . .

कूर्मि डॉ. प्रदीप सिंगरौल
केन्द्रीय उपाध्यक्ष
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
रिटा. एडि. सी.एम.ओ.
आराध्या क्लीनिक,पंडरीभाठा
बाजार चौक,रायपुर (छ.ग.)
मो. 9755995933

कूर्मि राजीव सिंगरौल
कोषाध्यक्ष,युवा प्रकोष्ठ
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
आर.एल.आई. (गोल्ड)
शास. कान्ट्रेक्टर,रायपुर (छ.ग.)
मो. 9826900500

कूर्मि रश्मि सिंगरौल
कोषाध्यक्ष,महिला प्रकोष्ठ
सिंगरौल कूर्मि-क्षत्रिय समाज छ.ग.
आर.एल.आई. (डायमंड)
आर.एल.आई. मार्केटिंग क्लियर्स आफ इंडिया ईस्ट्रीब्यूशन
(एक मात्र राज्य स्तरीय चेयर हुल्डर)
मो. 9977376333

निवास : जी-4 सांई विला कालोनी,भाठागांव,रिंग रोड-1,रायपुर (छ.ग.)

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

जून -2019

भारत वर्ष के विभिन्न हिस्सों में निवासरत कूर्मि स्वजातियों की संक्षिप्त जानकारियाँ

क्रमशः मई के आगे ...

अधिकांश गोवा के कूर्मि शिव परिवार के एक देवता मल्लिकार्जुन को अपना देवता मानते हैं। गोवा के कूर्मियों को शैव मंदिरों में पुरोहित के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है।

गोवा के उपजाति- गौड़, वेलिप,गांवकर,गावड़े, कुनबी, कूर्मि।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व - स्व. जीवा बी.गांवकर, विधानसभा सदस्य, गोवा दमन दीव, श्री प्रताप सिंह वेलिप काणकर

द कूर्मिस- कुनबीस ऑफ इण्डिया के लेखक। गोवा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के अधिकारी रहे ।

08. गुजरात - द गजेटियर ऑफ इण्डिया भाग 2 में वर्णन है कि पाटीदार कूर्मि बंधु उत्तर प्रदेश के अयोध्या से आकर गुजराज में बस गये। बाम्बे गजेटियर भाग- 9 में वर्णित तथ्यों के अनुसार कुनबियों (पाटीदारों) के चार भेद हैं- अंजना,कड़वा,लेवा और मतिया । लव और कुश के वंशज अपने को मानते है। लव से लेवा और कुश से कड़वा। पंजाब के भिन्न-भिन्न हिस्सों से निकलकर गुजरात के उंझाग्राम इलाके में भी पाटीदार कूर्मियों की बसाहट बनी। गुजरात एवं देश के हर तरफ के उद्योग व व्यवसाय में पटेल पाटीदार समाज का प्रतिनिधित्व है। पटेल के कुल आबादी में 80 प्रतिशत लेवा और 20 प्रतिशत कड़वा पटेल हैं। सौराष्ट्र क्षेत्र में खासा प्रभाव रखते हैं।

पाटीदार- कूर्मियों की उपाधियाँ- पाटीदार, पटेल,अमीन,चौधरी,देशाई,आदि ।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व - विठ्ठल भाई पटेल,सरदार वल्लभ भाई पटेल,झवेर भाई पटेल, मणिबेन पटेल, दयाभाई पटेल,चिमन भाई पटेल, बाबू भाई पटेल,प्रो. आर.के. अमीन, मोती भाई अमीन, क्रिकेट खिलाड़ी जशुभाई पटेल, प्रसिद्ध उद्योगपति अरविन्द एन.मफतलाल, केशु भाई पटेल आदि हैं।

09. हरियाणा- ऐसी मान्यता है कि पानीपत (हरियाणा) के युद्ध के बाद से जान बचाकर भाग रहे मराठों ने अपने आपको निकटवर्ती जंगलों में छिपाये रखा। कालान्तर स्थानीय टुकड़ियों ने मिलकर हरियाणा के करनाल क्षेत्र में आश्रय लिया और वहाँ के कृषकों की हैसियत से आबाद हो गये । यहाँ के मराठा रोड मराठा के नाम से संबोधित होने लगे । वे महाराष्ट्र की भाषा- बोली बिल्कुल भूल चुके हैं। मराठों के उपनाम- आर्य, चौहान, मेहता,महेला,गोरे,चोपड़े वर्मा, झोमवाड़े आदि ।

10. झारखण्ड - डॉ. गुर्रे के मतानुसार झारखण्ड में बसने वाले कूर्मि जाति के पूर्वज मध्य भारत के छत्तीसगढ़ इलाके से 2-3 हजार वर्ष पहले झारखण्ड में आकर बसे होंगे। यहाँ के कूर्मि महतो के नाम से जाने जाते हैं। सन् 1931 यहां के कूर्मि आदिवासी की सूची में थे। अब ये पिछड़े वर्ग की सूची 1 में आते हैं। पूजा अनुष्ठान, विवाह,संस्कार,आदि अपने हाथों सम्पन्न करते हैं। सामाजिक परम्परा अनुसार ब्राम्हणों का छुआ नहीं खाते हैं। अनेक शिवालयों में अभी भी कूर्मि लोग ही पुरोहित का कार्य करते हैं। समाज में विधवा विवाह का प्रचलन है, जिसे सांधा कहा जाता है। विवाह पूर्व वर को आम वृक्ष तथा वधू को महुआ वृक्ष से विवाह करने की अनिवार्यता है।

उपनाम- महतों, ओहदार, प्रमाणिक, चौधरी आदि।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व - आजादी के योद्धा - गोकुल महतो, सहदेव महतो,गणेश महतो,मोहन महतो, शीतल महतो, चुनाराम महतो, गोविन्द महतो, गणपति महतो, भागवत महतो, शिवदयाल महतो ,कंचन महतो ,उदित नारायण महतो, रघुनाथ महतो, बुली महतो, नकुल महतो,फकीर महतो।

झारखण्ड पृथक राज्य के लिये जीवन न्यौछावर करने करने वाले- कैलाश महतो, विश्वनाथ महतो ,शनिचर महतो, साधु महतो, सैनाथ महतो, निर्मल महतो, शक्तिनाथ महतो, बृहस्पति महतो, राहणी महतो, आनंद महतो, फुलेश्वर महतो, लखन महतो, सोनाराम महतो आदि।

11. कर्नाटक - वक्कालिगर कूर्मियों की अधिकता के साथ कापू, कम्मा, रेड्डी, मराठा,कुनबी, आदि नामों से यहाँ के कूर्मि जाने जाते हैं। पुराने मैसूर राज्य में वक्कालिगर कूर्मि की संख्या एवं जागरूकता के कारण राजनीति में इनका वर्चस्व था। इनके प्रधान 'गौड़ा ' कहे जाते हैं। वर्तमान में एच.डी.कुमार स्वामी कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं ।

उपजाति- गंगडिकर, गोवे, उप्पिनकोलिंग, स्वल्प, हेमा रेड्डी, अजमार, मालव, मनिग, नामधारी, पंदरू, बोग्गारू, मालेगौड़ा, मसुकुवक्कालिगा, तांडागौड़ा, मेगदा, रोडागारू, हल्लीकार, रेड्डी, कम्मेवार, गोसंगी, राव, नायडु, चौधरी, रमैया, याधव, शिंदे, पवार, सावन्त, घाटगे, चवण, आदि, रखते हैं। राव, उपाधि वाले सभी व्यक्ति कूर्मि नही होते हैं।

कर्नाटक के वक्कालिगर कूर्मि कन्नड़ भाषी हैं। महाराष्ट्र से जुड़े हुए भाग के लोग मराठी बोलते हैं। पूर्वी भाग जो कि आंध्रप्रदेश से सटे हैं। वहाँ के रेड्डी कम्मा लोग तेलगु बोलते हैं। पश्चिमी भाग वाले लोग जो कनारा सरहद से सटे हैं के मराठा एवं कुनबी लोग कुलवदी बोली बोलते हैं।

12. केरल - तत्कालीन ट्रावनकोर रियासत के कूर्मि यहाँ वेल्लाल के नाम से प्रसिद्ध हैं जो मद्रास के तिन्नेवैली एवं तन्जोर के क्षेत्र से आकर यहाँ बसे हैं। वेल्लाल जाति के 4 विभाग हैं- (1) टोनड मंडलम् - इर्स वर्ग के लोग उत्तरी बकटि क्षेत्र जिसे प्राचीन काल में पल्लव प्रदेश कहते थे,में रहते हैं। ये लोग मुदाली,रेड्डी,और नय्यर उपनाम लिखते हैं। (2) सोलिया, सोफिया -ये लोग चोल प्रदेश जिसमें अब तन्जोर तथा त्रिचनापल्ली के जिले शामिल है में निवास करते हैं। ये पिल्लई कहे जाते हैं (3) एक उपवर्ग प्राचीनकाल के पांडयन साम्राज्य नाम से प्रसिद्ध क्षेत्र में निवास करता है जिसमें अब पूरा मदुरा तथा तिन्नेवेल्ली जिले शामिल हैं। ये भी पिल्लई उपनाम लगाते हैं। (4) कोंग- ये लोग पुराने समय के कोंग प्रदेश जिसमें अब कोयम्बटूर और सालेम जिले सम्मिलित हैं ,मे रहते हैं। ये लोग कवंडव कहलाते हैं। कुदुम्बी कूर्मि गोवा से कोची ,केरल में पलायन कर आये। करीब 200 गांवों में समुद्र किनारे बसे हैं। कुदुम्बी समाज का मुख्य पेशा कृषि,मजदूरी,छप्पर छाना तथा मछली मारना है। कुदुम्बी अपने को जनजाति घोषित करने तथा कोकणी भाषा को केरल की द्वितीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के लिए संघर्षरत् है। केरल के कुदुम्बी सन् 1950 तक जनजाति श्रेणी में थे।

13 पश्चिम बंगाल- पश्चिम बंगाल के पुरूलिया ,बांकुड़ा,मिदनापुर,बर्दवान,आदि जिलों में रहने वाले कूर्मियों में उपजातियाँ नही है। ये साधारणतया महतो (कूर्मि) के नाम से ही जाने जाते हैं। पौना, मुर्सिदाबाद, मालदा, रंगपुर, दिनाजपुर, हुगली, त्रिपुरा, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, बीरभूम, जिलों में जायसवार एवं धानुक उपजातियों के कूर्मि निवास करते हैं। यहाँ के कूर्मियों के प्रमुख गोत्र कटियार, कोरेबार,हस्तवार,नागनटवर, केसरिया, शंखवार, कश्यप, डुमरिया, तीरवार, गुलियार, चिलवार, मतवार, इन्दुरिया, हेमरम्या आदि हैं।

14. राजस्थान - कूर्मि समाज की दो मुख्य उपजातियाँ आंजना व पाटीदार मूलरूप से निवास करती हैं। आंजना उपजाति राज्य के जोधपुर, बाड़मेर, पाली सिरोही,जालोर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ जिलों में तथा पाटीदार उपजाति कोटा,टोक, झालावाड़, डूगरपुर,बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ प्रतापपुर तथा सवाई माधोपुर जिलों में निवास करती है। इनकी सरकारी नौकरी में वांछित स्थान प्राप्त नहीं होने के कारण खेती,पशुपालन,के साथ-साथ व्यापार को मुख्य धंधे के रूप के अपनाया गया।

यहां के कूर्मि -सामा, संवयार, सिंह, वर्मा, कटियार,गंगवार, कूर्मि, पटेल,पाटीदार,उपाधियों का उपयोग करते हैं। **प्रतिष्ठित व्यक्ति**- कृष्ण कुमार पाटीदार, विष्णु प्रसाद पाटीदार,अन्नदाराम पटेल,अमरा राम चौधरी,सांवल राम चौधरी आदि।

15. तमिलनाडु- इस प्रदेश में कृषक वर्ग को कापू नाम से संबोधित किया जाता हैं। रेड्डी, कम्मा, नायडु,प्रधान,कृषक वर्ग हैं। इनसाइक्लोपिडिया ब्रिटानिका खण्ड- 13, पृ.517,1975 संस्करण के अनुसार कापू प्रमुखतः पश्चिमी भारत में पायी जाने वाली बड़ी कृषि जाति है। यह मद्रास के तेलगु के कापू ग्राम बेलगाम के कुनबी, दकल के कुलंबी, दक्षिण कोंकण के कुलंदी, गुजरात के कुनबी तथा भड़ौच के पाटीदारों के समरूप से मिलते जुलते हैं। उच्च वर्गीय मराठे तथा खेतिहर कुनबी स्वाजातीय हैं और एक कुल के हैं। कापूओं का वर्तमान भौगोलिक विस्तार तमिलनाडु तथा मैसूर राज्य तक है (जहाँ रेड्डियार के नाम से परिचित हैं)। वे आंध्रप्रदेश के सामाजिक, राजनैतिक धरातल पर अपना वर्चस्व रखते हैं। तमिलनाडू के रापपत्र में पल्लर जाति की उजातियों के रूप में 13 भागों का उल्लेख है। राजपत्र में कुडुंबर,कालाडि,कुटुम्बर आदि नाम के दो विभाग का भी उल्लेख है।

16. उड़ीसा - पहली बार उत्तर से कूर्मिवंश के राजा इन्दध्यम अपनी बिरादरी के साथ औड्रराष्ट्र में प्रवेश करके जगन्नाथ धर्म संस्कृति की स्थापना किये। प्राचीन काल से जगन्नाथ की सुरक्षा में कूर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उड़ीसा के किसान समुदाय कूर्मि क्षेत्रीय, खंडायत क्षेत्रीय, अघरिया,कोलथा,बाणायत, कालंजी, दलपति, खंडायत महानायक, प्रधान समाज कापू और अलीय खंडायत आदि नाम से परिचित हैं। कूर्मि क्षत्रिय समाज सेवा हेतु उड़ीसा में कई संस्था पंजीकृत हैं। जिनमें उड़ीसा कुड़ुमी समाज,शिवाजी सांस्कृतिक संघ, शिवाजी क्लब, पटेल क्लब,निखिल उत्कल कूर्मि क्षत्रिय संस्था आदि शामिल हैं। उत्तर उड़ीसा के महंत कूर्मि उपाधि लिखने वाले कूर्मियों ने वैदिक भाषा कूर्माली को कथित भाषा के रूप में व्यवहार करते हैं। झारखण्ड के राबी विश्व विद्यालय में कूर्माली भाषा के लिये एक स्वतंत्र विभाग खोला गया है। उत्तर उड़ीसा में कूर्माली की संख्या में सिर्फमहंत है। दक्षिण उड़ीसा के कूर्मियों में कई उपाधि है जैसे- नायक, प्रधान, चौधरी, मंडल, सामंतराय, पात्र, मल्लिक, सिंह, महारथा, राऊत,साहू, मांझी, संग्रामसिंह अदि। इसके साथ खंडायतों की भी बहुत ज्यादा उपाधि है-अभिदमन, इन्द्रसिंह, उत्तरराय, कुंवर, गुडराय, गजेन्द्र, गढ़ई, खूटिंया, चौधरी, जेना, जगदेव, बिसाल, बाघ, बारिक, बिसोई, भुजबल, महापात्र, सामंत आदि।

प्रतिष्ठित व्यक्तित्व - विक्रम केशरी आरूख मंत्री,श्रीमती रेणुबाला प्रधान,राज्य सभा सदस्य, नित्यानंद प्रधान-लोकसभा सदस्य, श्रीकांत जेना,संजय भोई, दामोदर राऊत, कनक वर्धन सिंह, राजेन्द्र प्रताप स्वाई,आदि।

17. उत्तर प्रदेश -उत्तर प्रदेश के प्रायः सभी जिले में कूर्मि जन भिन्न- भिन्न उपनामों के साथ निवास करते हैं। यह प्रदेश कूर्मियों का गढ़ माना जाता है। यहीं से भगवान राम के शासन काल में कूर्मि मद्रास में जाकर बसे और रेड्डी (कापू) के नाम से विख्यात हैं। भगवान बुद्ध के समय में आन्ध्रप्रदेश में जा बसे लोग कम्मा-कूर्मि के रूप में जाने जाते हैं। यहाँ से ही बिहार, मध्यप्रदेश, उड़िसा, गुजरात, महाराष्ट्र, हैदराबाद, छत्तीसगढ़ में भी आबाद हो गये। अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा का सूत्रपात सन् 1894 में लखनऊ से हुआ। यहीं के कूर्मियों ने सन् 1857 की राज्य क्रांति में अंग्रजो से लोहा लिया था और अपना राज-पाट खोया था।

जातियाँ -उपजातियाँ- फर्रूखाबाद,बरेली,पीलीभीत,क्षेत्रमें गहरवार,कटियार लोहत, गंगवार, कनौजिया, जादौन, जादुआ। कानपुर क्षेत्र में कटवार,सनवान,उत्तराहा,उत्तम। फतेहपुर क्षेत्र में अंधर, करजवा, उमराव, सिंगरौल, सहजन, उत्तम। हमीरपुर, झांसी, ललितपुर, जालौन, क्षेत्र में सिम्मल, उसरेठी, महेसरी। इलाहाबाद क्षेत्र में चन्देल, चन्दावर, चन्द्रावल, झमैया, जड़िया, सकरवार, सिंगरौर, सिंगरौल,कर्जवा। बनारस क्षेत्र में- उत्तराहा। मिर्जापुर में झूरा। बलिया में ढेलपुरा। गोरखपुर में अवधिया, बठमा, चन्दाउर,अकरेथिया,तरमाला,नेपाली। रायबरेली में भूर सीतापुर में बाच्छल, गंगवार, कटवार। खीरी में मेवाड़, सखवार। गोंडा में सम्मन, समसोया। बस्ती में समसेयाल। बहराइच में खबास। सुल्तानपुर में बिरतिया। बाराबंकी में चन्द्रधार, कैराती, रावत। आजमगढ़ में ढेलफोरा,धिन्धवार, उत्तराहा।

18. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहः कूर्मि, पटेल, कश्यप इत्यादि।

19. हिमाचल प्रदेशः पटेल, कुरमी, कूर्मि इत्यादि।

21. उत्तराखण्ड : बैसवार, बरदिया, भारती, गंगवार, जयसवार, कनौजिया, खरविन्द, पतरिहा, सैथवार, सिंगरौर, सिंगरौल, चनऊ, पाटनवार, अथरिहा, अवधिया, सैचवार, चन्द्रौल, चंदेल, चंदौर, पातालिया, सचान, उत्तम, महतो, निरंजन, कटियार, यदुवंशी, राठौर, रावत, वंशवार, मनवा, सिंह, वर्मा, पटेल, चौधरी, आर्य आदि।

22. तेलंगाना : रेड्डी, राव, नायडु, बोंगले, रामाराव, रंगैया, मूर्ति, वर्मा, भूपाल, चौधरी, सिंह, पटेल, सेट्ठी, नायडु, कापू, देसुरी, कापलू, पंकति, वेलम्मा, पंत कालपू, पिल्ले, कुति, तरपूकापू, तेलगा, मुनरू कापू इत्यादि।

■■■

कूर्मि डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म : 19 जुलाई 1900, निर्वाण : 22 फरवरी 1969

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो

7 | विक्रम संवत् 2076 / शक संवत् 1941

जुलाई - 2019

यदि परिवार की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति करना हमारा कर्तव्य है तो समाज से अंधविश्वास व पाखण्ड को मिटाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।
- डॉ. खूबचंद बघेल

ग्रीष्म / ता.18 से वर्षा ऋतु

इस माह के दौरान प्रमुख कृषि कार्य

❖ नए फलदार वृक्षों को लगाने का कार्य आरंभ करें। ❖ केले के पौधे की रोपाई का कार्य आरंभ करें। ❖ सब्जियों के तैयार पौधों का रोपण करें। ❖ सेवंती के नए सकर्स से कटिंग कर पौध तैयार करें, गेंदा के पौध तैयार करें। ❖ धान की रोपाई कतार में करें, इससे कृषि कार्य में सहायता होती है तथा पौध संख्या पर्याप्त रहती है। ❖ रोपा धान में नींदानाशक अंकुरण पूर्व पाइरेजोसल्फ्यूरॉन / ऑक्जिडायर्जिल / एनीलोफॉस / ब्यूटाक्लोर / पेन्डीमेथेलिन का छिड़काव करें। ❖ खरपतवार नाशी दवा का छिड़काव फ्लैटफैन नोजल द्वारा करें। ❖ सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व एलाक्लोर / पेनडीमेथिलिन / मैट्रीबुजिन का छिड़काव अनुशंसित मात्रा में करें। ❖ पशु पालक, नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दें। ❖ उकठा ग्रसित क्षेत्रों में अरहर के साथ ज्वार की मिलवाँ खेती करने से अरहर में उकठा (विल्ट) रोग कम लगता है। ❖ नर्सरी तैयार होने के उपरांत टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की रोपाई करें। ❖ अदरक, हल्दी, भिण्डी एवं बरबट्टी की निदाई-गुड़ाई एवं पानी न गिरने पर सिंचाई की समुचित व्यवस्था करें।

बधाई जन्मदिन की

15 जुलाई
ई. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
कोर कमेटी सदस्य
एवं संस्थापक सदस्य
छ.ग. कू.-क्ष.चेतना मंच

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 5,6,7, 8, 9, 10, 11,
गृह प्रवेश - 8, 11

मूल
ता. 5 रात्रि 2.31 से ता. 6 रात्रि 10.11 तक
ता. 13 सायं 4.28 से ता. 15 सायं 6.53 तक
ता. 23 दोप. 1.15 से ता. 25 सायं 5.40 तक

पंचक
ता.19 दोप.2.59 से ता.24 सायं 3.43 तक

सोम MONDAY	आषाढ़ कृष्ण 14 **1** रोहिणी (डाक्टर्स एवं सी.ए. दिवस)	आषाढ़ शुक्ल 6 **8** उ.फा.	आषाढ़ शुक्ल 14 **15** मूल	श्रावण कृष्ण 5 **22** पू.भा.	श्रावण कृष्ण 12 **29** मृगशिरा (प्रदोष व्रत)
मंगल TUESDAY	आषाढ़ कृष्ण 15 **2** मृगशिरा (दर्श अमावस्या; स्व. सोने लाल पटेल जयंती; श्री रघुवर चन्द्राकर जयंती)	आषाढ़ शुक्ल 7 **9** हस्त	आषाढ़ शुक्ल 15 **16** पू.षा. (गुरु पूर्णिमा)	श्रावण कृष्ण 6 **23** उ.भा. (बालगंगाधर तिलक जयंती; चन्द्रशेखर आजाद जयंती)	श्रावण कृष्ण 13 **30** आर्द्रा
बुध WEDNESDAY	आषाढ़ शुक्ल 1 **3** आर्द्रा	आषाढ़ शुक्ल 8/9 **10** चित्रा	श्रावण कृष्ण 1 **17** उ.षा.	श्रावण कृष्ण 7 **24** रेवती	श्रावण कृष्ण 14 **31** पुनर्वसु (दर्श अमावस्या; मुंशी प्रेमचंद जयंती)
गुरु THURSDAY	आषाढ़ शुक्ल 2 **4** पुष्य (रथयात्रा)	आषाढ़ शुक्ल 10 **11** स्वाती (विश्व जनसंख्या दिवस)	श्रावण कृष्ण 2 **18** श्रवण	श्रावण कृष्ण 8 **25** अश्विनी	
शुक्र FRIDAY	आषाढ़ शुक्ल 3 **5** अश्लेषा	आषाढ़ शुक्ल 11 **12** विशाखा (देवशयनी एकादशी)	श्रावण कृष्ण 2 **19** धनिष्ठा (डॉ. खूबचंद बघेल जयंती)	श्रावण कृष्ण 9 **26** भरणी	
शनि SATURDAY	आषाढ़ शुक्ल 4 **6** मघा (श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती)	आषाढ़ शुक्ल 12 **13** अनुराधा (बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश)	श्रावण कृष्ण 3 **20** शतभिषा समस्त (कार्यालयीन अवकाश)	श्रावण कृष्ण 10 **27** कृतिका (बैंक अवकाश)	
रवि SUNDAY	आषाढ़ शुक्ल 5 **7** पू.फा.	आषाढ़ शुक्ल 13 **14** ज्येष्ठा (प्रदोष व्रत)	श्रावण कृष्ण 4 **21** शतभिषा प्रा.	श्रावण कृष्ण 11 **28** रोहिणी (कामिका एकादशी)	

ऐच्छिक अवकाश
04 रथयात्रा
19 डॉ. खूबचंद बघेल जयंती

याददाश्त

सी.ए. कूर्मि महेन्द्र कश्यप
कोषाध्यक्ष-छ.ग.म.कू.क्ष.समाज

कूर्मि श्रीमती वन्दना कश्यप

कूर्मि भूमिका कश्यप
B.A.L.L.B. (Dehradoon)

पता -
फेस-2, कंचनगंगा,
रोहणीपुरम, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-4070487,
मो.: 94252-10112
E-mail :
mahendra_kashyap@yahoo.co.in

कूर्मि अनुष्का कश्यप
12" (Dehradoon)

मैट्स विश्वविद्यालय
मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा संस्थान

उपलब्ध पाठ्यक्रम
DCA, PGDCA, BCA, B.A,
BSC, B.COM, BBA, MCA, MSC, M.COM,
MA- (EDUCATION, HINDI & ENGLISH),
MBA, AND MORE
OTHER COURSES AVAILABLE ..

कूर्मि सुनील कौशिक
सचिव- सर्व कूर्मि समाज, तखतपुर
मो. : 7000641383

कूर्मि संतोष कश्यप
अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ कूर्मि समाज, तखतपुर
मो. : 9009882640

अधिकृत सूचना केन्द्र
डॉ. डडसेना क्लीनिक मंडली चौक, ब्लॉक रोड, तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

समस्त स्वजातीय बन्धुओं का सादर नमन

कूर्मि ईश्वरी लाल चन्द्राकर
कूर्मि मोरध्वज चन्द्राकर

'ए' क्लास विद्युत ठेकेदार
नागेन्द्र इन्टरप्राईजेस नेहरू नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
हमारे यहाँ ट्रांसफार्मर, 11 के. व्ही. लाईन/33 के.व्ही., एच टी / एलटी लाईन, जनरेटर सेट, लिफ्ट एवं सभी प्रकार के बिजली का कार्य किया जाता है
मो. 9977376198, 9977376197

डॉ. खूबचंद बघेल जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएँ ....

डॉ. कूर्मि भगवती प्रसाद चन्द्रा
शिशु रोग विशेषज्ञ,
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिल्हा,
जिला बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष, छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच

कूर्मि उषा चन्द्रा
प्रदेश सचिव (म.प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष.चे.मंच

कूर्मि कर्णिका चन्द्रा
बी.ई., एमबीए
एमएनसी, हैदराबाद

कूर्मि स्वर्णिम चन्द्रा
बीआर्क, एमबीए
नई दिल्ली

गंगा क्लिनिक | बरतोरी रोड बिल्हा, बिलासपुर
निवास-33 गीतांजली इनक्लेव, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.)

शुभकामनाएँ

वैद्यराज कूर्मि बोधन सिंह बेलचंदन
डॉ. कूर्मि पोखराज सिंह बेलचंदन
आयुर्वेद विशारदाचार्य (AVMS)

पता : ग्राम-सिब्दी, पो. भरदाकला, जिला-बालोद (छ.ग.)
श्वांस रोग, लकवा, वातरोग, जीर्ण व्याधि इत्यादि का आयुर्वेद उपचार

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

जुलाई -2019

भविष्य निर्धारण हेतु शैक्षणिक मार्गदर्शन तालिका

Career Tree

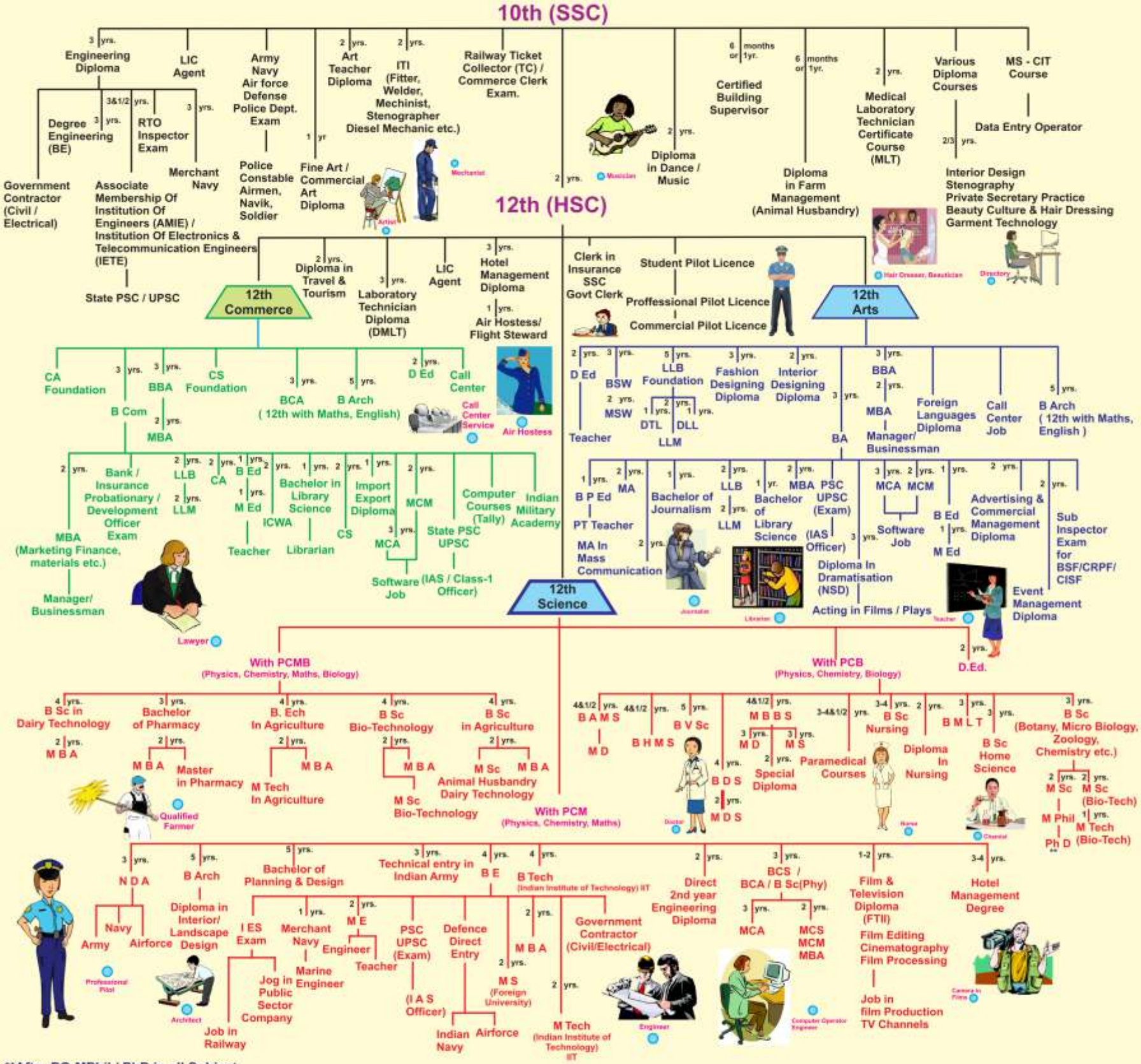

**After PG-MPhil / PhD in all Subject.

List of Different carrier for Youth :-

A. Legislative Assembly Election (Carrier for MLA)
B. Member of Parliament Election (Carrier for MP)
C. PRI Member Election (Panch, Sarpanch, Janapad, Jila Member)
1. Indian Administrative Service (IAS).
2. Indian Foreign Service (IFS).
3. Indian Police Service. (IPS)
4. Indian P & T Accounts & Finance Service, Group 'A'.
5. Indian Audit and Accounts Service, Group 'A'.
6. Indian Revenue Service (Customs and Central Excise) Group 'A'3
7. Indian Defence Accounts Service, Group 'A'.
8. Indian Revenue Service (I.T.), Group 'A'.
9. Indian Ordnance Factories Service, Group 'A' (Assistant Works Manager, Administration)
10. Indian Postal Service, Group 'A'.
11. Indian Civil Accounts Service,3 Group 'A'.
12. Indian Railway Traffic Service, Group 'A'.
13. Indian Railway Accounts Service, Group 'A'.
14. Indian Railway Personnel Service, Group 'A'.
15. Assistant Security Commissioner, in Railway Protection Force, Group 'A'
16. Indian Defence Estates Service, Group 'A'.
17. Indian Information Service (Junior Grade), Group 'A'.
18. Indian Trade Service, Group "A" (GR.III)
19. Indian Corporate Law Service, Group "A"
20. Armed Forces Headquarters Civil Service, Group 'B' (Section Officer's Grade)
21. Delhi, Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Civil Service, Group 'B'
22. Delhi, Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Police Service, Group 'B'
23. Indian Judicial Service Examination
24. State Administrative Service Exam
25. NET/SET Exam, CA / CS Exam.

अपील

समाज के विकास आधारित गतिविधियों एवं जरूरत मंद लोगों की मदद हेतु सक्षम एवं उदार स्वजनों से अपील

समाज के कुछ व्यवसायी / डॉक्टर / अधिकारी द्वारा यदि प्रतिमाह कम से कम 1000/- के हिसाब से 100 लोगों के द्वारा 12 माह में 1000×100×12=12 लाख प्रतिवर्ष समाज के कोष में जमा हो सकता है। इस राशि का उपयोग प्रशिक्षण, छात्र कल्याण कोष, समाज के जरूरतमंद लोगों को सहयोग किया जा सकता है। उपरोक्त कार्य हेतु नगद अथवा समाज के खाते में ऑनलाइन राशि जमा करने हेतु

खाता क्र. - **S.B.I. A/C No.63028610257, IFS Code SBIN0030243**

Chhattisgarh Kurmi Kshatriya Chetana Manch
SBI Branch :Telephone Exchange, Bilaspur (Chhattisgarh) 495001

मदन महिन्द्रा

डॉ. निर्मल नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9826165881

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

8 | विक्रम संवत् 2076 | शक संवत् 1941

अगस्त - 2019

किसी देश को बर्बाद करना है तो वहाँ के लोगों को धर्म के नाम पर आपस में लड़ा दो, देश अपने आप बर्बाद हो जावेगा।
- लियोटॉल्स्टॉय

वर्षा ऋतु

कूर्मि समाज के संबंध में पौराणिक प्रमाण

अथर्ववेद-

अथर्ववेद का. 6 क्र. 98 -

त्वमिन्द्राधिराज : श्रवस्युस्तवं भूरभि भूतिर्जनानाम् ।

त्वं दैवीर्विश इमाविराजा युष्मत्क्षत्र भजरंते अस्तु ।।

यहाँ भी इन्द्र को क्षत्र अर्थात् क्षत्रिय बताया गया है। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि क्षत्रियराज इन्द्र का नाम **कूर्मि** है ।

ऋगवेद :

यथा - **पूर्वाश्चिध्दित्वे तुवि कूर्मिन्नाशसो हवन्त इन्द्रोतयः।**

तिरश्चिदर्यः सवनावगसो गहि शविष्ठ श्रुधि से हवम् ।।

(ऋगवेद मंडल 8 सूक्त 55 अष्टक 6 अध्याय 4 वर्ग 50) उक्त मंत्र में तुवि कूर्मिन शब्द आया है। यहाँ तुवि का अर्थ **महा** होता है। प्रो.मा.विलयम्स ने भी संस्कृत इंग्लिश शब्द कोष में तुवि का अर्थ **ग्रेट** यानि **महा** बताया है।

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - निरंक

गृह प्रवेश - निरंक

मूल

ता. 1 दोप. 12.12 से ता. 3 सु. 6.45 तक
ता. 9 रात्रि 9.59 से ता. 12 रात्रि 0.46 तक
ता. 19 सायं 7.49 से ता.22 रात्रि 0.48 तक
ता. 28 रात्रि 10.56 से ता.30 सायं 5.12 तक

पंचक

ता. 15 रात्रि 9.29 से ता. 20 रात्रि 10.29 तक

सोम MONDAY	**शासकीय अवकाश** 12 बकरीद 15 स्वतंत्रता दिवस 15 रक्षाबंधन 24 कृष्ण जन्माष्टमी	श्रावण शुक्ल 5 **5** नाग पंचमी हस्त	श्रावण शुक्ल 12 **12** प्रदोष व्रत विश्व युवा दिवस पू.षा. बकरीद	भाद्र कृष्ण 4 **19** बहुला चतुर्थी विश्व छायांकन दिवस उ. भा.	भाद्र कृष्ण 10/11 **26** जया अजा एकादशी मदर टेरेसा जयंती आर्द्रा
मंगल TUESDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 1 हरेली 5 नागपंचमी 9 विश्वआदिवासी दिवस 17 पारसी नववर्ष 21 हलषष्ठी 30 पोला	श्रावण शुक्ल 6 **6** कल्की जयंती चित्रा	श्रावण शुक्ल 13 **13** उ.षा.समस्त	भाद्र कृष्ण 5 **20** सद्भावना दिवस राजीव गांधी जयंती रेवती	भाद्र कृष्ण 11/12 **27** गौण अजा एकादशी पुनर्वसु
बुध WEDNESDAY		श्रावण शुक्ल 7 **7** स्वाती	श्रावण शुक्ल 14 **14** श्रवण	भाद्र कृष्ण 6 **21** कमरछठ/हलषष्ठी अश्विनी	भाद्र कृष्ण 13 **28** प्रदोष व्रत पुष्य
गुरु THURSDAY	श्रावण कृष्ण 15/1 **1** अमावस्या हरेली पुष्य	श्रावण शुक्ल 8 **8** विशाखा	श्रावण शुक्ल 15 पूर्णिमा **15** स्वतंत्रता दिवस रक्षाबंधन श्रवण	भाद्र कृष्ण 6 **22** भरणी	भाद्र कृष्ण 14 **29** राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद जयंती अश्लेषा
शुक्र FRIDAY	श्रावण शुक्ल 2 **2** चन्द्र दर्शन अश्लेषा	श्रावण शुक्ल 9 **9** विश्व आदिवासी दिवस अनुराधा	भाद्र कृष्ण 1 **16** अटल बिहारी बाजपेयी पुण्य तिथि रानी अवंतिबाई लोधी जयंती धनिष्ठा	भाद्र कृष्ण 7 **23** कृत्तिका	भाद्र कृष्ण 15 **30** अमावस्या पोला मघा
शनि SATURDAY	श्रावण शुक्ल 3 **3** मैथिलीशरण जयंती मघा	श्रावण शुक्ल 10 **10** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश ज्येष्ठा	भाद्र कृष्ण 2 **17** कार्यालयीन अवकाश तुलसी दास जयंती शतभिषा पारसी नववर्ष	भाद्र कृष्ण 8 **24** बैंक अवकाश कृष्ण जन्माष्टमी रोहिणी	भाद्र शुक्ल 1 **31** चन्द्र दर्शन प्रकाश उत्सव पू. फा.
रवि SUNDAY	श्रावण शुक्ल 4 **4** उ.फा.	श्रावण शुक्ल 11 **11** पुत्रदा एकादशी खुदीराम बोस शहीद दिवस मूल	भाद्र कृष्ण 3 **18** पू.भा.	भाद्र कृष्ण 9 **25** दही हाण्डी मृगशिरा	

कूर्मि भविष्य चन्द्राकर
पूर्व राष्ट्रीय बास्केट बाल खिलाड़ी
अकलतरा, जांजगीर-चांपा
महासचिव
छ.ग. प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज, जिला जांजगीर-चांपा
महामंत्री-
जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चांपा
निवास : अकलतरा, जिला - जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
मो. नं. 9752972732, 9424161884

कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर
पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष
छ.ग.कूर्मि-क्ष.चेतना मंच
कूर्मि श्रीकांत चन्द्राकर
सीईओ, जिला सह. केन्द्रीय बैंक
कूर्मि विभावना चन्द्राकर
एम.कॉम.,बी.एड.,बी.एल.बी.
आर्या श्री चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर
शिवाय चन्द्राकर
आराध्या चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर

गायत्री हॉस्पिटल
गंगोत्री परिसर, आयुर्वेदिक कॉलेज के पीछे, रोहिणीपुरम, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-2263305, मो. 9827135003

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ....
कूर्मि प्रदीप कौशिक
प्रदेश उपाध्यक्ष-छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पूर्व सदस्य, छ.ग.राज्य बाल संरक्षण आयोग, छ.ग. शासन
जिलाध्यक्ष-चन्द्रनाहू कूर्मि-क्षत्रिय समाज, बिलासपुर
मो. 9893751308
कूर्मि श्रीमती नूरीता कौशिक
अध्यक्ष, जनपद पंचायत तखतपुर
प्रदेशाध्यक्ष, महिला युवा प्रकोष्ठ,
छ.ग. पिछड़ा वर्ग महासभा

बिन संस्कार नहीं सहकार
SBACO
बिन सहकार नहीं उद्धार
श्री बलराम कृषि (उत्पाद एवं विपणन) को-आपरेटिव सो.लि.दुर्ग (छ.ग.) (सबको)
Shri Balram Agro (Utpad & Vipnan) Co-Operative Scoiety Ltd.Durg (C.G)

कूर्मि प्रीतपाल बेलचंदन
अध्यक्ष
मो. : 9425246514
कार्यालय : मेन हास्पिटल के सामने, जी.ई.रोड, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या, परिसर, दुर्ग (छ.ग.)
Office : 2210312, Fax No. : 0788-2210342
E-mail : sbaco_101@rediffmail.com

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

अगस्त -2019

कूर्मि समाज का राशिफल व दोष निवारण उपाय (कूर्मि समाज का दृष्टिकोण दस्तावेज Vision Document)

भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश का 85 प्रतिशत हिस्सा कृषि पर निर्भर करता है। आज बहुराष्ट्रीय कम्पनियां खाद्य आधारित उत्पादन से दिन प्रतिदिन नए आयाम गढ़ रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले समय में चिर स्थाई व्यवसाय के रूप में कृषि कार्य शीर्ष पर होगा।

वर्तमान समय में कूर्मि समाज के 95 प्रतिशत लोग परंपरागत कृषि कार्य से संबंधित कार्य से जुड़े हुए हैं। भारत देश में लगभग 28.24 करोड़ कूर्मि समुदाय के लोग हैं। इसमें महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, आंन्ध्रप्रदेश, झारखण्ड जैसे 10 प्रमुख राज्यों में कूर्मियों की संख्या प्रत्येक राज्यों में 1 करोड़ से ज्यादा है। वहीं महाराष्ट्र में कुल जनसंख्या का 58 प्रतिशत जनसंख्या कूर्मि समुदाय का है। कुल आबादी के हिसाब से देखें तो कमशः उड़ीसा, गुजरात, झारखण्ड, कर्नाटक, आंन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य हैं, जहॉ पर कूर्मियों की जनसंख्या का प्रतिशत कमशः 48, 30, 30, 27, 23,23, 22 प्रतिशत है। इतनी बड़ी आबादी के लिए केवल 1 या दो दिन के कार्यक्रम या सम्मेलन से समाज की दशा व दिशा बदलने की बात करना ख्याली पुलाव ही होगा। हमें समाज के लिए ठोस कार्ययोजना व रणनीति के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। आईए जानते है कि किन -किन क्षेत्रों में आमागी 5 वर्षों के लिए कूर्मि संगठन को परिणाममूलक कार्य करने की जरूरत है :-

1. संगठनात्मक व नेतृत्व क्षमता विकास।
2. राजनीतिक क्षेत्र।
3. व्यावसायिक, प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा।
4. कृषि व व्यावसाय।
5. प्रशासनिक सेवा।
6. सूचना प्रौद्योगिकी।
7. अनुसंधान कार्य।
8. खेल।
9. सांस्कृतिक विकास।
10. कानूनी शिक्षा व उपयोग।
11. समाज से साहित्य साधना व पुरोहित निर्माण।

कितनी अजीब बात है कि गुलामी की जब आदत पड़ जाती है तो हर कोई अपनी ताकत को भूल जाता है ।

//समाज विकास के मूल मंत्र//

समाज के लिए कार्य करो।
प्रत्यक्ष कार्य नहीं कर सकते तो लिखो।।

लिख नहीं सकते तो बोलो।
बोल नहीं सकते तो साथ दो।।

साथ नहीं दे सकते तो जो कर रहे हैं उसका समर्थन करो।
समर्थन नहीं कर सकते तो करने वाले का बुराई न करों।।

उपरोक्त कार्य के लिए निम्नानुसार गतिविधियॉ व रणनीतियॉ प्रस्तावित है :-

क्र0	प्रमुख गतिविधियॉ	प्रमुख कार्य	समय-सीमा	लक्ष्य	बैठक आवृत्ति	वित्तीय प्रबंधन	जिम्मेदारी	अनुश्रवण कार्य
1	संगठनात्मक व नेतृत्व क्षमता विकास	प्रदेशवार योग्य व समयदानी लोगों को सूचीबद्व करना।	दिसम्बर 2019 तक	प्रत्येक राज्य में 100 समयदानी व्यक्ति का चिन्हांकन	वर्ष में दो बार	प्रदेश ईकाई	स्थानीय संगठन	राष्ट्रीय संगठन
		संगठन में नेतृत्व क्षमता विकास हेतु लगातार प्रशिक्षण कार्य।	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में कम से कम 100 का 2 बेच	वर्ष में दो बार	प्रदेश ईकाई	स्थानीय संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		नियमित बैठक अनुश्रवण कार्य।	जनवरी 2019 से	राज्य -2 बार जिला- 4 बार विकासखण्ड -8 बार	छःमासिक त्रैमासिक मासिक	स्थानीय संगठन	जिला/ प्रदेश संगठन	प्रदेश संगठन
		वकील डायरेक्टरी का निर्माण व सम्मेलन	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		चिकित्सक डायरेक्टरी का निर्माण व सम्मेलन	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		व्यवसायिक डायरेक्टरी का निर्माण व सम्मेलन/ प्रशिक्षण	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		पूर्व पदाधिकारियों का सूचीकरण व सम्मेलन	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	त्रेवार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		प्रतिभाशाली युवा डायरेक्टरी का निर्माण व सम्मान	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय महिला संगठन
		प्रशासनिक डायरेक्टरी का निर्माण व सम्मान	दिसम्बर 2020 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
2	राजनीतिक क्षेत्र	ग्राम पंचायत, जनपद, जिला पंचायत, सदस्यों व नगरीय निकाय के पार्षद/महापौर डायरेक्टरी प्रकाशन एवं सम्मेलन	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	प्रदेश संगठन
		विधायक/मंत्री, पूर्व विधायकों का डायरेक्टरी प्रकाशन व सम्मेलन	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	प्रत्येक 5 वर्ष में	विज्ञापन व सहयोग	संभाग/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
		कूर्मि समाज के लिए राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टी का गठन अथवा समाज के लिए समर्पित पार्टी का संयुक्त गठबंधन तैयार करना।	दिसम्बर 2022 तक	राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टी का गठन अथवा समाज के लिए एक समर्पित पार्टी के समागम गठबंधन	वर्ष में दो बार	आपसी सहभागिता द्वारा	प्रदेश संगठन/ राष्ट्रीय संगठन	राष्ट्रीय संगठन
		नेतृत्व क्षमता वाले लोगों का चिन्हांकन व प्रशिक्षण	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	प्रदेश संगठन
3	व्यावसायिक, प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा	राज्य में संचालित व्यावसायिक, प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा वाले संस्थानों का चिन्हांकन व सम्मेलन।	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	प्रदेश युवा संगठन
		व्यसायिक, प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा संस्थान, कोचिंग संस्थान संचालन/ माहौल निर्माण	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 कैरियर मार्गदर्शन केन्द्र निर्माण	मासिक काऊंसलिंग	शासन अंतर्गत अनुदान	जिला/ प्रदेश संगठन	प्रदेश युवा संगठन
4	कृषि व व्यावसाय	उन्नत कृषि पर प्रशिक्षण व एक्सपोजर विजिट	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक जिला में कम से कम 50 लोगों का प्रशिक्षण कार्य	वार्षिक	कृषि विभाग / कृषि विश्वविद्यालय	जिला	प्रदेश संगठन
		व्यवसाय व उद्योग निर्माण	दिसम्बर 2025 तक	प्रत्येक जिला में कम से कम 50 लोगों का प्रशिक्षण कार्य	वार्षिक	शासकीय अनुदान व आपसी सहयोग	जिला	प्रदेश संगठन
5	प्रशासनिक सेवा	भारतीय/ राज्य प्रशासनिक सेवा हेतु कैरियर मार्गदर्शिका/ माहौल निर्माण	दिसम्बर 2025 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 50 लोगों का चयन	वार्षिक	शासकीय अनुदान व आपसी सहयोग	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
6	सूचना प्रौद्योगिकी	सूचना प्रौद्योगिकी/ कम्प्यूटर विशेषज्ञों का सूचीबद्व करते हुए समाज के मुख्यधारा में जोड़ना	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 100 लोगों का चयन व सम्मेलन	वार्षिक	स्थानीय / संभागीय संगठन	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
7	अनुसंधान कार्य	शोध कार्य में रूचि रखने वाले युवाओं के लिए सहयोग तंत्र व मार्गदर्शन सिस्टम का रेखांकन करना।	दिसम्बर 2025 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 100 लोगों का कराना।	वार्षिक	स्थानीय / संभागीय संगठन	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
8	सांस्कृतिक विकास	टैलेन्ट ईवेन्ट का आयोजन व प्रशिक्षण हेतु माहौल तैयार करना।	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 10 व्यक्ति तैयार करना	वार्षिक	स्थानीय / संभागीय संगठन	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
9	खेल	खेलकूद वाले समाज के प्रतिभाशालियों का सूचीबद्व करना व सम्मान कार्य	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 10 व्यक्ति तैयार करना	वार्षिक	स्थानीय / संभागीय संगठन	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
10	कानूनी शिक्षा व उपयोग	समाज के न्यायाधीशों का डायरेक्टरी प्रकाशन व सम्मान तथा सम्मेलन	दिसम्बर 2022 तक	प्रत्येक राज्य में 1 डायरेक्टरी का प्रकाशन व सम्मेलन	1 बार वार्षिक	विज्ञापन व सहयोग	जिला/ प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय युवा संगठन
		न्यायिक सेवा के लिए कोचिंग व माहौल तैयार करना	दिसम्बर 2025 तक	प्रत्येक राज्य से कम से कम 50 लोगों का चयन	वार्षिक	शासकीय अनुदान व आपसी सहयोग	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
11	समाज से साहित्य साधना व पुरोहित निर्माण	समाज के व्यवहार परिवर्तन से संबंधित तथ्यपरक साहित्य प्रकाशन कार्य	दिसम्बर 2022 तक	राष्ट्रीय स्तर पर कम से कम 10 प्रकाशन	वार्षिक	शासकीय अनुदान व आपसी सहयोग	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन
		संस्कृति व उत्थान के लिए अपने महापुरूषों का स्मरण व सामाजिक पुरोहित प्रशिक्षण	दिसम्बर 2025 तक	राज्य स्तर पर कम से कम 100 का प्रशिक्षण	वार्षिक	आपसी सहयोग	प्रदेश संगठन	राष्ट्रीय संगठन

उपरोक्त गतिविधियों का बंटवारा जिला/संभाग/प्रदेश में कार्यरत विभिन्न संगठनों द्वारा परस्पर समन्वय से किया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि समाज का समग्र विकास संयुक्त प्रयास से ही संभाव्य है। उपरोक्त कार्य 5 वर्ष के अंतर्गत प्राथमिकता से किया जाना है। समाज चाहे तो उपरोक्त गतिविधियों के अलावा और कार्य जोड़ सकते है। बैठक से तात्पर्य कम से कम 4 घंटे का परीणामूलक चर्चा व कियान्वयन है।

कूर्मि हीरालाल काव्योपाध्याय कूर्मि पुरुषोत्तम कौशिक
स्मरण दिवस 11 सितम्बर 1884 जन्म 23-9-1930, निधन 05-10-2017

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

9

विक्रम संवत् 2076
शक संवत् 1941

सितंबर - 2019

तर्क किए बिना किसी बात को आँख मुंदकर मान लेना भी एक प्रकार की गुलामी है। - भगत सिंह

वर्षा / ता. 18 से शरद ऋतु

कूर्मि समाज के संबंध में महत्वपूर्ण प्रमाण

इन्द्र सत्य : स्वराट् - ऋगवेद 4/21/10,   त्वामिन्द्राधिराज : -अर्थववेद 6/98/2   इन्द्रो : यातोऽवसि तस्य राजा ऋगवेद 1/31/15

अर्थात् इन्द्र सम्राट है, अधिराज है, इन्द्र स्थावर व जंगल का राजा है। उक्त प्रमाणों से अधिक भौतिक सिध्दान्तानुसार लोक में जिस जाति ने अपनी संज्ञा **कूर्मि** प्राचीनकाल से रखी है, उसे द्वितीय अर्थ में इन्द्र भी कह सकते हैं। वैदिक प्रमाण से इन्द्र क्षत्रिय जाति के हैं। कूर्मि,अपने को कूर्मि अथवा इन्द्र कहने का अधिकारी है । उक्त प्रमाणों से स्पष्ट है कि पुल्लिंग **'कूर्मि'** शब्द **क्षत्रिय** की समुचित संज्ञा है। अर्थात् जिन कुलों में कूर्मि उत्पन्न है अथवा जो कूर्मि समुदाय से अद्यावधि वर्तमान है, वे क्षत्रकुल हैं ।

श्री शिवराम सिंह द्वारा रचित कूर्मि क्षत्रिय इतिहास से-

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

10 सितम्बर
डॉ.कूर्मि निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - निरंक
गृह प्रवेश - निरंक

मूल
ता. 6 सुबह 4.10 से ता. 8 सु. 6.30 तक
ता. 16 रात्रि 1.45 से ता. 18 सु. 6.45 तक
ता. 25 सु. 8.54 से ता. 27 सु. 4.02 तक

पंचक
ता. 12 रात्रि 3.29 से ता. 17 सु. 4.23 तक

सोम MONDAY	आश्विन शुक्ल 2 **30** चित्रा	भाद्र शुक्ल 4 **2** हस्त गणेश चतुर्थी	भाद्र शुक्ल 11 **9** पू.षा. परिवर्तिनी एकादशी, ढोल ग्यारस	आश्विन कृष्ण 2 **16** रेवती विश्व ओजोन दिवस	आश्विन कृष्ण 9 **23** आर्द्रा मातृ नवमी
मंगल TUESDAY	**शासकीय अवकाश** 10 मोहर्रम	भाद्र शुक्ल 4/5 **3** चित्रा ऋषि पंचमी, भारतेन्दु जयंती	भाद्र शुक्ल 12 **10** उ.षा. वामन जयंती, मोहर्रम	आश्विन कृष्ण 3 **17** अश्विनी विश्वकर्मा जयंती	आश्विन कृष्ण 10 **24** पुनर्वसु प्रा./पुष्य रा. विश्व हृदय दिवस
बुध WEDNESDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 2 गणेश चतुर्थी 5 नवाखाई 9 ढोल ग्यारस 11 ओणम	भाद्र शुक्ल 6 **4** स्वाती	भाद्र शुक्ल 13 **11** श्रवण प्रदोष व्रत, ओणम, विनोबा भावे जयंती, हीरा लाल काव्योपाध्याय स्मरण दिवस	आश्विन कृष्ण 4 **18** भरणी समस्त	आश्विन कृष्ण 11 **25** अश्लेषा इंदिरा एकादशी, पं. दीनदयाल जयंती
गुरु THURSDAY	12 अनंत चतुर्दशी 17 विश्वकर्मा जयंती 27 प्राणनाथ जयंती 28 सर्व पितृमोक्ष अमावस्या	भाद्र शुक्ल 7 **5** विशाखा ललिता सप्तमी, नवाखाई, शिक्षक दिवस, डॉ. राधाकृष्णन जयंती	भाद्र शुक्ल 14 **12** धनिष्ठा अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, कनौजिया उपजाति का विशेष त्यौहार	आश्विन कृष्ण 5 **19** भरणी प्रा.	आश्विन कृष्ण 12 **26** मघा प्रदोष व्रत, आचार्य श्रीराम शर्मा जयंती
शुक्र FRIDAY	**याददाश्त**	भाद्र शुक्ल 8 **6** अनुराधा राधा अष्टमी	भाद्र शुक्ल 14 **13** शतभिषा पूर्णिमा श्राद्ध	आश्विन कृष्ण 6 **20** कृत्तिका	आश्विन कृष्ण 13/14 **27** पू.फा. प्राणनाथ जयंती, विश्व पर्यटन दिवस
शनि SATURDAY		भाद्र शुक्ल 9 **7** ज्येष्ठा	भाद्र शुक्ल 15 **14** पू.भा. बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, हिन्दी दिवस, पूर्णिमा श्राद्ध, पितृपक्ष प्रारम्भ	आश्विन कृष्ण 7 **21** रोहिणी कार्यालयीन अवकाश	आश्विन कृष्ण 15 **28** उ.फा. बैंक अवकाश, सर्व पितृमोक्ष अमावस्या, शहीद भगत सिंह जयंती
रवि SUNDAY	भाद्र शुक्ल 2/3 **1** उ.फा. हरतालिका तीजा	भाद्र शुक्ल 10 **8** मूल विश्व साक्षरता दिवस	अश्विन कृष्ण 1 **15** उ.भा. अभियंता दिवस, डॉ. विश्वेश्वरैया जयंती	आश्विन कृष्ण 8 **22** मृगशिरा जीवत्पुत्रिका व्रत	आश्विन शुक्ल 1 **29** हस्त नवरात्रि प्रारम्भ, विश्व हृदय दिवस

ईंजी.कूर्मि एम.के.चन्द्रा
अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन खारंग, उप संभाग बिलासपुर
कूर्मि पुष्पलता चन्द्रा,
कूर्मि सोनल चन्द्रा, कूर्मि सौम्या चन्द्रा

हीरालाल काव्योपाध्याय स्मरण दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ...

कूर्मि नारायण कश्यप
पिता : स्व. शत्रुहन लाल कश्यप
इकाई अध्यक्ष, कूर्मि-क्षत्रिय समाज
ग्राम-सेलर बिलासपुर (छ.ग.) मो. 08959896085

कूर्मि चेतना पंचांग के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

कूर्मि रामाधार कश्यप
पूर्व सांसद (राज्यसभा)
संरक्षक
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर

कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप
वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी
बिलासा कन्या स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष - महिला प्रकोष्ठ
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर

प्रतिष्ठित संस्थान
सौरभ पेट्रोल पम्प
पेण्ड्रीडीह, सकरी बायपास रोड, अमसेना
वासु मंगलम
वैवाहिक भवन चकरभाठा कैम्प, बिलासपुर
वासु अपार्टमेंट
आवासीय फ्लैट्स

कूर्मि संतोष कौशिक
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
7000232013, 9785797418

कूर्मि श्रीमती राजकुमारी कौशिक

निवास : वार्ड क्र. 07, अनुराग विद्या मंदिर स्कूल के पास, चकरभाठा (कैम्प) मो. 9755797418

समस्त स्वजाति बंधुओं का स्नेहिल अभिनंदन...

कूर्मि मनोज चन्द्राकर
प्रदेश अध्यक्ष - अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ
छ.ग. चन्द्रनाहू कूर्मी क्षत्रिय समाज
मो. 9009917777
वंशिका चन्द्राकर
कूर्मि योगिता चन्द्राकर
कूर्मि उषा चन्द्राकर
कूर्मि संजय चन्द्राकर
प्रकृति चन्द्राकर
Save Tree
मूल निवास : लोहरसी, पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

सितम्बर-2019

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान

शंका 1 :- कूर्मि समुदाय के लिए कहीं 'कूर्मि' व कहीं 'कुर्मी' का प्रचलन है। इसमें से कौन सा शब्द सही है?

समाधान - कूर्मि समुदाय द्वारा लिखे जाने वाले शब्द कूर्मि के संबंध में निम्नानुसार तथ्य हैं-

1. कूर्मि शब्द संस्कृत के कूर्म धातु से बना है, जिसका अर्थ कू + रमी। कू अर्थात् भूमि, पृथ्वी तथा रमी अर्थात् रमन करने वाला अथवा भूमिपति / राजा। कूर्मि वह जाति का द्योतक है, जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है।

2. कूर्मि- कु अर्थात् पृथ्वी और उर्मि अर्थात् गोद। इस प्रकार कूर्मि शब्द से तात्पर्य है पृथ्वी की गोद में पलने वाला पृथ्वीपुत्र। कहा भी गया है- भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। कूरम -कु अर्थात् पृथ्वी और रम अर्थात् पति या वल्लभ। अत: कूरम शब्द का अर्थ है भूपति या पृथ्वीपति जो कि क्षत्रिय शब्द का पर्यायवाची है। कहा गया है- क्षेत्रात् रमते स: क्षत्रिय:।

3. व्याकरण की दृष्टि से कूर्म शब्द में इनि (इन्) प्रत्यय लगाने से "कूर्मिन" शब्द बनता है। कूर्मिन से प्रथमा विभक्ति के एक वचन में पुल्लिंग कूर्मि शब्द बनता है, जो कि अत्यंत प्राचीन तत्सम रूप है। कालान्तर में कूर्मि का अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडमी, कालबी होता गया।

अत: कूर्मि शब्द व्याकरण सम्यक तत्सम रूप है और उसका अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडबी, कालबी शब्द है।

शंका 2- जब हमारी जाति कूर्मि है तो कूर्मि-क्षत्रिय लिखने या कहने का औतित्य क्या है?

समाधान- (1) तत्कालीन अवध प्रान्त (वर्तमान संयुक्त आगरा व अवध उत्तरप्रदेश) के सुपरिन्टेण्डेन्ट आर.बर्न द्वारा एक सरक्यूलर 524/4/8/सी/60 दिनांक 25.02.1901 जारी कर जनगणना में विभिन्न जातियों के वर्गीकरण का आदेश दिया था। कूर्मि की दृष्टि से यह आदेश सम्मान जनक नहीं होने पर जातीय समितियों के आन्दोलन करने पर दूसरा सरक्यूलर 804/सी/60 दिनांक 25 अप्रैल 1901 के द्वारा प्रथम आदेश में संशोधन किया गया। इस संबंध में कूर्मि क्षत्रिय आन्दोलन के जनक रामअधीन सिंह ने सप्रमाण क्षत्रिय सिद्ध कर एक पत्र बर्न के पास भेजा था। उस समय एवं उससे पहले के समय में कूर्मि, कुनबी को पुलिस विभाग के शासकीय सेवा में नियुक्ति हेतु आयोग्य माना गया। चूंकि कूर्मि कृषि कार्य के अतिरिक्त योद्धा के रूप मेंभी विख्यात थे। फलस्वरूप अपने अधिकार प्राप्ति हेतु क्षत्रिय होने का दावा किया गया। जिसमें सफलता भी मिली। तत्कालीन कूर्मि क्षत्रिय महासभा के महासचिव तकोजीराव पवार देवास सीनियर के 6 नवंबर 1930 के पत्र पर भारत सरकार के गृह विभाग ने 18 नवंबर 1930 को जनगणना में क्षत्रिय शब्द लिखने पर कोई आपत्ति नहीं है, लिखकर संबंधितों को आदेश दिये गये। इसी तरह संयुक्त प्रान्त इलाहाबाद सरकार ने 3 मार्च 1931 को एवं आसाम सरकार ने 2 जुलाई 1931 को आदेश जारी कर कहा कि मालगुजारी के कागजातों में कूर्मि क्षत्रिय लिखा जाए। देवास सीनियर के 15 मई 1931 के पत्र पर 18 जुलाई 1931 को अजमेर मेवाड़ के चीफ कमिश्नर ने सरकारी कागजातों में कूर्मि क्षत्रिय लिखने का आदेश दिया। संयुक्त प्रान्त के सचिव एस.एस. नेहरू ने रायबरेली कूर्मि क्षत्रिय महासभा के पत्र पर 20 जुलाई 1931 को आदेश दिया कि कूर्मि विद्यार्थियों के स्कुल कागजात में क्षत्रिय लिखा जाय। इन आदेशों के तहत कूर्मवंशी को कूर्मि क्षत्रिय कहा जाने लगा। मध्यप्रदेश में कूर्मि शब्द के स्थान पर **कूर्मवंशी** अधिक आदरणीय समझे जाने से सतना के वैद्यशास्त्री रामजीवन सिंह के पत्र पर रींवा दरबार की राजाज्ञा नं. 138 सी/आई/ दिनांक 10 जुलाई 1947 को रींवा राज्य के महाराज के सचिव नरेन्दनाथ ने सरकारी कागजातों में कूर्मवंशी लिखे जाने का आदेश सभी विभागों को दिये। विन्ध्य प्रदेश के (विन्ध्य में रींवा सीधी, शहडोल, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और दतिया शामिले थे एवं राजधानी रींवा थी) कूर्मियों ने कर्मवंशी के साथ सिंह लिखना शुरू कर दिया तब मुन्शी, पटवानी, दरोगा और अध्यापकों विरोध किया गया। देश आजाद होने के पश्चात विन्ध्य प्रदेश के राजस्व कमिश्नर द्वारा 15 जुलाई 1948 को कूर्मवंशी के साथ सिंह लिखने का आदेश दिया गया,जिसे पूरे विन्ध्य प्रदेश में राजाज्ञा 30 अप्रैल 1949 को लागू कर दी गई। राजा जयलाल सिंह (31.5.1803 से 1.10.1859) को शासकीय प्रकाशन में कायस्थ दिखाये जाने पर लखनऊ समाज की आपत्ति पर उसे सुधारकर कूर्मि लिखा गया। अर्थात् कूर्मि गर्व से स्वयं को कूर्मि क्षत्रिय लिखने एवं कहने का का अधिकार रखता है

(2) जहाँ तक कूर्मि क्षत्रिय जाति का इतिहास का प्रश्न है, तो उसका इतिहास भी उतना ही पुरातन है, जितना कि आर्यों में प्रचलित वर्ण-व्यवस्था, जो कि प्रारम्भ में व्यक्ति के कर्म पर आधारित थी पर बाद में हिन्दू-समाज में जन्म जात बन गयी।

ऋग्वेद 1/27 में "**कूर्मो गार्त्समदो गृत्समदो वा ऋषि:**" के अनुसार राजर्षि कूर्म सुप्रसिद्ध वैदिक ऋषि गृत्समद के सुपुत्र थे। स्पष्ट है कि कूर्मि ऋषि के वैदिक ऋषि होने से कूर्मिवंश वेद कालिक प्रतीत होता है। वेद, शतपथ ब्राम्हण, स्कन्द पुराण और अन्य प्रागैतिहासिक ग्रन्थों से कूर्मि तथा जब से जातियाँ बनी थी तब से कूर्मियों का पुरातन काल से अस्तित्व, और क्षत्रियत्व प्रतिभाषित होता है। कालान्तर में कूर्मि जाति उस सभ्यता की जनक रही है, जिसने कृषि की खोज कर और अपनाकर आर्य जाति को यायावर अवस्था से स्थिर जीवी में परिणत किया। प्राचीन ऋषिजीवन भी कृषि जीवन की ही देन थी। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद के सारे ज्ञान-विज्ञान की जड़ें इसी कृषि-क्रांति में निहित है। आर्यों के पूज्यतम् देवराज इन्द्र थे, जिन्हें अनेक वैदिक मंत्रों में 'तुवि कूर्मि' अर्थात महान पराक्रमी कर्मयोगी कहा गया है। ऋग्वेद में 'कूर्मि' शब्द का प्रयोग इन्द्र की कीर्ति बढ़ाने के अर्थ में किया गया है।

कूर्मि जाति के आदि पूर्वज कूर्म क्षत्रिय थे। कूर्म और कूर्मि शब्द का अस्तित्व वेद, पुराण तथा शास्त्रों आदि सभी ग्रंथों में मिलता है। इन शब्दों की व्याकरण सम्मत व्याख्या करते हुए वेदों के भाष्कर सायणाचार्य लिखते हैं:-

कूर्म: (रसो वीर्य तेजा वा) अस्ति अस्य इति कूर्मि=रसवान, वीर्यवान, तेजवान, कूर्मि अर्थात जिसके पास जीवन रस, वीर्यबल तथा तेजस्विता रहती है, वही कूर्म है।

कूर्म: (प्राणी बलं क्षत्रं राष्ट्र वा) अस्ति इति कूर्मि- प्राणवान, बलवान, क्षत्रि (छत्रपति), राष्ट्री (राष्ट्रपति), कूर्मि अर्थात जिसके अधिपत्य में प्राण, बल, क्षत्र, (क्षत्रियत्व अथवा राष्ट्रपतित्व) है, वही कूर्मि है।

कूर्म: (भारत वर्ष देशों) अस्ति अस्य इति कूर्मि अर्थात कूर्म नामक भारतवर्ष जिसके अधिपत्य में हो वही कूर्मि है।

भाष्कर सायणाचार्य की उपयुक्त व्याख्याओं से भी स्पष्ट है कि यह 'कूर्मि या कुर्मी शब्द उत्कृष्ट वैदिक कालिक क्षत्रियों का ही बोधक तथा समानार्थी है, जो कूर्मि जाति का भी वैदकालिक क्षत्रिय जाति का बोधक है। वैदिक मंत्रों तथा पुराणों में कूर्मि को महान पराक्रम कर्मयोगी कहा गया है।

यथा- ***क्षत्रियै कूर्म शौन को।*** -श्लोक 41

कूर्मि संज्ञां लभन्ते, क्षत्रिया: कूर्म वंशज:। -श्लोक 56 - लघु नारदीय उपपुराण, चन्द्रवंशी राजर्षिवर्मन।

वैदिक काल तीन और पौराणिक काल के चार वर्णों में क्षत्रिय एक वर्ण समान रूप से है, और क्षत्रिय समुदाय में कूर्मि जाति एक कूर्मि संज्ञा है। कहीं-कहीं कूर्मि के स्थान में कुरम शब्द प्रयुक्त होता है, सो भी समुचित ही है। अत: ***को भुव: वल्लभ: पतिर्वा कुरम:-पूवल्लभ: भूपतिर्वा***। स्पष्ट है कि कूर्मि शब्द क्षत्रिय की समुचित संज्ञा है अर्थात जिन कुलों में कूर्मि उत्पन्न हैं अथवा जो कुल कूर्मि समुदाय में अद्यावधि वर्तमान है, वे क्षेत्र अर्थात क्षत्रिय कुल हैं।

शंका 3- कूर्मि समुदाय अपने साथ 'क्षत्रिय' शब्द लिखता है; तो फिर यह समुदाय आरक्षित वर्ग अंतर्गत क्यों आता है?

समाधान : आरक्षण व्यवस्था को समझने के लिए हमें इसके मूल कारण को समझने की आवश्यकता है, कि आरक्षण क्या है? वास्तव में आरक्षण किसी वर्ग विशेष को अवसर प्रदान करने का एक माध्यम मात्र है। वर्तमान आरक्षण व्यवस्था हजारों साल से चली आ रही सामाजिक असमानता व अवसर विहिनता को समाप्त कर वंचित व विकास में पिछड़े समुदाय को गुणोत्तर अवसर प्रदान कर उसे प्रतिनिधित्व (भागीदारी/अवसर) प्रदान करने की सरलीकृत व्यवस्था है, जिसे बोलचाल में आरक्षण के नाम से जाना जाता है।

अवसरवादी व एकाधिकारवाद रखने वाले लोग आरक्षण को गलत व्याख्या करते हुए इसे जन सामान्य में भ्रम पैदा कर दिए हैं। वास्तव में आरक्षण केवल व केवल अवसर विहिन एवं वंचित तथा विकास में पिछड़े समुदाय को उत्तरोतर अवसर प्रदान करने की सरल प्रक्रिया मात्र है।

पूर्व काल में मुगलों के अत्याचार व अधीनता न स्वीकार कर कूर्मि क्षत्रिय समुदाय द्वारा युद्ध/रक्षा कार्य में जोखिम तथा कम अवसर होने के कारण कृषि कार्य को अपना लिए। कृषि कार्य में लगे होने के कारण शैक्षणिक व सामाजिक विकास से लगातार पिछड़ते गए। स्वतंत्र भारत में संविधान के अनुच्छेद 15.5 एवं 16.4 के अंतर्गत शैक्षणिक व सामाजिक रूप से पिछड़े समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए विशेष संरक्षण दिया गया। इसी के क्रम में कूर्मि क्षत्रिय समुदाय को उनके तात्कालिक सामाजिक परिस्थिति के आधार पर पिछड़े वर्ग/समुदाय में शामिल किया गया। अत: उपरोक्त व्याख्या से स्पष्ट है कि कूर्मि समुदाय के शैक्षणिक व सामाजिक उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया।

पौराणिक उदाहरण:- जो ब्राह्मण, क्षत्रिय या वैश्य वेदों का अध्ययन और पालन छोड़कर अन्य विषयों में ही परिश्रम करता है, वह शूद्र बन जाता है। -मनुस्मृति 2/168

देश के अलग-अलग भौगोलिक हिस्से में कूर्मि समाज को सामाजिक और शैक्षणिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अन्य पिछड़े वर्ग/ अनुसूचित वर्ग के अंतर्गत लिया गया है, ताकि समुदाय का समुचित शैक्षणिक व सामाजिक विकास हो सके।

वर्तमान उदाहरण:-

1. छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश तथा अन्य राज्यों में कूर्मि समाज को अन्य पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया है।
2. पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति वर्ग के अंतर्गत शामिल किया गया है।
3. तमिलनाडू में कूर्मि समुदाय को स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुसूचित जाति अर्न्तगत अनुसूचित किया गया है।
4. झारखण्ड राज्य में कूर्मि समाज को वर्तमान में अन्य पिछड़े वर्ग के अंतर्गत है, जबकि 1931 के पूर्व झारखण्ड के कूर्मि समुदाय अनुसूचित जन जाति वर्ग अंतर्गत शामिल था।

शंका 4- भारत देश में आरक्षण व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई?

समाधान :-समाज में व्याप्त हजारों साल से असमानता एवं छूआछूत व अन्य अप्राकृतिक असमानता को समता मूलक समाज में बदलने तथा सब को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के संविधान के अनुच्छेद 330, 332, 334 अंतर्गत प्रतिनिधित्व की व्यवस्था अंतर्गत विशेष संरक्षण दिया गया; जिसे वर्तमान समय में आरक्षण के नाम से जाना जाता है। जैसे कि प्रत्येक माता-पिता अपने प्रत्येक संतान को संपत्ति में बराबर हिस्सा तथा उनके खान-पान, इलाज आदि की समुचित व्यवस्था करता है।

शंका 5-क्या कूर्मि समाज में कार्यरत सभी 'सर्वकूर्मि' के संगठनों को संविलियन किया जाना औचित्यपूर्ण है?

समाधान : प्रत्येक संगठन का कार्य करने का तरीका, कार्य योजना, क्रियान्वयन एवं उसकी

क्रमश: - अक्टूबर पर

मदन महिन्द्रा
डॉ. निर्मल नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9826165881

कूर्मि सरदार वल्लभभाई पटेल — जन्म : 31 अक्टूबर 1875, निर्वाण : 15 दिसम्बर 1950

स्वामी आत्मानंद — जन्म : 6 अक्टूबर 1929, निर्वाण : 27 अगस्त 1989

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

10

विक्रम संवत् 2076
शक संवत् 1941

अक्टूबर - 2019

खेतो की शान है किसान और बॉर्डर की शान है जवान इसलिए खाते समय किसानों का और सोते समय जवानों का धन्यवाद जरूर कीजिए। - सरदार पटेल

शरद ऋतु

भारत रत्न सरदार पटेल

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल - अहमदाबाद-बड़ौदा जिला-खेड़ा, ग्राम-नादियाड़ में 31 अक्टूबर 1875 में जन्म। पाटीदार कूर्मि समाज के लेवा उपजाति में पिता झबेर भाई पटेल का परिवार आता है। वे कृषक थे। 1913 में बैरिस्टर बनकर वकालत प्रारंभ। भारत वर्ष के 562 देशी रियासतों को विलय कराने का श्रेय। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री थे। उन्हें मरणोपरांत 1991 में भारत रत्न की उपाधि दी गई। आप विट्ठल भाई के अनुज हैं। आपके नेतृत्व में खेड़ा और बारडोली सत्याग्रहों में गुजराती कूर्मियों की प्रथम विजय पूर्ण भूमिका रही है। इसी सफलता के कारण आपको महात्मा गांधी द्वारा "सरदार" का खिताब मिला। आप 16 में से 13 मत प्राप्त करके भारत के प्रथम प्रधान मंत्री के लिये चुन लिये गए थे, परन्तु महात्मा गांधी के कहने पर आपने इस पद को जवाहरलाल नेहरू के लिए त्याग दिए।

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

2 अक्टूबर
कूर्मि डॉ. व्ही.एस. निरंजन
राष्ट्रीय महासचिव
अ.भा.कूर्मि क्ष.महासभा

5 अक्टूबर
कूर्मि बी.आर. कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - --निरंक
गृह प्रवेश - 25, 30

मूल
ता. 3 दो. 12.11 से ता. 5 दोप. 1.20 तक
ता. 13 सु. 7.54 से ता. 15 दोप. 12.31 तक
ता. 22 सायं 4.40 से ता. 24 दोप. 1.19 तक
ता. 30 रात्रि 10.00 से 1 नव.रात्रि 9.53 तक

पंचक
ता. 9 सु. 9.42 से ता. 14 सु. 10.21 तक

सोम MONDAY	**शासकीय अवकाश** 2 महात्मा गांधी जयंती 8 दशहरा	आश्विन शुक्ल 9 **7** उ.षा. दुर्गा महानवमी	कार्तिक कृष्ण 1 **14** रेवती	कार्तिक कृष्ण 7,8 **21** पुनर्वसु अहोई अष्टमी आजाद हिन्द सेना दिवस	कार्तिक कृष्ण 15 **28** स्वाती अमावस्या, गोवर्धन पूजा
मंगल TUESDAY	आश्विन शुक्ल 3 **1** स्वाती वृद्ध एवं सम्मान दिवस विश्व वन्य प्राणी दिवस	आश्विन शुक्ल 10 **8** श्रवण दशहरा (विजया दशमी) वायु सेना दिवस	कार्तिक कृष्ण 2 **15** अश्विनी डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जयंती	कार्तिक कृष्ण 9 **22** पुष्य	कार्तिक शुक्ल 1/2 **29** विशाखा चन्द्रदर्शन, भाईदूज
बुध WEDNESDAY	आश्विन शुक्ल 4 **2** विशाखा स्वच्छता दिवस गांधी, शास्त्री जयंती	आश्विन शुक्ल 11 **9** धनिष्ठा एकादशी विश्व दृष्टि दिवस	कार्तिक कृष्ण 3 **16** भरणी विश्व खाद्यान्न दिवस	कार्तिक कृष्ण 10 **23** अश्लेषा	कार्तिक शुक्ल 3 **30** अनुराधा विश्वामित्र जयंती
गुरु THURSDAY	आश्विन शुक्ल 5 **3** अनुराधा	आश्विन शुक्ल 12 **10** शतभिषा राष्ट्रीय डाक दिवस	कार्तिक कृष्ण 3/4 **17** कृत्तिका करवा चौथ	कार्तिक कृष्ण 11 **24** मघा रमा एकादशी संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस	कार्तिक शुक्ल 4 **31** ज्येष्ठा इंदिरागांधी पुण्य तिथि सरदार पटेल जयंती
शुक्र FRIDAY	आश्विन शुक्ल 6 **4** ज्येष्ठा राष्ट्रीय अखण्डता दिवस	आश्विन शुक्ल 13 **11** पू.भा. प्रदोष व्रत	कार्तिक कृष्ण 4 **18** रोहिणी	कार्तिक कृष्ण 12 **25** पू.फा. धनतेरस, प्रदोष व्रत रामचंद्र देशमुख जयंती	**ऐच्छिक अवकाश** 7 महानवमी 17 करवा चौथ 26 दीपावली दक्षिण भारत 28 गोवर्धन पूजा 29 भाई दूज
शनि SATURDAY	आश्विन शुक्ल 7 **5** मूल	आश्विन शुक्ल 14 **12** उ.भा.समस्त बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	कार्तिक कृष्ण 5 **19** मृगशिरा कार्यालयीन अवकाश	कार्तिक कृष्ण 13 **26** उ.फा. बैंक अवकाश काली / नरक चौदस दीपावली दक्षिण भारत	यादादश्त
रवि SUNDAY	आश्विन शुक्ल 8 **6** पू.षा. दुर्गा अष्टमी स्वामी आत्मानंद जयंती	आश्विन शुक्ल 15 **13** उ.भा.दि. शरद पूर्णिमा वाल्मीकि जयंती	कार्तिक कृष्ण 6 **20** आर्द्रा	कार्तिक कृष्ण 14 **27** चित्रा गौरी-गौरा पूजा दीपावली लक्ष्मी पूजा	

कश्यप मेडिकल स्टोर्स
अंग्रेजी, आयुर्वेदिक, पतंजली दवाईयां
एवं एम.वे. सप्लीमेंट के विश्वसनीय विक्रेता

कूर्मि भरत कश्यप
केन्द्रीय अध्यक्ष
कन्नौजिया कूर्मि-क्षत्रिय समाज जांजगीर
कूर्मि श्रीमती वन्दना कश्यप
कूर्मि विक्रम कश्यप
मो. 9981761635
मु.पो. सलखन, तह-नवागढ़, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

Kurmi Abhishek Kaushik
+91 - 9827163779
+91 - 9300688822

DAKSH CAR ACCESSORIES
A car Accessories Shop
✓ Teflon Cotting
✓ Seat Cover
✓ Body Cover
✓ Wide Range of Sun Control Film
✓ Sterieos & VCD LCD
✓ Center Locking

Shop No. 02, Behind Raja Raghuraj Stadium, Imlipara, Bilaspur (C.G.) 495001

सरदार पटेल जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ...

कूर्मि कृष्ण कुमार कौशिक
जिला-उपाध्यक्ष भाजपा
बिलासपुर
मो. : 98274 05917

कूर्मि नवनीत कौशिक (निक्की)
आजीवन सदस्य
छ.ग. कूर्मि-क्ष. चेतना मंच
मो. 7067222267

राज रत्न ज्वेलर्स की ओर से समस्त स्वजातिय बंधुओं को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ

हीरे एवं शुद्ध सोने, चांदी के कलात्मक आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है।
प्रमाणित शुद्ध रत्न उपलब्ध है...

राज रत्न जेम्स एण्ड ज्वेलरी

प्रो. मनीष वर्मा
शॉप नं.9, आदर्श चौक, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)
सम्पर्क :- 9301546820, 7898899009
रामेश्वर प्रसाद वर्मा

स्थाई पता : ग्राम चरौदा, वि.खं. धरसीवा, जिला-रायपुर (छ.ग.) वर्तमान पता : मारुति इन्क्लेव, टाटीबंध, रायपुर (छ.ग.)

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के 145 वीं जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएँ ...

कूर्मि अशोक कौशिक
सदस्य, जिला पंचायत बिलासपुर
क्रमांक 07 (बरतोरी) बिल्हा
वरिष्ठ महामंत्री
जिला कूर्मि युवा संगठन
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9754676947

कूर्मि धरमलाल कौशिक
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष,
छ.ग. विधानसभा

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

अक्टूबर-2019

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

क्रमशः - सितम्बर से आगे ....

प्राथमिकताएँ पृथक-पृथक होती हैं किन्तु फिर भी कूर्मि समाज का उत्थान ही उसके मूल में है। जब समग्र कूर्मि एकता की बात आती है तब सभी साथ होते हैं। किसी एक संगठन के कार्यक्रमों में दूसरे सभी संगठनों की भी भागीदारी रहती है। प्रत्येक संगठन अपनी विशेषज्ञता के आधार पर कार्यक्रमों का संचालन करते हैं, जिसमें समाज के सदस्यों की सहभागिता होती है।

समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता, उदासीनता व अनेक विसंगतियों को दूर करना केवल एक ही संगठन अथवा व्यक्ति द्वारा त्वरित परिणाम के लिए संभव नहीं है। त्वरित व शीघ्र परिणाम के लिए सभी दिशा में समेकित लच्छित (integrated Intervention) प्रयास आवश्यक है । अत: सभी संगठन अपनी प्रकृति व कौशल के अनुरूप समाज हित के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य विभाजित करते हुए करें जिससे समाज में कम समय पर चहुमुखी विकास परिलक्षित हो ।

समाज विकास हेतु समाज कार्य को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाने के लिए स्थानीय संगठन का उपयोग कर बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं । इस कार्य से बिना किसी संगठन का स्वरूप परिवर्तन किये न केवल परिणाम मूलक कार्य किये जा सकते हैं बल्कि परस्पर प्रतिस्पर्धा किये बिना आसानी से प्रशिक्षित व दक्ष कार्यकर्ता समाज सेवा के लिए उपलब्ध होंगे ।

शंका 6 - स्वजातीय प्रतीक (मोनो) कब और कैसे अस्तित्व में आया ? आशय स्पष्ट करें ।

समाधान - अखिल भरतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा के गठन के 85 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद महासभा के 1981 में रायपुर (छत्तीसगढ़ तब मध्यप्रदेश)में आयोजित 34 वें अधिवेशन में श्री राजेन्द्र कुमार (प्रचार मंत्री, प्रकाशक कूर्मि संदेश कन्नौज व सम्पादक -कूर्मि क्षत्रिय जागरण) द्वारा यह प्रतीक प्रस्तुत किया गया । द्वितीय दिवस के खुले अधिवेशन में विस्तृत विचार विमर्श के बाद बिना किसी संशोधन के मूल रूप से इस प्रतीक को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। आज सम्पूर्ण भारत में इसे स्वजाति बंधुओं द्वारा अपना लिया गया है। प्रतीक की पृष्ठभूमि में भूमि को दर्शाया गया है जो हमारे व्यापक भूमिपति होने का द्योतक है। गेहूँ की बालियाँ हमारे गौरवपूर्ण कृषक होने को प्रदर्शित करती है। दो तलवारों के मध्य ज्योति, मानव जीवन-ज्योति है। इसका समग्र आशय है कि हम सर्वप्रथम सभ्य समाज के रूप में इस धरा के स्वामी बने व हम मानव जाति को सुरक्षा व पोषण दोनों ही प्रदान करते हैं।

सभी स्वजाति बन्धुओं से निवेदन है कि अपने प्रतीक को मकान,वाहन,व्यवसायिक, साईन बोर्ड,कालर पिन, टाईपिन, आदि पर प्रदर्शित करें जिससे कि अपनी पहचान स्वभाविक रूप से हो सके। लेटर पेड, विजिटिंग कार्ड, पर भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

शंका 7 - छत्रपति शिवाजी महाराज कूर्मि थे क्या?

समाधान -संयोगवश भारत में गुण-कर्म के स्थान पर जाति को ही महत्व दिया जाता है। शिवाजी तो हर जाति के व्यक्तियों द्वारा पूजित हैं। राज्याभिषेक के पश्चात् जब उन्होंने क्षत्रिय कुलावंतस, सिंहासनाधीश्वर महाराज छत्रपति की उपाधि धारण की तो भी कुछ लोग उन्हें उच्चकुल के वंशज मानने को तैयार न थे। मराठे सरदार भी उन्हे अपने समकक्ष नहीं मानते थे, क्योंकि उनके दादा-परदादा साधारण कृषक थे। यद्यपि सभी मराठे सरदार कुनबी (कूर्मि)ही थे। तथापि धनी-निर्धन की रेखा से उपर-नीचे बने रहने के कारणवश वे एक दूसरे को तदानुसार छोटा-बड़ा समझते थे। शिवाजी को उदयपुर के राणाओं का वंशज बताने वाली वांवली को मुगल और शिवाजी कालीन इतिहास के सर्वमान्य विद्वान सर यदुनाथ सरकार ने भी पुस्तक के पृष्ठसंख्या 202-203 पर जाली माना है। श्री जी.एस.सरदेषाई ने New history of the Maratha's नामक पुस्तक के पृष्ठ सं.46 पर स्पष्ट किया है कि उदयपुर के राणाओं से भोसले परिवार की उत्पत्ति को प्रमाणिक रूप से सिद्ध नहीं किया गया है। फारसी के कुछ फर्मानों की नकल (मूल नहीं) के आधार पर जो **मुधोल** राजा के कब्जे में है, इसका (राणाओं का वंशज होने की बात का) समर्थन किया जाता है। पर कुछ विद्वान इन्हें जाली समझते हैं। मराठा इतिहास के विद्वान श्री वी. के.राजवाड़े ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक मराठा इतिहास के साधन खण्ड - 8, पृष्ठ 132-62 पर शिवाजी के सचिव द्वारा बनाई गई राज्याभिषेक के समय की वंशावली को जाली बनाया हुआ मानते हैं।

मद्रास हाईकोर्ट के 1925 के **कोल्हापुर बनाम सुन्दरम** नामक चर्चित मुकदमा के फैसलें में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी के पूर्वजों को **कुनबी** और उत्तर भारत के **कूर्मिजन** को एक जाति माना है।

शंका : 8. अलग-अलग संगठनों के एकीकृत प्रयास से समाज विकास कैसे किया जाय ?

समाधान : सर्म्पूण विश्व में भिन्न-भिन्न संस्कृति, विचारधारा एवं कार्य प्रणाली पर चलने वाले लोगों का समावेश है। हमारा समुदाय भी इसका छोटा उदाहरण है। कूर्मि समुदाय में अलग-अलग भौगोलिक स्थिति एवं स्थानीय प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न संगठन बनायें गये हैं। सभी की प्राथमिकताएं, कार्यशैली तथा विशेषताएँ अलग-अलग हो सकती हैं परंतु उद्देश्य केवल और केवल समाज का चहुंमुखी विकास ही होता है।

समाज की अधिकतर पृच्छा रहती है कि समाज एक, तो संगठन एक क्यों नहीं? यह इसका सैद्धांतिक पहलू जरूर हो सकता है, परंतु व्यावहारिक पहलू उतना ही चुनौती भरा है। जरा सोचें, एक माता-पिता की संतानें समय व आवश्यकता के आधार पर अलग-अलग व्यवस्था के अनुरूप जीवन यापन करते हैं, जो कि अलग-अलग दृष्टिगोचर होने के बाद भी परिवार एक भावना में बंधे रहते हैं और एक-दूसरे के विकास में सहयोगी होते हैं । तो क्या इसे समुदाय द्वारा एक परिवार के अंग के रूप में स्वीकृति प्राप्त नहीं होता है? इस व्यावहारिक स्थिति को समझने के बावजूद भी विभिन्न मंचों में कूर्मि-एकीककरण या विलय के लिए आदर्श रूप की परिकल्पना करते हुए भी भ्रम जैसी स्थिति को बढ़ावा क्यों देना चाहिए ? वर्तमान परिस्थितिथियों एवं आवश्यकताओं के आधार पर कार्यरत विभिन्न संगठनों के सहयोग से समाज को कैसे चहुंमुखी विकास की दिशा में ले जाएं, आईये निम्न लिखित फ्लो चार्ट के माध्यम से इसे समझते हैं।

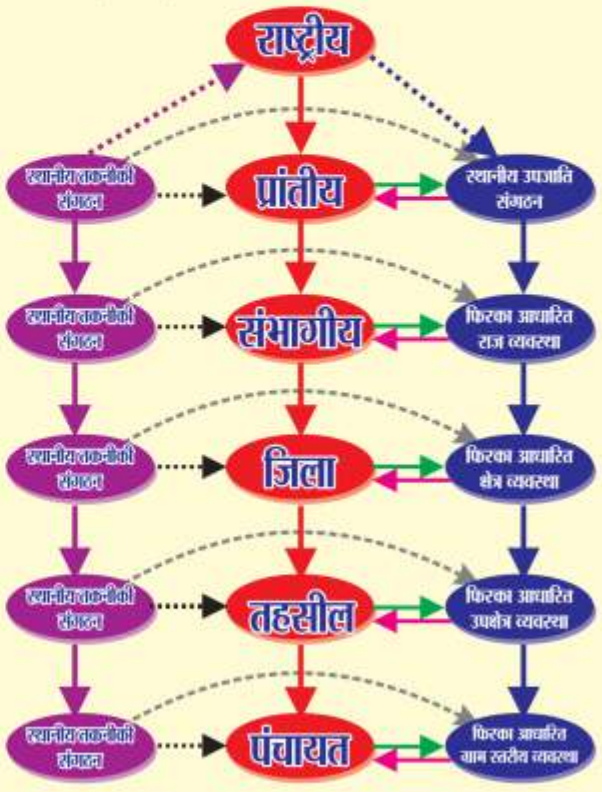

चित्र : जाति आधारित संगठनात्मक व्यवस्था का फ्लो चार्ट

उपरोक्त फ्लो चार्ट को हम केन्द्र और राज्य सरकार एवं आयोग तथा नगरीय निकाय के कार्य प्रणाली के परिप्रेक्षय में समझा जा सकता है । चित्र से स्पष्ट है कि अखिल भारतीय या प्रदेश स्तर के संगठन का कार्य समन्वय, संगठनात्मक विकास एवं समय-समय पर सुझावात्मक फीडबैक देते हुए स्थानीय संगठन को सुदृढ़ बना कर बेहतर समन्वय स्थापित करना है ।

सही कार्ययोजना व कार्य की प्रकृति तथा विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संगठनों / व्यक्तियों की प्रतिभा का उपयोग निम्नानुसार किया जा सकता है-

तालिका : कार्य विभाजन तालिका कलेण्डर

क्र.	माह	सुझावात्मक गतिविधियाँ	आयोजक संगठन का नाम
1.	जनवरी	सम्मेलन	केन्द्रीय संगठन
2.	फरवरी	सामूहिक विवाह	महिला संगठन
3.	मार्च	होली मिलन	युवा संगठन
4.	अप्रैल	क्षमता विकास प्रशिक्षण/कार्यशाला	तकनीकी संगठन
5.	मई	कृषि व व्यापार संवर्धन कार्यशाला	तकनीकी संगठन
6.	जून	कर्मचारी, व्यापारी, किसान सम्मेलन	स्थानीय उपजाति संगठन
7.	जूलाई	शैक्षणिक परामर्श व प्रशिक्षण	युवा संगठन
8.	अगस्त	स्वास्थ्य व शिविर	राज फिरका संगठन
9.	सितम्बर	अनुभव यात्रा (Exposure Visit)	क्षेत्रीय/फिरका संगठन
10.	अक्टूबर	संगठन विस्तार (पटेल जयंती माह)	केन्द्रीय संगठन
11.	नवम्बर	युवक-युवती परिचय सम्मेलन	युवा / महिला संगठन
12.	दिसम्बर	स्मारिका एवं साहित्य प्रकाशन	तकनीकी/स्थानीय संगठन

उपरोक्त तालिका के अनुरूप स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वार्षिक, त्रैवार्षिक गतिविधियों का क्रियान्वयन सक्रिय संगठन के माध्यम से समाज में वर्ष भर अनवरत जारी रहे। इससे समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, भ्रम की स्थिति एवं सुप्तावस्था से मुक्त होते हुए निश्चित समय-सीमा में सचेतन अवस्था में समाज का चहुंमुखी विकास हो सकेगा ।

शंका 9. कूर्मि समाज के प्रमुख ताकत, कमजोरी, चुनौतियाँ व अवसर क्या-क्या हैं?

समाधान -कूर्मि समाज के प्रमुख ताकत, कमजोरी, चुनौतियाँ व अवसर निम्नानुसार है:-

ताकत:-

- जीवन के महत्वपूर्ण खाद्य संसाधन पर जुड़ाव।
- देश में 28.40 लाख की आबादी अर्थात एक चौथाई से अधिक की जनसंख्या।
- अधिकतर मेहनतकस लोग व परिश्रम पर भरोसा करने वाले समुदाय।

कमजोरी:-

- समाज द्वारा एकीकरण का अभाव ।
- फिरका परस्ती व एक दूसरे को ऊँचा-नीचा दिखाना।

क्रमशः - नवम्बर पर

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

1 नवम्बर 2000
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो

11 | विक्रम संवत् 2076 | शक संवत् 1941

नवबंर - 2019

मंदिर में दान करने से पहले, अपने समाज में देख लें। शायद आपके दान की जरूरत मंदिर से ज्यादा आपके समाज को हो सकता है।

शरद / ता.17 से हेमन्त ऋतु

उम्रवार ब्लड प्रेशर मापांक कुंडली

उम्र	न्यूनतम	सामान्य	अधिकतम
1 to 12 months	75/60	90/60	110/75
1 to 5 years	80/55	95/60	110/79
6 to 13 years	90/60	105/70	115/80
14 to 19 years	105/73	117/77	120/81
20 to 24 years	108/75	120/79	132/83
25 to 29 years	109/76	121/80	133/84
30 to 34 years	110/77	122/81	134/85

उम्र	न्यूनतम	सामान्य	अधिकतम
35 to 39 years	111/78	123/82	135/86
40 to 44 years	112/79	125/83	137/87
45 to 49 years	115/80	127/84	138/88
50 to 54 years	116/81	129/85	142/89
55 to 59 years	118/82	131/86	144/90
60 to 64 years	121/83	134/87	147/91

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

1 नवम्बर
कूर्मि जगदीश कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

21 नवम्बर
कूर्मि आनंदी बेन पटेल
महामहिम राज्यपाल
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त -8,9,10,14,19,20,21,22,23,24,28,29,30

गृह प्रवेश -2,7,9,13,14,15,21,22,30

मूल

ता. 30 अक्टू. रात्रि 10.00 से ता.1नव. रात्रि 9.53 तक
ता. 9 दोप. 2.57 से ता. 11 सायं 7.18 तक
ता. 18 रात्रि 10.22 से ता. 20 रात्रि 8.05 तक
ता. 27 सुबह 8.13 से ता. 29 सु. 7.35 तक

पंचक

ता. 5 सांय 4.48 से ता. 10 सायं 5.20 तक

ऐच्छिक अवकाश

3 सहस्त्र बाहु जयंती
8 नामदेव जयंती
24 गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

याददाश्त

सोम MONDAY		कार्तिक शुक्ल 8 **4** गोपाष्टमी श्रवण	कार्तिक शुक्ल 14 **11** अश्विनी	मार्गशीर्ष कृष्ण 6 **18** पुष्य	मार्गशीर्ष कृष्ण 14 **25** स्वाती
मंगल TUESDAY		कार्तिक शुक्ल 9 **5** आंवला नवमी धनिष्ठा समस्त	कार्तिक शुक्ल 15 **12** पूर्णिमा गुरुनानक जयंती भरणी	मार्गशीर्ष कृष्ण 7 **19** इंदिरा गांधी जयंती कालभैरव जयंती रानी लक्ष्मी बाई जयंती अश्लेषा	मार्गशीर्ष कृष्ण 15 **26** अगहन अमावस डॉ. हरिसिंह गौर जयंती विशाखा
बुध WEDNESDAY		कार्तिक शुक्ल 9 **6** धनिष्ठा दि.	मार्गशीर्ष कृष्ण 1 **13** अगहन प्रारम्भ कृत्तिका	मार्गशीर्ष कृष्ण 8 **20** मघा	मार्गशीर्ष शुक्ल 1 **27** चन्द्रदर्शन दाऊ ज्ञान सिंह दिवाकर जयंती अनुराधा
गुरु THURSDAY		कार्तिक शुक्ल 10 **7** शतभिषा	मार्गशीर्ष कृष्ण 2 **14** बाल दिवस पं. नेहरू जयंती रोहिणी	मार्गशीर्ष कृष्ण 9 **21** पू.फा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 2 **28** जोती राव फूले पुण्यतिथि ज्येष्ठा
शुक्र FRIDAY	कार्तिक शुक्ल 5 **1** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस हरियाणा दिवस मूल	कार्तिक शुक्ल 11 **8** देवउठनी एकादशी तुलसी विवाह नामदेव जयंती पू.भा.	मार्गशीर्ष कृष्ण 3 **15** बिरसामुण्डा जयंती मृगशिरा	मार्गशीर्ष कृष्ण 10/11 **22** एकादशी उ.फा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 3 **29** मूल
शनि SATURDAY	कार्तिक शुक्ल 6 **2** छठ पूजा पू.षा.	कार्तिक शुक्ल 12 **9** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश प्रदोष व्रत उ.भा.	मार्गशीर्ष कृष्ण 4 **16** कार्यालयीन अवकाश पत्रकारिता दिवस आर्द्रा	मार्गशीर्ष कृष्ण 11/12 **23** एकादशी बैंक अवकाश हस्त	मार्गशीर्ष शुक्ल 4 **30** पू.षा.
रवि SUNDAY	कार्तिक शुक्ल 7 **3** भगवान सहस्त्रबाहु जयंती उ. षा.	कार्तिक शुक्ल 13 **10** ईद-ए-मिलाद उन्नबी रेवती	मार्गशीर्ष कृष्ण 5 **17** संत तुकड़ो जी जयंती पुनर्वसु	मार्गशीर्ष कृष्ण 13 **24** प्रदोष व्रत गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस चित्रा	**शासकीय अवकाश** 12 गुरुनानक जयंती

नव वर्ष की मंगलमय शुभकामनाओं सहित
दिशा कम्प्यूटर्स
डिजिटल सेवा केन्द्र
ग्रामीण चॉईस सेंटर
लोक सेवा केन्द्र
AISECT CSC
कूर्मि गणेश कौशिक
महामाया चौक देवतरा, तखतपुर, बिलासपुर (छ.ग.)
संपर्क सूत्र :- 7509603827, 9589972127 ganesh8angel@gmail.com

कौशिक कूलर
कूर्मि मनोज कौशिक
हमारे यहाँ आलमारी, संन्दूक, पेटी, विन्डो कुलर डक्टिंग कुलर, डिजेट कुलर थोक एवं चिल्हर प्राप्त करें
पता : वासु मंगलम्, चकरभाठा केम्प, न.पं. बोदरी
मो. : 7697507643, 7974548669

कूर्मि विश्वनाथ कश्यप
प्राचार्य,
शास.उ.मा.वि., पोंड़ी (लाफा)
प्रदेश सचिव,
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 7898654395

कूर्मि आदित्य पाटनवार
प्रदेश महासचिव
(युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 9329631201

विनम्र श्रद्धांजलि
जन्म 8 मार्च 1965
निर्वाण 11 नवम्बर 2017
कूर्मि स्व. श्री शिवकुमार कश्यप
(उप प्राचार्य, नवोदय विद्यालय)
कूर्मि कैलाश कश्यप
सहकारिता विस्तार अधिकारी, पथरिया
श्रद्धावनत :
कूर्मि ऋषि कश्यप
(व्याख्याता जीवविज्ञान)
संयोजक-छत्तीसगढ़ आरोग्य भारती जिला-मुंगेली
आजीवन सदस्य-प्रेमचंद हिन्दी साहित्य समिति तखतपुर
आजीवन सदस्य-भारत स्काउट एण्ड गाइड छत्तीसगढ़
प्रदेश सचिव-सर्व पिछड़ा वर्ग महासभा छत्तीसगढ़
प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य-छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जिला सचिव-छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय समाज,बिलासपुर
वरिष्ठ सलाहकार-सर्व कूर्मि समाज, तखतपुर
सदस्य नर्मदा नगर योग समिति, बिलासपुर
निवास : कश्यप ऋषि कुटीर वार्ड नं. 1 तखतपुर, छत्तीसगढ़ - 9752619272

हार्दिक शुभकामनाओ सहित
• पुष्पक सेफ एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज
• पुष्पक इलेक्ट्रानिक्स
• पुष्पक इंटीरियर डेकोरेटर
कूर्मि शेखर वर्मा
अध्यक्ष
आटोमेटिक मशीन द्वारा निर्मित स्टील आलमारी, कूलर, टेबल, रेक एवं लेमीनेटेड प्लाईवुड के फर्नीचर्स के निर्माता एवं विक्रेता
टी.वी., एल. ई. डी., फ्रिज, वाशिंग मशीन, एवं अन्य इलेक्ट्रानिक उत्पाद तथा सभी प्रकार के लकड़ी के फर्नीचर्स के विक्रेता
शिवोम् विहार, महादेव घाट, रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) मोबाइल : 98261-11448, 98261-50900, 93018-22200

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

नवम्बर-2019

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान क्रमशः...

क्रमशः - अक्टूबर से आगे ....

- रूढ़िवादी परंपरा का अंधानुकरण।
- विभिन्न संगठन का समेकित प्रयास का अभाव।
- समुचित कार्ययोजना व रणनीति का अभाव।
- राजनैतिक संरक्षण व भागीदारी का अभाव।
- अपनों पर भरोसा कम करना तथा दूसरे के बात का अंधानुकरण करना अर्थात बिना परीक्षण व जानकारी को परखे, पराए पर सीधा भरोसा करना।

चुनौतियाँ:-

- 28.40 लाख की आबादी के लिए एक सूत्र में बाँधने हेतु कार्ययोजना तैयार कर उचित क्रियान्वयन।
- रूढ़िवादी परंपरा के स्थान पर समसामयिक व्यवस्था का निर्माण करना।
- फिरका परस्ती को जोड़कर सभी कूर्मि समुदाय का एकीकरण।
- समाज के ही व्यक्ति को पथ प्रदर्शक के रूप में मान्यता देकर स्थापित करना।

अवसर:-

- जीवन के महत्वपूर्ण खाद्य संसाधन को व्यवसाय के रूप में तैयार करना।
- मेहनतकश समुदाय के लिए कृषि, व्यवसाय, राजनैतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में लक्षित प्रयास करना।
- देश के आबादी की एक चौथाई से अधिक की जनसंख्या को एकीकरण में पीरोने पर व्यवसाय व राजनैतिक क्षेत्र में अपार संभावनाएँ।

शंका 10. कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग समाज विकास में किस प्रकार सहायक है ?

समाधान-कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग से समाज में जानकारी व जागृति पैदा किया जा सकता है। पञ्चाङ्ग समाज विकास में निम्न प्रकार सहायक है:-

1. कूर्मि पञ्चाङ्ग के माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच, परंपरा, भ्रम तथा शंकाओं का तार्किक व वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध कराया जाता है।
2. पञ्चाङ्ग द्वारा कूर्मि समाज के इतिहास को संदर्भ सहित प्रस्तुत कर आत्मबोध व गौरवशाली परंपरा का ज्ञान कराना।
3. कूर्मि समाज के नई पीढ़ियों में समाज बोध व महापुरूषों की जानकारी उपलब्ध कराना।
4. समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ नवीन आवश्यकता के अनुरूप समाज की दिशा व दशा निर्धारण के लिए दृष्टिकोण दस्तावेज (vision documents) प्रदान कराना।
5. समाज में चेतना का संचार, क्षमता विकास व संवर्धन के लिए माहौल तैयार करना।

इस प्रकार पञ्चाङ्ग के माध्यम से कूर्मि समाज में शिक्षा, सूचना व संचार का प्रसार करते हुए व्यवहार परिवर्तन का कार्य व नई पीढ़ी को Ready Reference Materials के रूप में सरल व सुलभ जानकारी निरंतर प्रदान करना ।

शंका 11. इस पञ्चाङ्ग को हम लोगों तक कैसे पहुँचा सकते हैं ?

समाधान-कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग को हम निम्न तरीके से लोगों तक समाज के घर-घर पहुँचा सकते हैं:-

1. समाज के विभिन्न आयोजनों के दौरान स्टॉल लगाकर लोगों तक पहुँचा सकते हैं।
2. जन्मदिवस, नववर्ष, विवाह व अन्य महोत्सव पर अपने ईष्ट मित्रों को पञ्चाङ्ग उपहार देकर लोगों तक पहुँचा सकते है।
3. भागवत, यज्ञ, रामायण आदि कार्यक्रमों के दौरान अपने चिर परिचितों को पञ्चाङ्ग उपहार देकर लोगों तक पहुँचा सकते हैं।

शंका 12. क्या विजातीय विवाह वाले को वर्तमान समय में समाज से तिरष्कृत/बहिष्कृत किया जाना धर्म अनुरूप है?

समाधान-जातिगत समाज, आपस में जोड़ने और दु:ख-सुख में साथ चलने के लिए समाजिक विचार धारा, कार्य व संस्कृति का व्यापक रूप है। समाज की अवनति का बड़ा कारण यह है कि हम प्रतिभाशाली व योग्य व्यक्तित्व को मुख्य धारा में जोड़कर उनका उपयोग समाज विकास में नहीं कर पा रहे हैं। एक ओर हम शिक्षा को बढ़ावा देने की ओर उन्मुख हैं, वहीं दूसरी ओर उच्च शिक्षित प्रतिभाओं को पुरानी रूढ़िवादी परंपरा में बाँधने की हास्यास्पद भूल भी करते हैं। इतिहास गवाह है कि जो समय के अनुरूप अपने आपको अद्यतन नहीं करता वो विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट जाता है।

उदाहरण:- एचएमटी घड़ी, नोकिया मोबाईल इत्यादि का पुराने समय में कोई टक्कर नहीं था, किन्तु वर्तमान समय में वे बाजार में काफी पीछे है, कारण सिर्फ समय के साथ बदलाव नहीं किया गया। उसी प्रकार यदि कूर्मि समाज द्वारा समय के रहते पुरानी दकियानुसी परंपराओं को समयानुरूप परिष्कृत व अद्यतन नहीं किया गया तो हम काफी पीछे हो जाएंगे। आज हमसे पीछे वाले समाज यादव, आदिवासी, तेली आदि विकास में हमसे सामान्तर या आगे होते जा रहे हैं और हम अपनी पुरानी रूढ़ीवादी मान्यताओं के कारण अपनों को ही अपनो से दूर करने की गलती को दिन प्रतिदिन दोहराव कर रहे हैं।

अब हम देखते हैं कि प्राचीनकाल में विवाह की क्या व्यवस्था थी। प्राचीन पुराणों व ग्रंथो का अध्ययन से यह बात स्पष्ट हो जाता है कि प्राचीनकाल में ऐसी संकीर्णता नहीं थी। वर-वधु में जाति और उपजाति का नहीं बल्कि गुण और स्वभावों का मेल बिठाया जाता था और ऐसे विवाह सामाजिक रूप से मान्य होते थे।

उदाहरण:- व्यास और पाराशर मुनि की माताएँ दूसरे वर्ण की थी। व्यास मुनि की माँ केंवट पुत्री थी और पाराशर मुनि की माँ श्वपच (चांडाल) के घर जन्मी थीं। द्रुपद, मात्स्य, आयु, दत्त, द्रोण, कक्षीवान, श्रृंगी महर्षि, कश्यप मुनि नीच कहे जाने वाले कुलों में जन्मे थे। वशिष्ठ अपने पौत्र का विवाह चित्र मुख वैश्य की कन्या से किया था । राजा नीप का विवाह शुक्राचार्य ब्राह्मण की कन्या से हुआ था । भीष्म के पिता शांतनु ने धीवर कन्या से शादी की थी । वशिष्ठ गणिका के पुत्र थे। इसी प्रकार मातंग ऋषि के पिता नाई कुल के थे माँ ब्राह्मण थी । क्षत्रिय कन्या पद्मा ने विप्लाद और लोपा मुद्रा ने अगस्त्य ऋषि से विवाह किया था । विश्वामित्र ने मेनका से संबंध स्थापित किया, जिसकी बेटी शकुंतला दुष्यंत से व्याही गयी। श्रृंगी ब्राह्मण ने राजा दशरथ की पुत्री शांता से विवाह किया था । प्रियव्रत की बेटी उर्जस्वती से शुक्राचार्य ने विवाह किया था । सुर्यवंशी कन्या रेणुका का विवाह यमदग्नी ऋषि से हुआ ।

इस प्रकार के अनेकानेक उदाहरण हैं । जिसमें संबंध जाति समानता के आधार पर नहीं गुण, कर्म स्वभाग के मेल के आधार पर किये जाते थे । यही कारण है उस समय समाज न केवल व्यवस्थित, संगठित ही था बल्कि व्यापक भी था । आधुनिक समय की वैज्ञानिक धारणा भी उपरोक्त ऋषि दृष्टि का समर्थन करती है । समाज मनोविज्ञानी वी.एल. वासम ने 'साईकोलाजिकल डेव्हलपमेन्ट एण्ड ह्यूमेन सोसायटी' में विभिन्न समाजों के पारस्परिक संबंधों की मनोवैज्ञानिक विवेचना की है । उनके अनुसार विवाह संबंध का आधार वर-वधु की मानसिकता को माना जाय । इसके विवेचन-विश्लेषण को आधार बनाकर चुने गये संबंध ही चिर मधुर हो सकते हैं, अनुवांशिकी के ख्याति नाम अध्येता विनचेष्टर अपने अध्ययन 'प्रिंसिपल्स ऑफ जेनेटिक्स' में स्पष्ट करते हैं कि किसी भी प्रजाति का विकास तभी संभव है जबकि प्रजनन के संबंधों का दायरा बड़ा हो । इसी के आधार पर भावी संतति सफल हो सकती है ।

वैज्ञानिक एवं सामाजिक अध्ययन प्राचीन परंपरा से तो मेल खाते हैं पर आधुनिक लोक प्रचलन से इनका कोई तालमेल नहीं । इसका एक ही कारण है कि जाति पाति का आधार न तो तर्क संगत है, ना विवेक संगत न उसमें बुद्धि-विवेक का समर्थन है और न उसकी संगठनात्मक उपयोगिता है । इस अनौचित्य पूर्ण परंपरा का टूटना ही स्वाभाविक है और यह होगा ।

शंका13 . क्या जातिगत कार्य के लिए काम करना जातिवाद को बढ़ावा देना है?

समाधान- अरस्तु ने कहा था **'जो समाज में नहीं रहता, वह पशु है या देवता'** मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में किसी न किसी रूप में योगदान देता है। वसुधैव कुटुम्बकम् भी इस बात को प्रमाणित करता है कि पूरा विश्व एक कुटुम्ब/ कुनबा या कूर्मि का व्यापक रूप है।

समाज की सबसे छोटी ईकाई परिवार है तथा उसके बाद ग्राम, जिला , राज्य तथा देश उत्तरोतर स्थान रखता है। उसी प्रकार हमारी नैतिक जिम्मेदारी परिवार के बाद उपसमूह व जाति उसके बाद अन्य पिछड़ा वर्ग तथा संपूर्ण मानव के प्रति होता है। विकास क्रमश: एक सीढ़ी की तरह होता है। जो लोग सीधे संपूर्ण मानव की बात करते है, वे समेकित विकास की परिकल्पना से परे होकर दुरूह कार्य को इंगित करते हैं। अपवाद को छोड़ दें तो बिना प्राथमिक शिक्षा के उच्च शिक्षा की बात केवल पुलावी ख्याल मात्र है उसी प्रकार अपने समुदाय की विकास के बिना संपूर्ण मानव की बात करना समुचित विकास का पैमाना कतई नहीं हो सकता। अर्थात हम अपने परिवार (समाज) का विकास किए बिना स्थायी विकास की बातें नहीं कर सकते।

विज्ञान या शोध भी इस बात को प्रमाणित करता है कि सेम्पल साईज छोटा (उपजाति) होने पर ही हम परीणाम तक सही पहुँच सकते हैं और फिर उसे बड़ी साईज पर (सम्पूर्ण मानव समाज) पर प्रयोग कर सकते हैं। आज सभी लोग सम्पूर्ण मानव की बात की बात तो करते हैं किन्तु जातिगत बात को संकीर्णता का द्योतक बताते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि आज भी हमारे देश में विकास एक सपना बन कर रह गया है। हम जमीन या मूल कारण की ओर कम ध्यान दे रहे है।

उपरोक्त तथ्य से स्पष्ट है कि जातिगत या अपने समुदाय के विकास की बात करना ही असली समाज या राष्ट्र सेवा है। बिना परिवार/ समाज का विकास किए बिना राष्ट्र का विकास अधूरा है। इस प्रकार जाति के लिए काम करना जातिवाद को बढ़ाना देना नहीं बल्कि समुचित विकास के लिए नींव बनकर कार्य करना है।

शंका 14. कूर्मि समाज/ पिछड़े वर्ग के अधिकतर राजनीतिज्ञ दूसरे समाज की तुलना में क्यों आगे नहीं बढ़ पाते हैं?

समाधान- कूर्मि समाज के प्रमुख राजनीतिज्ञों के मन में यह भ्रम रहता है कि अवसर उनके स्वयं के व्यक्तित्व से मिला है, जबकि वास्तव में उन्हे समाज के प्रतिनिधित्व के रूप में अवसर प्राप्त होता है। समाज के नेताओं को यह डर रहता है कि यदि समाज के लोग आगे बढ़ जाएगें तो उनके प्रतिद्वंद्वी तैयार होंगे। इस प्रकार के भ्रम से कूर्मि समाज/ पिछड़े वर्ग के अधिकतर राजनीतिज्ञ अपने समुदाय के लोगों को दरकिनार कर अन्य लोगों पर भरोसा करते हैं और अन्य लोग अवसर तक ही साथ देते हैं तथा आवश्कता के समय साथ छोड़ देते हैं। इस प्रकार हमारे समुदाय के राजनीतिज्ञ अपना वास्तविक सहयोगी नहीं तैयार कर पाता और पूर्व के सहयोगियों को भी खोकर अकेला पड़ जाता है। उपरोक्त परिस्थितियों के कारण समाज के नेता न तो समाज को समुचित सहयोग कर पाता है और न हि अपना कोई सही सहयोगी ही तैयार कर पाता है । फलत: वे विफल होते हैं और न अपनी स्थाई साख बना पाते हैं। इसके विपरीति उच्च वर्ग के राजनीतिज्ञ अपने समुदाय को लगातार सहयोग कर दिन-प्रतिदिन अपने सहयोगियों की सख्या में विस्तार करते हैं; जिसके फलस्वरूप वे स्थायी रूप से आगे बढ़ने के लिए सफल होते हैं तथा वे अपने पांचवर्षीय कार्यकाल के दौरान प्रतिवर्ष 50-100 लोगों को आगे बढ़ाते हुए लाभान्वित करते है, जो चुनाव के समय लगभग 500 लोगों का यही फौज स्थाई रूप से मदद के लिए तत्पर रहते हैं। फलस्वरूप ही उच्चवर्ग के राजनीतिज्ञ निरंतर सफल होते जाते हैं जबकि बिना कार्यकर्ताओं के फौज कूर्मि समाज के राजनितिज्ञ अपनी साख खो देते हैं और राजनीति में असफलता से ग्रसित हो जाते हैं ।

अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा
जियो और जीने दो

29 दिसम्बर अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो

12	विक्रम संवत् 2076 शक संवत् 1941	**दिसबंर - 2019**	पढ़ा-लिखा व्यक्ति यदि अपने समाज को अंध विश्वास एवं अज्ञानता की दल-दल से बाहर ना निकाल पाए तो उसके शिक्षित होने का कोई अर्थ नहीं है।	हेमन्त ऋतु

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

❖ शीतकालीन मौसमी पुष्पों में सिंचाई एवं उर्वरक प्रबंधन करें। ❖ मिर्च के चूर्डा-मूर्डा रोग की रोकथाम के लिए मिथाइल डेमेटान कीटनाशी (1 मि.ली./ली.पानी) का छिड़काव 10-15 दिन के अन्तराल पर करें। ❖ आम में एन्थ्रेक्नोस रोग आने पर साफ-सुपर (2 ग्रा./ली. पानी) का दो बार छिड़काव 10-12 दिन के अन्तराल पर करें। ❖ आलू में विषाणुजनित रोगों की रोकथाम हेतु मिथाइल डेमेटान (1 मि.ली./ली.पानी) का छिड़काव करें। ❖ मिर्च, अदरक, गाजर, मटर, पालक, रखिया आदि से बने परिरक्षित पदार्थों को सुरक्षित करें। ❖ रबी फसल व सब्जी की फसलों में प्रथम सिंचाई प्रक्षेत्र जलाशय (डबरी) में उपलब्ध पानी से करें। ❖ गेहूँ की विलम्ब/देरी से बुवाई की दशा में बीज की मात्रा अनुशंसित मात्रा से 20-25 किलो प्रति हेक्टे.की दर से बढ़ा देवें। ❖ मटर में भभुतिया रोग आने पर घुलनशील गंधक/केराथेन/कार्बेन्डाजिम के दो छिड़काव करना चाहिए। ❖ मटर में गेरूआ रोग लगने पर जिनेब/ट्राइडेमार्फ/आक्सीकार्बाक्सिन फफूंद नाशी को दो बार छिड़काव करना चाहिए। ❖ उड़द व मूंग की फसल को यलो मोजेक रोग से बचाने हेतु मेटासिस्टाक्स या मेथिल डेमॉटान कीटनाशी का छिड़काव करें।

जन्मदिन की शुभकामनाएँ

12 दिसम्बर
कूर्मि शरद पवार
पूर्व रक्षामंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री

16 दिसम्बर
कूर्मि एच.डी.कुमार स्वामी
मुख्यमंत्री, कर्नाटक

19 दिसम्बर
श्रीमती प्रतिभा पाटिल
महामहिम पूर्व राष्ट्रपति

मुहूर्त

विवाह मुहूर्त - 1, 5, 6, 7, 11, 12
गृह प्रवेश - 2, 6, 7, 11, 12

मूल
ता. 6 रात्रि 10.58 से ता. 9 रात्रि 3.31 तक
ता. 16 सु. 4.02 से ता. 18 रात्रि 1.27 तक
ता. 24 सायं 5.00 से ता. 26 सायं 4.51 तक

पंचक
ता. 3 रात्रि 0.58 से ता. 8 रात्रि 1.29 तक
ता. 30 सु. 9.36 से 4 जन. सु. 10.06 तक

वार					
सोम MONDAY	पौष शुक्ल 4 **30** धनिष्ठा	मार्गशीर्ष शुक्ल 6 **2** श्रवण आवास दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 12 **9** भरणी प्रदोष व्रत	पौष कृष्ण 5 **16** अश्लेषा	पौष कृष्ण 12 **23** विशाखा प्रदोष व्रत, राष्ट्रीय किसान दिवस
मंगल TUESDAY	पौष शुक्ल 5 **31** शतभिषा	मार्गशीर्ष शुक्ल 7 **3** धनिष्ठा विश्व विकलांगता दिवस, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती	मार्गशीर्ष शुक्ल 13 **10** कृत्तिका मानव अधिकार दिवस, शहीद वीरनारायण सिंह बलिदान दिवस	पौष कृष्ण 6 **17** मघा	पौष कृष्ण 13 **24** अनुराधा राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस
बुध WEDNESDAY	**शासकीय अवकाश** 18 गुरुघासीदास जयंती 25 क्रिसमस दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 8 **4** शतभिषा जल सेना दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 **11** रोहिणी समस्त दत्तात्रेय जयंती	पौष कृष्ण 7 **18** पू.फा. सैय्यदना साहब जयंती, गुरुघासी दास जयंती	पौष कृष्ण 14 **25** ज्येष्ठा दर्श अमावस्या, क्रिसमस दिवस
गुरु THURSDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 10 शहीद वीरनारायण सिंह बलिदान दिवस 11 दत्तात्रेय जयंती 18 डॉ.सैय्यदाना सा. का जन्मदिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 9 **5** पू.भा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 15 **12** मृगशिरा पूर्णिमा	पौष कृष्ण 8 **19** उ.फा.	पौष कृष्ण 15 **26** मूल पौष अमावस्या, सूर्य ग्रहण
शुक्र FRIDAY	याददाश्त	मार्गशीर्ष शुक्ल 10 **6** उ.भा. डॉ. अम्बेडकर पुण्यतिथि	पौष कृष्ण 1 **13** आर्द्रा	पौष कृष्ण 9 **20** हस्त	पौष शुक्ल 1 **27** पू.षा. चन्द्र दर्शन
शनि SATURDAY		मार्गशीर्ष शुक्ल 10 **7** रेवती झंडा दिवस	पौष कृष्ण 2 **14** पुनर्वसु बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, ऊर्जा बचत दिवस	पौष कृष्ण 10 **21** चित्रा कार्यालयीन अवकाश	पौष शुक्ल 2 **28** उ.षा बैंक अवकाश
रवि SUNDAY	मार्गशीर्ष शुक्ल 5 **1** उ.षा. श्रीराम विवाहोत्सव, सीमा सुरक्षा बल दिवस, एड्स जागरूकता दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 11 **8** अश्विनी मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती	पौष कृष्ण 3/4 **15** पुष्य	पौष कृष्ण 11 **22** स्वाती सफला एकादशी	पौष शुक्ल 3 **29** श्रवण अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस

सभी स्वजातीय बंधुओं को नववर्ष 2020 की अग्रिम शुभकामनाएँ

कूर्मि अर्जुन लाल वर्मा
ग्राम-टेकारी, पो. गिरौद (मांढर) वि.ख. - धरसींवा, जिला-रायपुर
मो. : 07566755873

कूर्मि डी.आर धुरंधर
ग्राम-उरकुरा, पो. बिरगांव रायपुर (छ.ग.)
मो. : 07224831155

कूर्मि आर.ए. चंद्राकर
कूर्मि विमला चंद्राकर
गायत्री प्रज्ञापीठ पेण्ड्री कला, रापा, जिला-कबिरधाम (छ.ग.)

गणेश चौक, नेहरु नगर, बिलासपुर
कूर्मि भरत कश्यप
कूर्मि ममता कश्यप
पार्षद-वार्ड क्रमांक 05
अयोध्या नगर, न.पा.नि., बिलासपुर

श्री साँई कन्सलटेन्सी
गांधीनगर चौक (अमेरी रोड) नेहरू नगर बिलासपुर (छ.ग.) 495001

जिंदगी तो कूर्मि जिया करते है, दिग्गजों को पछाड़ा करते है। कौन रखता है किसी के सर पर हाथ, कूर्मि तो अपना राजतिलक खुद किया करते है।।

कूर्मि एल.एन.कौशिक
जिलाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.क्ष.चे.मं. बिलासपुर
मो. 9479230996

कूर्मि विनोद चन्द्राकर
महासचिव
चन्द्रनाहू कूर्मि क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ राज्य
मो. 9425203976

समस्त स्वजातीय बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन....

कूर्मि नरेन्द्र कुमार चन्द्रा
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला-मुंगेली

कूर्मि कल्पना चन्द्रा
संभागीय कार्यकारिणी सदस्य
महिला प्रकोष्ठ
छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच

कूर्मि लोकेश चन्द्रा
कूर्मि मयंक चन्द्रा

समाज के सर्वांगिण विकास में निरंतर प्रयासरत स्वजातीय बंधुओं को हार्दिक बधाई

कूर्मि आर.के. कौशिक
तक. अधिकारी, वन विभाग
मो. 9425262729

कूर्मि सुमन कौशिक
शिक्षिका

कूर्मि डॉ. वैभव कौशिक
एम.बी.बी.एस., डी. आर्थो

कूर्मि डॉ. विधी कौशिक
एम.बी.बी.एस.

किसानों की सेवा में 42 वर्ष

कृषक साथी
प्रो. कूर्मि गयाकरुण चन्द्राकर
रासायनिक खाद, कीटनाशक,दवाएं, उन्नत बीज एवं पार्ट्स के विक्रेता
डिस्ट्रीब्यूटर्स- एक्सेल क्रांप केयर लिमिटेड, मुंबई
शनिचरी बाजार, बिलासपुर, (छ.ग.) मो.9425530635
संबंधित फर्म : चंद्राकर कृषि केन्द्र मुंगेली नाका बिलासपुर
: कृषक साथी, स्टेट बैंक के सामने मोपका
डीलरशिप

सामाजिक एकीकरण के लिए प्रयासरत सभी स्वजनों को हार्दिक बधाई

कूर्मि देवनारायण-मीनादेवी कश्यप
प्रदेश सचिव, मो. 9827475523

डॉ. कूर्मि दीपक-अंजली कश्यप
कूर्मि प्रकाश-रेखा कश्यप

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277

कूर्मि चेतना अंक - 5 (2019)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय - कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com

दिसम्बर - 2019

सम्पादकीय एवं प्रकाशन विवरण

अपनों से अपनी बात

आत्मीय स्वजातीय बंधुओं,

नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ सादर अभिवादन...

आप अवगत ही हैं कि **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** के माध्यम से समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा महान विभूतियों की जानकारी देते हुए आत्मगौरव का बोध कराया जाता है। इसके माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, उदासीनता, भ्रम तथा शंकाओं का तार्किक एवं वैज्ञानिक समाधान की जानकारी प्रकाशित करते हुए समाज में जागृति व चेतना का संचार किया जा रहा है।

वर्तमान पीढ़ी कम्प्यूटर व मोबाईल के घेरे में दिन-प्रतिदिन घिरते जा रहा है, ऐसी परिस्थिति में अपनी मूल संस्कृति व महापुरुषों तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से उन्हें अवगत कराने का कार्य, वर्तमान के लिए कठिन व चिंता का विषय होता जा रहा है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** का पंचम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पञ्चाङ्ग न केवल वर्तमान पीढ़ी की शंका का समाधान करेगा, बल्कि नई पीढ़ी के व्यवहार परिवर्तन एवं उनकी जिज्ञासा को पूरा करने में सहयोग प्रदान करेगा।

इस पञ्चाङ्ग के माध्यम से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ दूरभाष नंबर भी दिया गया है, जिससे आवश्यकता अनुसार संपर्क व मेल मिलाप बढ़ाकर समाजिक, एकीकरण की दशा में उन्मुख हो सकें। इसमें राज्यवार कूर्मियों की जनसंख्या, निवासरत कूर्मियों की जानकारी भी समाहित किया गया है, ताकि अपने लोगों का चिन्हांकन आसानी से हो सके।

आशा है पञ्चाङ्ग का यह नया कलेवर समाज के लिए उपयोगी होगा और समाज विकास की कड़ी में सहायक होगा। अपने व्यस्ततम बहुमूल्य समय में से कुछ पल इसे पढ़ने हेतु अवश्य निकालें और हाँ! सुझाव देने में कृपणता नहीं बरतेंगे, ऐसा आग्रह है । सदैव की भांति समाज हित में आपका सहयोग विनम्रता पूर्वक अपेक्षित है ।

पुनः नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ...

-संपादक मंडल

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष संरक्षण-

कूर्मि एल. पी. पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि डॉ. वी.एस. निरंजन (राष्ट्रीय महासचिव-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि लतात्रृषि चंद्राकर(महिला, राष्ट्रीय अध्यक्षा-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि डी.एम.कटियार (युवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि विजय बघेल (प्रदेशाध्यक्ष-छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज)
समस्त फिरका प्रमुख, सर्व कूर्मि-क्षत्रिय समाज, छत्तीसगढ़।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष मार्गदर्शन -

कूर्मि जगदीश कौशिक, कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक, **कूर्मि डॉ. निर्मल नायक** (प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच) कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई, कूर्मि ललित बघेल, कूर्मि आलोक चंद्रवंशी, कूर्मि पूरन बैस।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2018 संपादक मंडल :-

कूर्मि बी. आर. कौशिक (प्रभारी) - 7000992193, कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार- 9300851771, कूर्मि सुशील भोले - 9826992811, कूर्मि भारत लाल वर्मा - 9826168682, कूर्मि विश्वनाथ कश्यप - 7898654395, कूर्मि सुरेश कौशिक-9131187283, कूर्मि ऋषि कश्यप-9752619272, कूर्मि बलराम चन्द्राकर- 7987684916, कूर्मि अनिल चंद्राकर - 9329111036

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल - 9425522629 (संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2019)

प्रकाशन सहयोग :- कूर्मि श्रीमती नंदिनी पाटनवार, कूर्मि सुखनंदन कौशिक, कूर्मि प्रदीप कौशिक, कूर्मि मोहन कश्यप, कूर्मि डॉ.एल.सी. मढ़रिया, कूर्मि दिनेश वर्मा, कूर्मि मोरध्वज चन्द्राकर, कूर्मि डॉ.गजेन्द्र चंद्राकर, कूर्मि नागेश बंछोर, कूर्मि संजीव पाटिल 'गांधी', कूर्मि टेसूलाल धुरंधर, कूर्मि नंदलाल चंद्राकर, कूर्मि देवी चन्द्राकर, कूर्मि लखन चंदेल, कूर्मि लक्ष्मीकांत कौशिक, कूर्मि मिथिलेश सिंगरौल

निवेदन

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के माध्यम से अपने व्यापार, नाम को समाज के घर-घर पहुँचावें..

कूर्मि समाज एक श्रमजीवी समाज है। समाज में एकीकरण से शिक्षा, व्यवसाय, राजनैतिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत को नई दिशा व ऊँचाई प्राप्त होगा। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए कूर्मि समाज के इतिहास, संस्कृति, पर्व तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग का प्रकाशन किया जाता है।

आगामी अंक कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2020 में भारत भर में निवासरत कूर्मियों के इतिहास, संस्कृति, गोत्रावली, उपजाति फिरका की जानकारी, प्रमुख त्यौहार, महापुरुषों की जानकारी से भरपूर कलेवर समाहित किया जावेगा। यह पञ्चाङ्ग न केवल हमारी जानकारी बढ़ाएगा बल्कि हमारी नई पीढ़ियों की जागृति व व्यवहार परिवर्तन में सहायक होगा। प्रस्तावित पञ्चाङ्ग को एक बेहतरीन कलेवर के रूप में प्रस्तुति के लिए आपका सहयोग व विचार आमंत्रित है।

नोट -रु.6000, रु.10,000, रु.15,000, रु.20,000, रु.25,000 का सीमित प्रकाशन सहयोग आमंत्रित है... सहयोग राशि ऑनलाइन जमा करने हेतु खाता क्र.

Chhattisgarh Kurmi Kshatriya Chetana Manch
S.B.I. A/C No.63028610257, IFS Code SBIN0030243
Telephone Exchange Branch-Bilaspur (Chhattisgarh) 495001

राशि जमा कर पावती के साथ सूचित करें, जिससे संगठन के खाते से मिलान किया जा सके।

आपका अपना ही

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9826165881
ईमेल - kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव व संपादक
(कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2020)
मो. 09425522629,
ईमेल - jkumar001@gmail.com

टीप : पञ्चाङ्ग प्रकाशन का मूल उद्देश्य कूर्मि समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परम्परा, गलत मान्यता को दूर कर लोगों में वैज्ञानिक व तथ्यपरक जानकारी देना है । इस मूल भावना को ध्यान में रखते हुए पञ्चाङ्ग प्रकाशन दल द्वारा विषय वस्तु तैयार करते समय विशेष सावधानी रखी गई है फिर भी किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर कृपया अवगत करावें ।

पञ्चाङ्ग के गणित, तिथि, नक्षत्र, लग्न, योग, पंचक, मुहूर्त, व्रत, जयंती व दिवस इत्यादि का संकलन व प्रुफ रीडिंग तथा सम्पादन इत्यादि में सावधानी रखने का प्रयास किया गया है; फिर भी यत्र-तत्र त्रुटि होने पर उपयोगकर्ता उन्हें सुधार कर उपयोग करने का कष्ट करें । किसी प्रकार से त्रुटि व भूल के लिए हम सम्पादक, संग्रहणकर्ता, प्रकाशक दल एवं मुद्रक जिम्मेदार नहीं है। प्रकाशन के संबंध में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति पर न्यायलीन क्षेत्र बिलासपुर (छ.ग.) होगा ।

पञ्चाङ्ग मिलने का संपर्क सूत्र-

रायपुर	कूर्मि अनिल चंद्राकर	9329111036
महासमुंद	कूर्मि विनोद चंद्राकार	9425203876
बलौदाबाजार	कूर्मि टेसुलाल धुरंधर	9425520852
धमतरी	कूर्मि छत्रपाल बैस	9424239090
बिलासपुर	कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक	9827157927
मुंगेली	कूर्मि सुरेश कौशिक	9589033432
जांजगीर-चांपा	कूर्मि व्यास नारायण कश्यप	9425220316
कोरबा	कूर्मि अनिरुद्ध चंद्रा	9300842510
रायगढ़	कूर्मि राजेश कौशिक	9302577805
दुर्ग, भिलाई	कूर्मि मोरध्वज चंद्राकर	9827112661
कवर्धा	कूर्मि दौलत कश्यप	9893182264
अंबिकापुर	कूर्मि देव प्रताप सिंह	9406133419
सूरजपुर	कूर्मि सुरेश वर्मा	9425578653
बलरामपुर	कूर्मि गिरीश पटेल	9926167334
दिल्ली	कूर्मि अनिल पटेल	9999969601
मुंबई (महाराष्ट्र)	कूर्मि दीपक सिंह	7710014403
नागपुर	कूर्मि आर. एस. कनौजिया	9730031290
	कूर्मि मधुकर मेहकरे	9422108646
थाने (महाराष्ट्र)	कूर्मि यू.पी.सिंह	9969879909
बैंगलुरू (कर्नाटक)	कूर्मि दिनेश पटेल	9923697209
	कूर्मि सतीश कौशिक	9886110433
भोपाल (म.प्र.)	कूर्मि ममता पटेल	9229683301
	कूर्मि वीणा वर्मा	9425096276
उज्जैन (म.प्र.)	कूर्मि रमेश चन्द्र नायक (पाटीदार)	9926790652
ग्वालियर (म.प्र.)	कूर्मि हीरालाल पटेल	9893908393
शाजापुर (म.प्र.)	कूर्मि संजीव कुमार पाटिल	9755119889
जबलपुर (म.प्र.)	कूर्मि रामसिंह	9300247612
मंडला (म.प्र.)	कूर्मि प्रदीप पटेल	9340161821
इंदौर (म.प्र.)	कूर्मि प्रशांत पटेल	9617066669
इलाहाबाद (उ.प्र.)	कूर्मि हिंछ लाल सिंगरौर	9839354563
वाराणसी (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	9425175550
लखनऊ (उ.प्र.)	कूर्मि डॉ. मंजू नायक	9450693942
हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)	कूर्मि राज नारायण पटेल	9394543910
कलकत्ता (पं. बंगाल)	कूर्मि राज वर्मा	9433003267
तन्जौर (तमिलनाडू)	कूर्मि राजू पटेल	9786205369
उड़ीसा	कूर्मि श्री विजय कुमार प्रधान	09938679318
	कूर्मि श्री प्रभाषचन्द्र मोहन्ता	09237271825
राजस्थान	कूर्मि श्री बाबूराम कटियार	09829158255
	कूर्मि श्री विष्णु प्रसाद पाटीदार	09829175911
झारखंड	कूर्मि श्री कुमेश्वर महतो	09934105586
हरियाणा	कूर्मि श्री बाल्मीकी के. पटेल	09910480784
कर्नाटक	कूर्मि श्री अजय वर्मा	09341235998
	कूर्मि श्री डी.एन. बिट्टे गौड़ा	9448088372
तेलंगाना	कूर्मि श्री राजनारायण पटेल	09394543910
आंध्रप्रदेश	कूर्मि श्री मारम बाला ब्रम्हा रेड्डी	09573636999
बिहार	कूर्मि श्री मृत्युंजय कुमार	09801874098
आसाम	कूर्मि श्री गंगाप्रसाद कूर्मि	09854010713
गोवा	कूर्मि श्री प्रताप सिंह वेलिप कानकार	09860275261
केरल	कूर्मि श्री के.वी. भास्करण	09447679008
उत्तराखण्ड	कूर्मि डॉ. सत्यनारायण सचान	09412172282
दिल्ली	कूर्मि श्री मिथिलेश कुमार	09212503272
पंजाब	कूर्मि डॉ. सुकवासीलाल सचान	0172-2293248
गुजरात	कूर्मि श्री विजय भाई सी पटेल	09377044599
सिक्किम	कूर्मि श्री रूपेश कुमार	09434022637

सौजन्य से :-